जबलपुर

रविवार, 14 जनवरी 2024

- पौष मास शुक्ल पक्ष-3
- वर्ष : 18, अंक : 252
- पृष्ठ : 14, मूल्य : 3.00 रूपये

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

मौसम

अधि. 26

न्यून. 13

8

बहिष्कार की सियासत से किन्हें तुष्ट कर रही कांग्रेस

मैट्रो

14 किसानों को मिलेगा 917 रुपए का धान बोनस

निकुंज श्रीवास्तव बने प्रमुख सचिव माइनिंग

भोपाल। मप्र सरकार के आईएएस अधिकारी निकुंज श्रीवास्तव को प्रमुख सचिव खनिज संसाधन विभाग सदस्य किया है। उनके पास प्रमुख सचिव विज्ञान में प्रौद्योगिकी विभाग के साथ ही प्रमुख सचिव राजस्व विभाग और राहत और पुनर्वास आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार रहेगा। बता दें प्रमुख सचिव खनिज साधन विभाग के पद पर 1997 बैच के आईएएस अधिकारी राघवेंद्र कुमार सिंह पदस्थ थे जो अब मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव और औद्योगिक नीति एवं प्रोत्साहन निवेश विभाग के प्रमुख सचिव हैं।

सीएम डॉ. यादव ने शहडोल में आहार अनुदान योजना में हितग्राहियों को 29.11 करोड़ रुपए की राशि अंतरित

शहडोल में खुलेगा नया कॉलेज 'सहजन' की ब्रांडिंग की जाएगी

शहडोल में एक करोड़ रुपए लागत से निर्मित स्पोर्ट्स कांप्लेक्स लोकार्पित

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस क्षेत्र में सहजन अर्थात मुनगा का भी उत्पादन काफी मात्रा में होता है। स्वाद और सेहत में बेजोड़ माने गए सहजन को अन्य प्रदेशों तक भेजा जाता है। इसके उत्पादन को पहचान दिलवाने और उत्पादकों को लाभान्वित करने के लिए योजना पर अमल किया जाएगा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शहडोल पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जिले को कई सौगातें दी। उन्होंने शहडोल में नया शासकीय महाविद्यालय खोलने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इस अंचल के विकास के विशेष प्रयास होंगे। आदिवासी बहुल शहडोल संभाग तेज गति से प्रगति करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस क्षेत्र में सहजन अर्थात मुनगा का भी उत्पाद काफी मात्रा में होता है। स्वाद और सेहत में बेजोड़ माने गए सहजन को अन्य प्रदेशों तक भेजा जाता है। इसके उत्पादन को पहचान दिलवाने और उत्पादकों को लाभान्वित करने के लिए योजना पर अमल किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को शहडोल में आहार अनुदान योजना में पात्र परिवारों को राशि अंतरण और अन्य विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमिपूजन के समारोह को संबोधित कर रहे थे।

आहार अनुदान योजना में मप्र के ऐसे 14 जिलों जहां बैगा, भारिया और सहरिया विशेष पिछड़ी जनजाति के लोग बहुतायत से रहते हैं, कुल 29 करोड़ 11 लाख रुपए की राशि सिंगल क्लिक से अंतरित की।

जबलपुर में पहली कैबिनेट 'वीरांगनाओं' के प्रति सम्मान

सीएम ने आहार अनुदान योजना में मप्र के ऐसे 14 जिलों जहां बैगा, भारिया और सहरिया विशेष पिछड़ी जनजाति के लोग बहुतायत से रहते हैं, कुल 29 करोड़ 11 लाख रुपए की राशि सिंगल क्लिक से अंतरित की। यहां विभिन्न तरह के 16 कार्यों का लोकार्पण और भूमि पूजन भी किया। लोकार्पित कार्यों की लागत 35 करोड़ 94 लाख रुपए है। जिन कार्यों का शिलान्यास हुआ उनकी लागत 15 करोड़ 55 लाख रुपए है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में कैबिनेट की बैठक जबलपुर में आयोजित की गई थी, जिसका उद्देश्य रानी दुर्गावती और रानी अवंती बाई जैसी वीरांगनाओं के प्रति सम्मान व्यक्त करना था। भारतीय महिलाओं ने इतिहास में पराक्रम के उदाहरण प्रस्तुत किए हैं।

श्रीअन्न से बढ़ेगी किसानों की आय, सेहत भी सुधरेगी

डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने जनजातीय वर्ग के विकास के लिए पहल की है। किसी समय मिलेट्स (श्रीअन्न) को गरीबों का अन्न कहा गया था, हमारे देश का मुख्य आहार चावल, कोदो-कुटकी, ज्वार-बाजरा ही रहा है। प्रधानमंत्री ने मोटे अनाज अर्थात श्रीअन्न के उपयोग पर जोर दिया है। प्रदेश सरकार ने श्रीअन्न के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना लागू करने का निर्णय लिया है। योजना के अंतर्गत श्रीअन्न जिसमें कोदो-कुटकी, रागी, ज्वार, बाजरा आदि के उत्पादन करने वाले किसानों को प्रति किलो 10 रुपए की अतिरिक्त राशि प्रोत्साहन स्वरूप प्रदान की जाएगी। यह राशि सीधे किसानों के खाते में अंतरित की जाएगी।

शास्त्रीय गायिका प्रभा अत्रे का निधन

पुणे। मशहूर शास्त्रीय गायिका प्रभा अत्रे (92) का शनिवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। हार्ट अटैक के बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। दिग्गज गायिका हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के किराना घराने से जुड़ी थीं। संगीत के क्षेत्र में योगदान के लिए उन्हें तीनों प्रतिष्ठित पद्म पुरस्कारों- पद्म विभूषण, पद्म श्री और पद्म भूषण से सम्मानित किया गया।

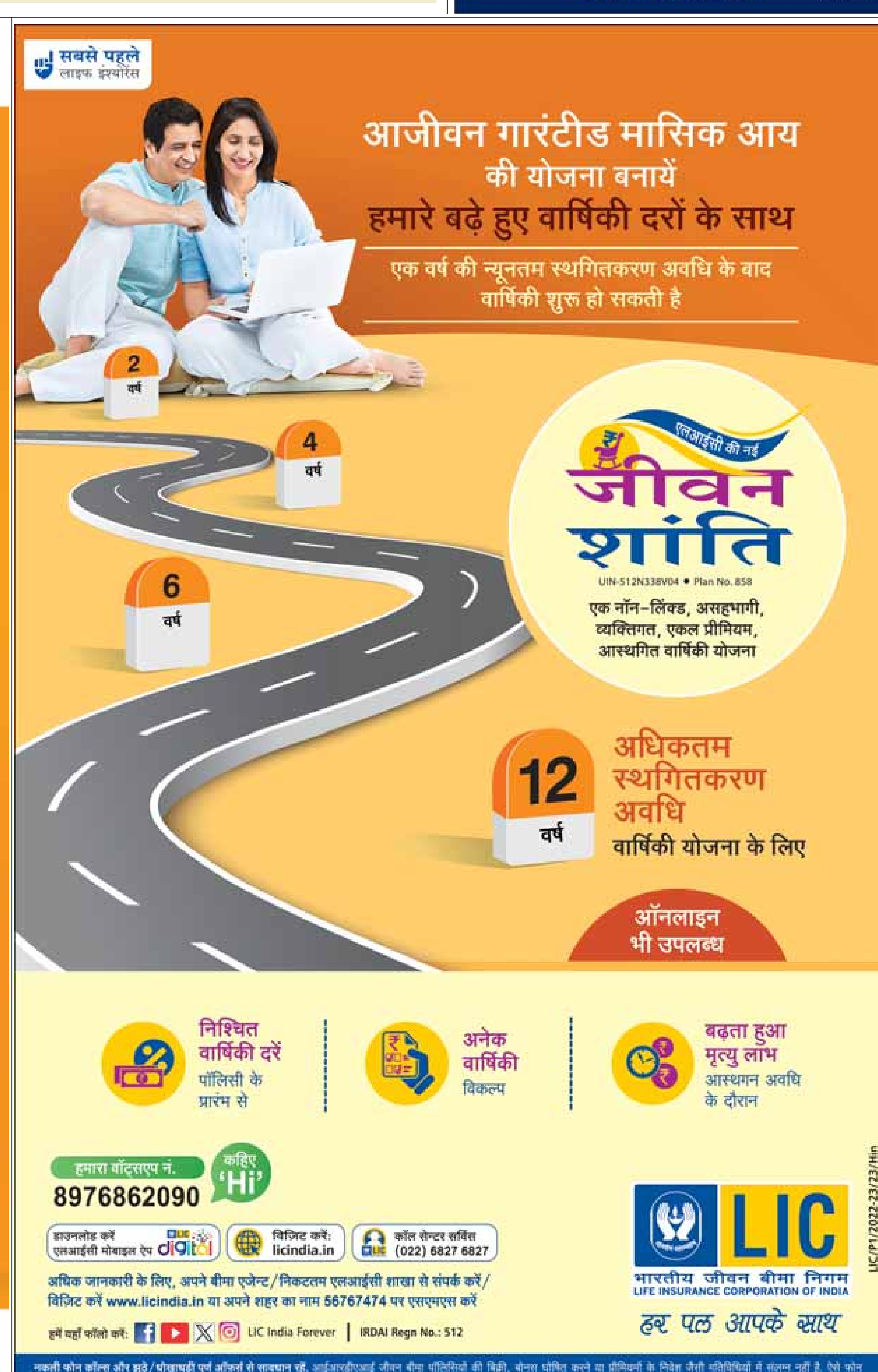

हरिभूमि

जबलपुर
रविवार 14 जनवरी 2024

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

ईपीएफओः हाई पेंशन की डेडलाइन बढ़ाई

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने सहूलियत दी है। अधिक पेंशन पाने का विकल्प चुनने की डेडलाइन एक बार फिर से बढ़ा दी गई है। उच्च पेंशन के लिए वेतन की डिटेल्स ईपीएफओ की साइट पर अपलोड करने के लिए एंप्लॉयर्स को अब 31 मई 2024 तक का समय दिया गया है। अब नियोक्ताओं को ज्यादा पेंशन का विकल्प चुनने के लिए एक्स्ट्रा समय मिलेगा।

पीएम मोदी ने आव्हान किया है प्राण-प्रतिष्ठा से पहले देश भर के मंदिरों में चलाया जाए स्वच्छता अभियान

विजयवर्गीय व सारंग ने मंदिर व गोशालाओं में झाड़ू लगाकर दिया ‘स्वच्छता’ का संदेश

मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से आज हर भारतीय स्वच्छता को जीवनचर्या का अभिन्न हिस्सा बना कर देश के विकास में अपना महत्त्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

अयोध्या में रामलला मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा 22 जनवरी को होने जा रही है। देश भर में उत्साह का माहौल है। मप्र सरकार ने सभी मंदिरों में स्वच्छता अभियान चलाने के साथ ही साथ अन्य क्रियाकलाप करने की एडवाइजरी जारी की है।

इसी के मद्देनजर सरकार के दो मंत्रियों नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीव व खेल तथा सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग ने मंदिर व गोशालाओं में पहुंचकर झाड़ू लगाई व साफ-सफाई की। मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से आज हर भारतीय स्वच्छता को जीवनचर्या का अभिन्न हिस्सा बना कर देश के विकास में अपना महत्त्वपूर्ण योगदान दे रहा है। स्वच्छता में ही ईश्वर का वास होता है। भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के निमित्त प्रधानमंत्री की ओर से किए गए आह्वान पर शनिवार को इंदौर में स्वच्छता अभियान में सहभागिता कर श्रमदान किया। स्थानीय जनों के साथ साईं मंदिर एवं गोशाला के आसपास साफ-सफाई की। इस मौके पर विधायक रमेश मेंदोला व रहवासी भी मौजूद थे।

नरेला के मंदिर से स्वच्छता अभियान की शुरूआत

सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने शनिवार को नरेला विधानसभा अंतर्गत वार्ड 69 में अशोका गार्डन स्थित दुर्गा धाम मंदिर में स्वच्छता सेवा की। उन्होंने कहा कि 22 जनवरी को वर्षों की प्रतीक्षा समाप्त होने जा रही है। अयोध्या में प्रभु श्री राम भव्य मंदिर में विराजमान होने जा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने प्राण-प्रतिष्ठा से पूर्व 22 जनवरी तक देश के तीर्थ स्थानों एवं मंदिरों की साफ-सफाई करने और स्वच्छता का अभियान चलाने की अपील की है। इसके निमित्त नरेला विधानसभा के समस्त मंदिरों में स्वच्छता अभियान को शुरू किया गया है। मंत्री सारंग ने बताया कि 22 जनवरी को संपूर्ण नरेला विधानसभा में दीपोत्सव समेत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। हर घर, हर मंदिर, हर प्रतिष्ठान में दीपक जलाने के साथ ही प्रभात फेरियां निकाली जाएंगी एवं भजन-कीर्तन समेत संपूर्ण नरेला विधानसभा में विभिन्न धार्मिक आयोजन संपन्न होंगे।

खबर संक्षेप

इंडिगो फ्लाइट की ढाका में इमरजेंसी लैंडिंग

मुंबई। मुंबई से विमान में सवार हुए लोगों को गुवाहाटी जाना था लेकिन वो बांग्लादेश पहुंच गए।

दरअसल मुंबई से गुवाहाटी जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6ई 5319 को गुवाहाटी में खराब मौसम के कारण बांग्लादेश के ढाका में लैंडिंग करानी पड़ी। सभी यात्री पूरी तरह सुरक्षित हैं। अब यात्रियों को ढाका से गुवाहाटी पहुंचाने के लिए इंडिगो कंपनी दूसरी फ्लाइट की व्यवस्था कर रही है।

जल्द खुलेंगे इथेनॉल ईंधन स्टेशनः गडकरी

नई दिल्ली। देश की शीर्ष रिफाइनरी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन 300 इथेनॉल ईंधन स्टेशन खोलेगी।

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने यह ऐलान किया। पश्चिमी शहर पुणे में एक चीनी सम्मेलन के मौके पर गडकरी ने कहा, इथेनॉल पंप खोलने की मेरी मांग को पेट्रोलियम मंत्री ने स्वीकार कर लिया है। उन्होंने आगे कहा, इंडियन ऑयल ने देश में 300 इथेनॉल पंप शुरू करने का फैसला लिया है।

भारत में टेस्ला 30 अरब डॉलर का करेगी निवेश

नई दिल्ली। एलन मस्क की कार कंपनी टेस्ला भारतीय बाजार में प्रवेश करने के लिए एडवांस स्तर पर बातचीत कर रही है और अगले पांच वर्षों में करीब 30 अरब डॉलर का निवेश कर सकती है।

जैसे-जैसे भारत एक नई इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति का मसौदा तैयार करने के करीब पहुंच रहा है, टेस्ला भारत में आने के लिए बातचीत कर रही है । 5 वर्षों में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करीब 30 अरब डॉलर का निवेश करेगी।

मौसम का नया रंग : दक्षिणी हवाओं और बादलों का असर, चार दिन ऐसे ही बीतेंगे

जनवरी बना ‘मार्च’, दस साल की सबसे गर्म रातें, सर्दी पर ब्रेक

आधा जनवरी बीत रहा है और रात का पारा 12 डिग्री से नीचे नहीं उतर रहा

मार्च में सामान्य तौर पर रात का पारा 15 से 16 डिग्री और दिन का 30 डिग्री के करीब होता है

दिसंबर से जनवरी के बीच करीब 12 दिन ही सामान्य सर्दी के रहे

न तो ज्यादा शीतलहर रही और न ही प्रदेश में कहीं भी पाले का असर रहा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी सहित पूरे प्रदेश में इस साल जनवरी महीने की रातें मार्च जैसी हो रही हैं। 10 साल में यह पहला अवसर है कि भोपाल में आधा जनवरी बीत रहा है और रात का पारा 12 डिग्री से नीचे नहीं उतरा है। इतना ही नहीं पूरे प्रदेश में सर्दी का असर कम होने के साथ ही इस साल अब तक पाले का भी कहीं अता-पता नहीं है। मार्च में सामान्य तौर पर रात का पारा 15 से 16 डिग्री और दिन का 30 डिग्री के करीब होता है। शनिवार को भोपाल में दिन का तापमान एक डिग्री बढ़कर 29 और रात का 3 डिग्री की बढ़त के साथ 15 डिग्री तक पहुंच गया है। यह सामान्य से क्रमशः 4-4 डिग्री अधिक है। पिछले साल भोपाल में इस तारीख को 7 डिग्री के करीब सर्दी थी, जबकि 2014 में 12 जनवरी को 8 डिग्री पर पारा दर्ज हुआ था। 13 जनवरी 2017 को यहां रात में 4 डिग्री तक सर्दी थी, जिससे तीव्र शीतलहर और प्रदेश के कई जिलों में पाला पड़ने के हालात बन गए थे।

रविंद्र भवन के पास दृश्य

सर्दी के सीजन में लंबे अरसे बाद ऐसा मौसम

इस साल सर्दी के हालात यह हैं कि दिसंबर से जनवरी के बीच करीब 12 दिन ही सामान्य सर्दी के रहे हैं। इन दिनों में रात का पारा 8 से 10 डिग्री के बीच या उसके आसपास रहा। इससे सर्दी के सीजन में लंबे अरसे बाद ऐसा हो रहा है कि जनवरी आधा बीतने को है और न तो ज्यादा शीतलहर रही और न ही प्रदेश में कहीं भी पाले का असर रहा है। लंबे समय बाद ऐसा है कि प्रदेश में अभी तक कहीं पाला नहीं रहा।

क्यों सर्दी हो रही बेअसर?

पश्चिमी विक्षोभों की संख्या बढ़ी

शुक्ला के अनुसार दिसंबर और जनवरी में आने वाले पश्चिमी विक्षोभों की संख्या बढ़ने के साथ ही प्रदेश में हवाओं का बार-बार बदलने से बादल और धुंध का असर बना रहना सर्दी में कमी रहने का प्रमुख कारण है। आमतौर पर जनवरी तक आने वाले पश्चिमी विक्षोभ से बारिश के साथ कहीं-कहीं ओले भी गिरते है, जिससे सर्दी तेजी से बढ़ती है। लेकिन इस बार के डब्ल्यूडी या तो कमजोर रहे या फिर हवाएं बदलने से बादल छाए रहे, जिससे रातें और गर्म हो गईं।

जनवरी में कब कितना रहा रात का सबसे कम पारा?

इस साल 11 जनवरी को अब तक सबसे कम रात का पारा 12 डिग्री रहा। इसके अलावा पिछले 10 साल के रिकार्ड में 13 जनवरी 2017 को यह 4 डिग्री रहा है। वर्ष 2014 में 8, 2015 में 5.8, 2016 में 6, 2018 में 6.6, 2019 में 4.8, 2020 में 4.6, वर्ष 2021 में 5.2 और वर्ष 2022 में 8 जनवरी को यह 6.2 डिग्री रहा है। इस साल सबसे कम पारा 12 डिग्री से नीचे नहीं गया।

कोहरे में आने लगी कमी

शनिवार को प्रदेश में कोहरे में काफी कमी रही। भिंड, ग्वालियर, मुरैना, मऊगंज आदि जिलों में घना कोहरा रहा, जबकि एक दर्जन जिलों में धुंध या हल्का कोहरा रहा है। प्रदेश में सबसे कम रात का पारा शहडोल के कल्याणपुर में 4.8 डिग्री रहा, जबकि सबसे गर्म दिन खंडवा में 30.1 डिग्री दर्ज हुआ है। प्रदेश में दिन का पारा सामान्य से औसतन 3 और रात का औसतन 4 डिग्री तक अधिक दर्ज हुआ है।

शिवराज के बेटे कार्तिकेय ने यह कहकर चौंकाया

वादे पूरे करवाने के लिए जरूरत पड़ी तो मैं ‘सरकार’ से भी लड़ूंगा

जरूरत पड़ी तो वादा निभाने किसी भी हद तक जाने के लिए तैयार हूं

वोट मांगने मैं आया था, इसलिए आपके साथ खड़ा हूं

विशेष प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के बाद अब उनके बेटे कार्तिकेय सिंह का भैरूंदा में दिया एक आक्रामक बयान खासा चर्चा में है। बुदनी क्षेत्र के लोगों को संबोधित करते हुए यहां उन्होंने कहा कि मैं नेता नहीं हूं।

फिलहाल, मेरा राजनीति में आने का कोई ईरादा भी नहीं है। फिर भी आप मुझे इतनी इज्जत देते हैं। आपके बीच मैं आया इसलिए क्योंकि वोट मांगने मेरे पिताजी नहीं आए थे, मैं आया था। बाइक लेकर आपके बीच मैं खड़ा था। यदि आप से किए गए वादे पूरे न हो पाए तो मैं चैन की नींद सो नहीं पाऊंगा। इसलिए, अब वादा निभाने आया हूं। कार्तिकेय ने कहा कि प्रदेश में अपनी ही सरकार है, इसलिए जरूरत नहीं पड़ेगी लेकिन फिर भी जरूरत पड़ी तो पीछे नहीं हटूंगा। वादे निभाने के लिए मैं किसी भी हद तक जा सकता हूं। लड़ना पड़ा तो आप मुझे अपने साथ खड़ा पाएंगे।

शिवराज प्रचार में आते तो जीत और बड़ी होती

कार्तिकेय ने कहा कि शिवराज जी बिना प्रचार किए बुधनी में ऐतिहासिक मतों से जीते हैं, अगर वह एक दिन भी प्रचार के लिए आते तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि कितने और मतों से वह जीतते। उन्होंने कहा कि बुधनी विधानसभा हमारा पूरा परिवार है। कांग्रेस के राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम में नहीं जाने को लेकर कार्तिकेय ने निशाना साधते हुए कहा कि ‘विनाश-काले-विपरीत बुद्धि’ कांग्रेस की हो गई है। आज पूरा विश्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देख रहा है, उनके नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है और राम मंदिर का भव्य प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम आयोजित होने जा रहा है। कार्तिकेय ने एक बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि क्षेत्र में मार्च में एक और क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। यह आयोजन इतना बड़ा होगा कि पूरे देश के लोगों की आंखें फटी की फटी रह जाएंगी। विकसित भारत संकल्प यात्रा में शामिल होने के लिए पहुंचे कार्तिकेय ने हितग्राहियों को हित लाभ का वितरण भी किया।

स्ट्रीट डॉग्स के झुंड द्वारा छह महीने के बच्चे को नोंचकर खाने का मामला

नायब तहसीलदार की मौजूदगी में मासूम का शव कब्र से निकाला

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

- पुलिस जांच में जुटी गुनहगार कौन? पुलिस ने दर्ज किए पिता के बयान

अयोध्या नगर स्थित मिनाल रेसीडेंसी के गेट नंबर 4 के पास छह महीने के मासूम बच्चे को कुत्तों के झुंड द्वारा उठाकर ले जाने और उसे नोंचकर खाने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। शनिवार दोपहर करीब साढ़े 12 बजे पुलिस की टीम नायब तहसीलदार के साथ छावनी पठार स्थित श्मशान घाट पहुंची थी। वहां से मासूम की कब्र खुदवाई गई और शव निकालकर पीएम कराया गया। शाम करीब साढ़े चार बजे के आसपास मासूम का शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया गया है। पिता देवेंद्र से पुलिस ने एक बार फिर पूछताछ की थी। देवेंद्र ने बताया कि 10 जनवरी की सुबह वह अपनी पत्नी के साथ मिनाल काम पर गए थे। पत्नी ने सुबह करीब 11 बजे के आसपास बेटे को दूध पिलाया और दूध की बोतल देवेंद्र को दी थी। मां ने देवेंद्र से कहा था कि बेटे की देखभाल करना और भूख लगे तो उसे बोतल का दूध पिला देना। इसी बीच काम आने के कारण देवेंद्र बच्चे को छोड़कर वहां से चले गए। लौटकर आए तो पता चला कि बच्चा नहीं है।

दुनिया में कोई भी बड़ा मुद्दा भारत के साथ परामर्श के बिना तय नहीं होताः जयशंकर

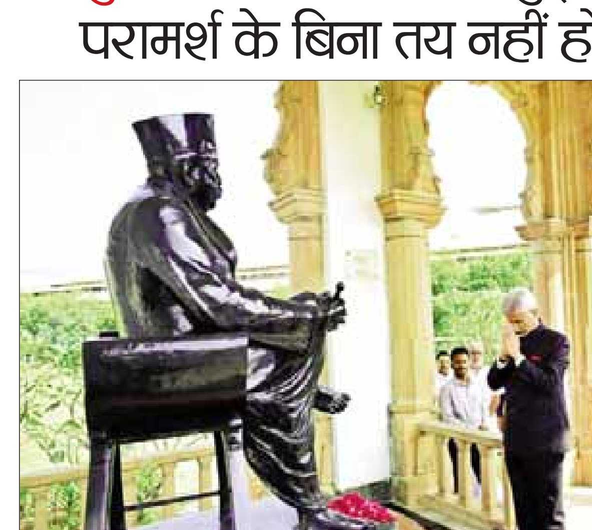

नागपुर में आरएसएस संस्थापक को दी श्रद्धांजलि

नागपुर। *विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने महाराष्ट्र के नागपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में दावा किया कि दुनिया में कोई भी बड़ा मुद्दा भारत के साथ परामर्श के बिना तय नहीं किया जाता है। उन्होंने कहा कि अब हम बदल गए हैं और हमारे प्रति दुनिया का नजरिया भी बदल गया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) से जुड़े बिंदु पर विदेश मंत्री ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र की इस इकाई में भारत की जरूरत पूरी दुनिया महसूस कर रही है। मंथन कार्यक्रम से पहले विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर फोटो शेयर की।*

पत्नी और ससुराल पक्ष को बताया जिम्मेदार

ससुराल में गेट ठोक रहा था, कोई बाहर नहीं निकला तो आग लगाकर दी ‘जान’

हरिभूमि न्यूज ⏭ इंदौर

- आत्महत्या की धमकी को परिजनों ने गंभीरता से नहीं लिया

इंदौर के जूनी इंदौर क्षेत्र में एक युवक ने पत्नी की प्रताड़ना से तंग आकर खुद को आग लगा ली। वह 80 प्रतिशत जल गया। परिजन उसे अस्पताल ले गए, लेकिन उसकी मौत हो गई। पारिवारिक विवाद के चलते युवक ने आत्महत्या की। उसकी पत्नी पाकिस्तान से विस्थापित होकर भारत आई थी और युवक से शादी की थी। जूनी इंदौर में रहने वाले सुनील लोहानी की शादी वर्ष 2018 में हुई थी। कुछ दिनों बाद ही पति व पत्नी के बीच विवाद होता था।

पत्नी मायके में रह रही थी, दहेज का केस दर्ज कराया था

इसके बाद उसने खुद को जला दिया। बताया जा रहा है कि सुनील की चौथी शादी है। पत्नी उससे अलग अपने मायके में रह रही थी और दहेज का केस भी उसके खिलाफ दर्ज कराया था। 4 जनवरी को वह ससुराल गया था और गेट ठोक रहा था। कोई बाहर नहीं निकला तो उसने खुद को आग लगा ली।

अमेरिका, ब्रिटेन, इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया जैसे तमाम देशों में प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर अप्रवासी भारतीयों में भारी उत्साह

अयोध्या के श्रीराम मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा के लिए मॉरीशस में हिंदू धर्म के लोक सेवकों को दो घंटे का मिलेगा ‘विशेष अवकाश’

अयोध्या। 22 जनवरी को होने वाली श्रीराम लला की प्राण-प्रतिष्ठा से पहले मॉरीशस की सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। इसके बारे में जानकर आपको भी गर्व होगा। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा की तैयारियां आखिरी चरण में हैं। देश-दुनिया में इसके लाइव प्रसारण की व्यवस्था की जा रही है। भारत से लेकर अमेरिका, ब्रिटेन, इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया जैसे तमाम देशों में प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर अप्रवासी भारतीयों में भारी उत्साह है। इस बीच मॉरीशस सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम के तहत 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर के ‘ऐतिहासिक’ प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के दौरान पूजा-अर्चना में शामिल होने के लिए हिंदू धर्म के लोक सेवकों को दिन में दो घंटे का विशेष अवकाश देने का निर्णय किया है।

2011 में हिंदुओं की आबादी लगभग 48.5 प्रतिशत थी

◆ हिंदू धर्म के अनुयायियों की संख्या मॉरीशस में सबसे अधिक

मॉरीशस में हिंदू धर्म का प्रसार विश्व में तीसरे नंबर पर

मॉरीशस अफ्रीका का एकमात्र देश है जहां हिंदू धर्म सबसे अधिक प्रचलित धर्म है। प्रतिशत के संदर्भ में राष्ट्र हिंदू धर्म के प्रसार में भारत और नेपाल के बाद विश्व स्तर पर तीसरे स्थान पर है। इस देश में हिंदू धर्म तब आया जब भारतीयों को गिरमिटिया मजदूर के रूप में औपनिवेशिक फ्रांसीसी और बाद में मॉरीशस एवं हिंद महासागर के पड़ोसी द्वीपों में ब्रिटिश बागानों में काम करने के लिए बहुत बड़ी संख्या में लाया गया था। प्रवासी मुख्य रूप से बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, झारखंड, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश से आए थे।

पाक उच्चायुक्त जेने मैरियट 10 जनवरी को पहुंची थीं मीरपुर शहर

यूके राजदूत के पीओके दौरे का भारत ने किया विरोध... संप्रभुता के साथ कोई समझौता नहीं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ब्रिटेन की उच्चायुक्त जेने मैरियट ने 10 जनवरी को पीओके के मीरपुर का दौरा किया था और उन्होंने अपनी इस यात्रा को सही भी बताया था। मैरियट पाकिस्तान में ब्रिटेन की पहली महिला उच्चायुक्त हैं।

ब्रिटेन की उच्चायुक्त जेने मैरियट के पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) दौरे पर भारत ने कड़ा विरोध जताते हुए इसे अपनी संप्रभुता का उल्लंघन बताया है।

विदेश मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि उसने 10 जनवरी 2024 को ब्रिटेन के विदेश कार्यालय के एक अधिकारी के साथ इस्लामाबाद में ब्रिटिश उच्चायुक्त की पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर की 'अत्यधिक आपत्तिजनक' यात्रा को 'गंभीरता से लिया है'। मैरियट, पाकिस्तान में पहली महिला ब्रिटिश उच्चायुक्त हैं। बता दें, ब्रिटेन की वजह से भारत का विभाजन हुआ और ब्रिटेन अभी भी भारत के खिलाफ काम करने से पहले एक बार संकोच नहीं करता है। ब्रिटेन की हाई कमिश्नर के पीओके दौरे से बवाल मच गया है।

खास बातें

- क्षेत्रीय अखंडता का ऐसा उल्लंघन अस्वीकार्य
- भारत ने 'अत्यधिक आपत्तिजनक' यात्रा को 'गंभीरता से लिया
- उच्चायुक्त: ब्रिटेन और पाकिस्तान के लोगों के बीच संबंधों का केंद्र

मीरपुर दौरे का भारत ने जताया कड़ा विरोध

ब्रिटिश उच्चायुक्त से मिले विदेश सचिव

विदेश मंत्रालय सचिव विनय क्वात्रा ने कहा कि भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का ऐसा उल्लंघन अस्वीकार्य है। भारत ने ब्रिटिश उच्चायुक्त के से कड़ा विरोध दर्ज कराया है।

उच्चायुक्त बोली-70% ब्रिटिश पाक जड़ें मीरपुर से हैं

पाकिस्तान में ब्रिटेन की उच्चायुक्त जेन मैरियट ने एक्स पर ट्वीट करते हुए 10 जनवरी को मीरपुर की यात्रा की कई तस्वीरें शेयर की है। ब्रिटिश हाई कमिश्नर को तस्वीरों में कुछ खिलाड़ी बच्चों, एक मिठाई की दुकान, कुछ स्थानीय महिलाओं और एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए देखा जा सकता है। भारत द्वारा दावा किए जाने वाले क्षेत्र मीरपुर की अपनी यात्रा को उचित ठहराते हुए मैरियट ने कहा कि चूंकि 70% ब्रिटिश पाकिस्तानी जड़ें मीरपुर से हैं, इसलिए प्रवासियों के हितों के साथ मिलकर काम करना उनके लिए महत्वपूर्ण हो जाता है। अपनी यात्रा पर उन्होंने कहा था कि मीरपुर से सलाम, ब्रिटेन और पाकिस्तान के लोगों के बीच संबंधों का केंद्र। अपने आतिथ्य के लिए धन्यवाद।

दौरे से उठे सवाल

दौरे के बाद अब सवाल उठ रहे हैं, कि क्या ब्रिटिश हाई कमिश्नर ने अपनी मर्जी से पीओके का दौरा किया है, या फिर पाकिस्तान अधिगृहित कश्मीर के दौरे के पीछे ब्रिटेन की ऋषि सुनक सरकार की मंजूरी मिली हुई है, जो भारतीय मूल के हैं। एक्सपर्ट्स सवाल पूछ रहे हैं, कि ब्रिटिश सरकार की मंजूरी नहीं है, तो फिर कार्रवाई क्यों नहीं की।

वे पाक में पहली महिला राजदूत

पिछले साल जून में जेन मेरियट को पाक में ब्रिटेन का हाई कमिश्नर नियुक्त किया गया था, जिससे वह इस्लामाबाद में पहली महिला ब्रिटिश दूत बन गईं थीं। मैरियट सितंबर 2019 से केन्या में उच्चायुक्त थीं। उन्होंने डॉ. क्रिश्चियन टर्नर की जगह ली थी।

◆ मानवीय आधार पर बीमा कवरेज का प्रावधान एक बड़ा मनोबल बढ़ाने वाला साबित होगा

रक्षा मंत्री ने प्रस्ताव को दी मंजूरी

बीआरओ के दिहाड़ी मजदूरों को मिलेगा 10 लाख का बीमा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) की ओर से विभिन्न बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए लगाए गए दिहाड़ी मजदूरों के लिए बीमा योजना शुरू करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार इस योजना के तहत परियोजना कार्यों के दौरान किसी मजदूर की मृत्यु होने पर उसके परिजनों को 10 लाख रुपए की राशि दी जाएगी। रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान के मुताबिक 'रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सीमा सड़क संगठन, जनरल रिजर्व इंजीनियर फोर्स द्वारा लगाए गए आकस्मिक वेतन भोगी मजदूरों (सीपीएल) के लिए चल रहे परियोजना कार्यों के लिए समूह (सावधि) बीमा योजना शुरू करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

पीड़ित परिवारों को मिलेगा सहारा

मंत्रालय ने कहा कि यह योजना देश के दूरदराज के क्षेत्रों में काम करने वाले सीपीएल के लिए एक

सामाजिक सुरक्षा और कल्याणकारी उपाय के रूप में काम करेगी। रक्षा मंत्रालय के बयान के मुताबिक खतरनाक कार्यस्थलों पर तैनात सीपीएल के जीवन के लिए गंभीर जोखिम, खराब मौसम, दुर्गम इलाके और व्यावसायिक स्वास्थ्य खतरों और उनके काम के दौरान किसी भी दुर्घटना को ध्यान में रखते हुए, मानवीय आधार पर बीमा कवरेज का प्रावधान एक बड़ा मनोबल बढ़ाने वाला साबित होगा। मंत्रालय ने कहा कि यह योजना सीएलपी के परिवारों की आजीविका को सुरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

सही मार्ग पर चलने का दिया संदेश

दरगाह पर चढ़ाई पीएम मोदी की चादर

- देश-दुनिया में अमन और शांति की कामना की
- धानमंडी से दरगाह तक निकला पैदल जुलूस
- अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी चादर लेकर पहुंचे

अजमेर। चादर पेश करने के बाद दरगाह के बुलंद दरवाजे पर पीएम मोदी के संदेश को जायरीनों को सुनाया गया। पीएम मोदी के संदेश में कहा कि ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती के 812वें उर्स मुबारक के अवसर पर ईश्वर से उनके अनुयायियों और अजमेर शरीफ आए सभी श्रद्धालुओं को बधाई और हार्दिक शुभकामनाएं। भारत के संतों, पीरों और फकीरों ने अपने आदर्शों व विचारों से जन-जन को सही मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया है। लोगों में अमन शांति सद्भावना और भाईचारे का संदेश देते हुए उन्होंने हमारी सांस्कृतिक एकता को सशक्त किया।

दिव्या पाहुजा मर्डर केस

12वें दिन टोहना की नहर में मिली मॉडल की बॉडी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिव्या पाहुजा मर्डर केस में बड़ी कामयाबी हाथ लग गई है।

एनडीआरएफ और गुरुग्राम क्राइम ब्रांच की टीम को दिव्या पाहुजा की बॉडी हरियाणा के टोहना के पास नहर में मिली है। 27 वर्षीय पूर्व मॉडल दिव्या पाहुजा की पिछले हफ्ते एक होटल के कमरे में गोली मारकर हत्या की गई थी। 4 लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

पाहुजा के परिवार को तस्वीरें भेजीं

पुलिस ने कहा कि उन्होंने पाहुजा के परिवार को तस्वीरें भेजीं, जिन्होंने उसके शव की पहचान की। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। गुड़गांव के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मुकेश कुमार ने कहा कि घटना 1 जनवरी को हुई और शव को 2 जनवरी को फेंक दिया गया था। पीड़िता के शरीर की पहचान उसके टैटू से की। कल शाम कोलकाता हवाई अड्डे से गिरफ्तार बलराज गिल ने पुलिस को पूछताछ के दौरान बताया कि उसने पूर्व मॉडल के शव को पटियाला में एक नहर में फेंक दिया था।

स्वदेशी हथियारों पर रहेंगी नजरें, सेना की ताकत हैं यह हथियार

गणतंत्र दिवस की परेड में 'मेड इन इंडिया' पर जोर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राजपथ पर इस साल गणतंत्र दिवस की परेड में मेड इन इंडिया हथियार आकर्षण का मुख्य केंद्र रहेंगे। परेड के दौरान स्वदेशी हथियार जैसे एलसीएच प्रचंड हेलीकॉप्टर, पिनाका मल्टी बैरल रॉकेट लॉन्चर और एंटी टैंक मिसाइल नाग का प्रदर्शन किया जाएगा।

एलसीएच प्रचंड हेलीकॉप्टर देश का पहला स्वदेशी मल्टी रोल कॉम्बैट हेलीकॉप्टर है, जिसे हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड द्वारा डिजाइन किया गया है।

परेड में इन हथियारों का प्रदर्शन

इस साल गणतंत्र दिवस की परेड में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रां मुख्य अतिथि होंगे। मेड इन इंडिया हथियारों में टी-90 टैंक, बीएमपी-2 इंफेंट्री कॉम्बैट वाहन, ड्रोन जैमर्स, एडवांस्ड सर्वत्र ब्रिज, सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें और मल्टी फंक्शन रडार आदि का भी प्रदर्शन किया जाएगा। एलसीएच प्रचंड हेलीकॉप्टर और नाग मिसाइल सबसे ताकतवर हथियार हैं। इनकी भी झलक दिखेगी।

'सुपरसोनिक जेट'...1 घंटे में दिल्ली से मुंबई

वॉशिंगटन। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा और एयरोस्पेस क्षेत्र की प्रमुख लॉकहीड मार्टिन ने औपचारिक रूप से कम आवाज वाले सुपरसोनिक विमान एक्स-59 लॉन्च किया है। एक्स-59 के ध्वनि की गति से 1.4 गुना या 925 मील प्रति घंटे की गति से उड़ने की उम्मीद है। दिल्ली से मुंबई की दूरी करीब 1500 किमी है, तो यह जेट 1 घंटे से भी कम समय में दूरी तय कर लेगा। 99.7 फीट लंबे और 29.5 फीट चौड़े विमान का आकार और तकनीकी प्रगति शांत सुपरसोनिक उड़ान को संभव बनाएगी। नोज इसकी लंबाई का एक तिहाई है।

- » गेम चेंजर: नासा और लॉकहीड मार्टिन का कमाल
- » कम आवाज वाले सुपरसोनिक विमान एक्स-59 लांच
- » विमान साल के अंत में पहली बार भरेगा उड़ान
- » यह जेट ध्वनि की गति से भी तेज उड़ने में सक्षम
- » नई पीढ़ी के वाणिज्यिक विमानों का मार्ग प्रशस्त

भारत-जापान के बीच 'युद्धाभ्यास'

- » चेन्नई के तट पर हिंद महासागर में हो रहा युद्धाभ्यास
- » भारत के 9 जहाज और 6 एयरक्राफ्ट शामिल
- » जापान तटरक्षक बल का जहाज याशिमा भी दिखाएगा ताकत
- » युद्धाभ्यास का उद्देश्य समुद्री डकैतों और प्रदूषण के मुद्दों से निपटने पर जोर

नई दिल्ली। भारतीय तटरक्षक बल और जापान के तटरक्षक बल के बीच सैन्य युद्धाभ्यास सहयोग-काइजिन किया जा रहा है। यह युद्धाभ्यास चेन्नई के तट पर हिंद महासागर में हो रहा है। भारत और जापान के तटरक्षक बलों के बीच सहयोग-काइजिन युद्धाभ्यास को लेकर साल 2006 में समझौता हुआ था। भारत और जापान क्वाड समूह के सदस्य हैं। हिंद महासागर में समुद्री डकैती की घटनाएं बढ़ी हैं। साथ ही चीन भी हिंद महासागर में अपने प्रभाव को बढ़ा रहा है। ऐसे में भारत और जापान लगातार सहयोग को बढ़ा रहे हैं।

सत्तारूढ़ पार्टी के नेता और हैं उपराष्ट्रपति

लाई चिंग-ते ने ताइवान में जीता राष्ट्रपति का चुनाव

एजेंसी ▶▶ ताइपे

ताइवान में सत्तारूढ़ पार्टी के नेता और मौजूदा उपराष्ट्रपति विलियम लाई चिंग-ते ने राष्ट्रपति चुनाव जीत लिया है।

डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी अपना तीसरा कार्यकाल शुरू करेगी। लाई चिंग और उनकी पार्टी को चीन का कट्टर विरोधी माना जाता है। ऐसे में विलियम लाई चिंग-ते का चुनाव जीतना चीन के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। चिंग-ते ने अपने दो प्रतिद्वंद्वियों केएमटी से होउ और पूर्व ताइपे मेयर को वेन-जे को हराया है।

चीन ने किया है अलगाववादी घोषित

विलियम लाई की डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी ताइवान की अलग पहचान का समर्थन करती है और चीन के क्षेत्रीय दावों को खारिज करती है। यही वजह है कि चीन ने चुनाव से पहले ही लाई चिंग को अलगाववादी घोषित कर दिया था। चीन ने कथित तौर पर ताइवान की जनता को धमकी देते हुए कहा था कि अगर वे सैन्य संघर्ष की स्थिति से बचना चाहते हैं तो उन्हें सही विकल्प चुनना होगा।

'खून के समंदर' में बदल रहा है लाल सागर, यमन ने दोनों देशों को दी चेतावनी

अमेरिका-ब्रिटेन का हूती विद्रोहियों पर बड़ा हवाई हमला, बौखलाया तुर्की

ताबड़तोड़ हवाई हमलों से दहला यमन, हूती के खिलाफ अमेरिका ने छेड़ी जंग

एजेंसी ▶▶ अंकारा

लाल सागर में फिलिस्तीनियों के समर्थन में व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाए जाने के बाद अब अमेरिका और ब्रिटेन ने जवाबी हमला शुरू कर दिया है। यमन में एक साथ कई हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर अमेरिका और ब्रिटेन ने हवाई हमले किए हैं।

इन हमलों में हूती विद्रोहियों को भारी नुकसान हुआ है। दोनों देशों ने हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर बमबारी की है। हूती ठिकानों पर टॉमहॉक मिसाइलों और लड़ाकू जेट विमानों से हमला कर उसके लॉजिस्टिक हब, वायु रक्षा प्रणाली और हथियारों के जखीरे को निशाना बनाया गया है। माना जा रहा है कि इन हवाई हमलों के बाद पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ सकता है।

- हवाई हमलों के बाद पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने की आशंका
- यह कार्रवाई हूती विद्रोहियों द्वारा मालवाहक जहाजों को निशाना बनाने के बाद की
- भारत ने भी अपने 5 युद्धपोत लाल सागर में कर दिए हैं तैनात

तुर्की बोला-अमेरिका और ब्रिटेन को देंगे जवाब

तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने यमन में हूती विद्रोहियों पर हमला करने पर एक कड़े शब्दों में टिप्पणी की है कि ये देश लाल सागर को 'खून के समुद्र' में बदलने की कोशिश कर रहे हैं। वह अमेरिका, ब्रिटेन को जरूरी जवाब देगा।

पहली बार हूती विद्रोहियों पर बड़ी कार्रवाई

अमेरिका और ब्रिटेन ने हूती विद्रोहियों के खिलाफ पहली बार कार्रवाई की है। यह कार्रवाई हूती विद्रोहियों के उस हमले के बाद की गई है जिसमें उसने मालवाहक जहाजों को अपना निशाना बनाया था। इन हमलों के बाद हूती विद्रोहियों के खिलाफ चेतावनी भी जारी की गई थी। अमेरिका की ओर से बयान सामने आया था कि अगर मालवाहक जहाजों को हूती विद्रोहियों की ओर से निशाना बनाया गया तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि पिछले दिनों भारत ने भी अपने 5 युद्धपोत लाल सागर में तैनात कर दिए हैं।

20 देशों ने मिलकर शुरू किया ऑपरेशन

हूती विद्रोहियों के खिलाफ कई देश एकजुट हो गए हैं। लाल सागर में हूतियों के हमलों को रोकने के लिए यूके, यूएस, ऑस्ट्रेलिया, बहरीन, बेल्जियम, कनाडा, डेनमार्क, जर्मनी, इटली, जापान, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, दक्षिण कोरिया और सिंगापुर ने मिलकर ऑपरेशन प्रॉस्पेरिटी गार्जियन लॉच किया है। इसमें हूती के ठिकानों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। इन देशों की ओर से चेतावनी दी गई है कि अगर हूती विद्रोहियों के हमले जारी रहे तो उसके खिलाफ कई बड़े हमले किए जाएंगे।

पांच लाख लड्डू बनाने लगाए 80 कर्मचारी, 100 और लगेंगे

रामलला प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में घुलेगी महाकाल के लड्डुओं की मिठास, सीएम के निर्देश के बाद हो रहे 250 क्विंटल लड्डू तैयार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर बाबा श्री महाकालेश्वर मंदिर से पांच लाख लड्डू अयोध्या श्री राम मंदिर में भेजे जाएंगे। महाकाल मंदिर प्रबंध समिति ने चिंतामन स्थित लड्डू प्रसाद निर्माण इकाई में शुद्ध देशी घी एवं सूखे मेवे से निर्मित 250 क्विंटल लड्डू तैयार करना शुरू कर दिया है। इसके बाद पांच लाख लड्डू अयोध्या में नवनिर्मित भगवान श्री राम के मंदिर के शुभारम्भ अवसर पर भेजे जाएंगे। इसके लिए कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने शुक्रवार दोपहर में चिंतामन स्थित लड्डू प्रसाद निर्माण इकाई का निरीक्षण किया।

खास बातें
- शुद्ध देशी घी और सूखे मेवे से किए जा रहे निर्मित
- पांच लाख लड्डू श्रीराम मंदिर शुभारंभ पर अयोध्या भेजे जाएंगे

कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने किया लड्डू प्रसाद निर्माण इकाई का किया निरीक्षण

कलेक्टर ने लिया लड्डू प्रसाद की तैयारियों का जायजा

मन्दिर प्रबंध समिति के प्रशासक संदीप सोनी ने कलेक्टर को बताया कि पांच लाख लड्डू बनाये जाने पर 80 क्विंटल घी, 90 क्विंटल शकर, चना दाल 70 क्विंटल, रवा 20 क्विंटल, काजू 10 क्विंटल, किशमिश 5 क्विंटल और एक क्विंटल इलायची से लड्डू प्रसाद निर्मित किये जा रहे हैं। इस कार्य में मन्दिर समिति के 80 कर्मचारियों के द्वारा लड्डू प्रसाद का निर्माण किया जा रहा है। इनके अलावा लड्डू प्रसाद निर्माण के लिए अतिरिक्त 100 कर्मचारियों को लगाए जाने की तैयारी है।

50 ग्राम का एक लड्डू

पांच लाख लड्डू के बनाने के बाद उन्हें पैकेट में पैकिंग कर अयोध्या में भगवान राम के मंदिर के शुभारंभ के पूर्व उज्जैन से अयोध्या भेजे जाएंगे। गौरतलब है कि एक लड्डू का वजन 50 ग्राम रहेगा। मंदिर प्रशासन ने तय किया है कि सभी पांच लाख लड्डू के पैकेट 22 जनवरी से पहले अयोध्या पहुंच जाए।

खबर संक्षेप

बीच सत्र में अतिथि शिक्षकों को हटाने के निर्देश

भोपाल। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के खाली पदों के विरुद्ध रखे गए अतिथि शिक्षकों को बीच सत्र में हटाने के निर्देश जारी किए गए हैं। शिक्षा अधिकारियों ने जहां पर शिक्षकों की पदस्थापना हो गई है, वहां से अतिथि शिक्षकों को बाहर करने के निर्देश जारी किए हैं। दरअसल, प्रदेश के स्कूलों में जिन विषयों पर अतिथि शिक्षक पढ़ा रहे थे। उन विषयों पर नए शिक्षक नियुक्त हो गए हैं इसलिए अतिथि शिक्षकों को हटाया जा रहा है। इसके चलते अतिथि शिक्षकों के समक्ष रोजी रोटी का संकट उत्पन्न हो गया है।

418 नगरीय निकायों को मिले 226.74 करोड़

भोपाल। भोपाल नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने प्रदेश के समस्त नगरीय निकायों को चुंगी क्षतिपूर्ति की 226 करोड़ 74 लाख रुपए की राशि हस्तांतरित की है। यह राशि 418 नगरीय निकायों को दी गई है। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने पिछले दिनों विभागीय अधिकारियों की बैठक में कर्मचारियों को वेतन एवं मानदेय समय पर मिले इस उद्देश्य से यह निर्देश दिए थे।

मेरी राजनीति किसी पद के लिए नहीं: शिवराज

भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को पुणे में भारतीय छात्र संसद के 13वें संस्करण कार्यक्रम में युवाओं में जोश भरा। उन्हें राजनीति में आने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि लोग मुझे फॉर्मर चीफ मिनिस्टर कहते हैं लेकिन अपन रिजेक्टेड नहीं हैं। अपन छोड़ के भी आए तो ऐसे आए कि हर जगह जनता का स्नेह और प्यार मिलता है। जहां जाते है वहां लोग कहते है मामा मामा मामा, जनता का स्नेह और प्यार यही अपनी असली दौलत है। छोड़ दिया इसका मतलब यह नहीं है कि राजनीति नहीं करुंगा। मैं राजनीति करूंगा। मेरी राजनीति किसी पद के लिए नहीं बड़े लक्ष्य के लिए हैं।

राघवेंद्र को औद्योगिक नीति, निवेश प्रोत्साहन

भोपाल। राज्य शासन ने मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव राघवेंद्र कुमार सिंह को प्रमुख सचिव लोक सेवा प्रबंधन (अतिरिक्त प्रभार) के साथ ही औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग का भी अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। इससे पहले यह विभाग प्रमुख सचिव संजय कुमार शुक्ला के पास था। सरकार ने उन्हें इस विभाग के अतिरिक्त प्रभार से हटा दिया। इससे पहले भी दो बार उनके पास से इस विभाग के प्रभार को हटाया गया है।

कोतवाल ने पटवारी को दी जान की धमकी

रायपुर। यहां एक पटवारी को कोतवाल ने जान से मारने की धमकी दी है। कोतवाल ने शराब के नशे में पटवारी को कहा कि वो उसकी नौकरी खत्म करना चाहता है। तुम मेरा कुछ नहीं उखाड़ पाओगे कहते हुए फरसे से जान से मार देने की धमकी दी। मामला आरंग थाना क्षेत्र का है। मंदिर हसौद तहसील में पदस्थ पटवारी डिगेश्वर प्रसाद साहू ने आरंग थाना में शनिवार को एफआईआर दर्ज करवाई है कि वह 11 जनवरी को शाम 4 बजे के करीब अपने गांव परसदा जा रहा था। उसके साथ दोस्त भी मौजूद था। वे लोग रास्ते में कुछ काम से रुके। इस दौरान परसदा गांव का कोतवाल महेश दास आया। वह शराब के नशे में था उसने डिगेश्वर से अश्लील गाली गलौज की।

समय पर निर्माण कार्य पूरा करने के साथ गुणवत्ता का रखें विशेष ध्यान

सड़कें प्रदेश के विकास का द्वार, संभावनाओं वाले क्षेत्रों की पहचान कर योजना बनाएं

मॉनिटरिंग के लिए राज्य-स्तरीय ऑनलाइन क्वालिटी स्टेटस डैशबोर्ड बनाएं

लोक निर्माण विभाग की समीक्षा में सीएम डॉ. यादव ने दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सड़कें प्रदेश के विकास का द्वार है। जिन क्षेत्रों में सड़कों का निर्माण होता है, वहां आवासीय और औद्योगिक विकास होता है। अगले 10 वर्ष में विकास की गति को देखते हुए शहरों का चयन करें और भविष्य में विकास की संभावनाओं वाले क्षेत्रों की पहचान कर सड़क निर्माण की योजना बनाएं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंत्रालय में लोक निर्माण विभाग की समीक्षा कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सड़क निर्माण कार्य उच्चतम गुणवत्ता का करें। समय पर कार्य पूरा हो इसका विशेष ध्यान रखें। निर्माण करने के लिए सड़कों और भवनों के मेंटेनेंस का भी ध्यान रखें। उन्होंने निर्देश दिए कि क्वालिटी कार्य करने वाली अच्छी एजेंसियों को कार्य दें। क्वालिटी कंट्रोल और मॉनिटरिंग के लिए राज्यस्तरीय ऑनलाइन क्वालिटी स्टेटस डैशबोर्ड बनाए। क्वालिटी लैब विकसित करने के साथ ही थर्ड पार्टी क्वालिटी ऑडिट कराएं।

खास बातें
- निर्माण योजना बनाते हुए स्थानीय जन-प्रतिनिधि और जनता से करे चर्चा
- निर्माण के लिए सड़कों और भवनों का विशेष ध्यान रखने के दिए निर्देश
- रेवेन्यू जेनरेशन मॉडल पर कार्य करने को कहा

50 लाख से अधिक के कार्य के लिए मानिटरिंग सेल बनाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि 50 लाख रुपए से अधिक की लागत वाले निर्माण कार्यों की मॉनिटरिंग के लिए मॉनिटरिंग सेल बनाए। इसके साथ ही दूसरे देश और राज्यों की सड़क निर्माण की बेस्ट प्रैक्टिसेज का अध्ययन करे और प्रेरणा ले। अधोसंरचना के क्षेत्र में कार्य करने वाली बड़ी संस्थाओं से भी चर्चा करें। इससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता बढ़ेगी। एनएचआई जैसे निर्माण संस्थाओं से प्रेरणा लेकर रेवेन्यू जेनरेशन मॉडल पर कार्य करने की योजना बनाएं, जिससे निर्माण कार्य की लागत निकलने के साथ ही शासन को अतिरिक्त राजस्व की प्राप्ति होगी। इसी तरह समग्र विकास की परिकल्पना पर कार्य करते हुए सड़क निर्माण, भवन निर्माण और पुल निर्माण आदि।

भवन निर्माण की योजना बनाते हुए जन-प्रतिनिधि और जनता से चर्चा करें

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि सड़क और भवन निर्माण की योजना बनाते हुए स्थानीय जन-प्रतिनिधि और जनता से चर्चा करें। भौगोलिक जानकारी रखने वाले स्थानीय कंसल्टेंट की सेवाएं ले। ऐसे प्राप्त सुझाओं पर बने निर्माण से अधिक जन-सुविधा होगी और स्थानीय संतोष बढ़ेगा। लोक निर्माण विभाग की बुकलेट क्वालिटी कंट्रोल मैन्युअल फॉर रोड एंड ब्रिजेस का लोकार्पण किया। सड़क अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली के सहयोग से प्रदेश की भौगोलिक स्थिति तथा जलवायु के अनुकूल सड़कों के गुणवत्तापूर्ण निर्माण के लिए यह मैन्युअल तैयार किया गया। सड़क, पुल के निर्माण के दौरान डिजाइन, निर्माण की कार्य विधि, निरीक्षण की प्रतिबद्धता और संधारण के विषय में विस्तृत रूप से निर्देश दिए।

कई विषयों पर दिया प्रजेंटेशन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को विभागीय संरचना, प्रदेश में सड़कों की संख्या और स्थिति, मुख्य परियोजनाएं एवं कार्य, आगामी वर्ष में आने वाली परियोजनाएं, वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए लक्ष्य एवं रेलवे ओवरब्रिज, सड़क विकास निगम की परियोजनाओं और एक्सप्रेस वे नेटवर्क सहित विभागीय योजनाओं संबंधी प्रेजेंटेशन दिया गया।

सड़क निर्माण की कार्य योजना बनाते समय शहरों की सुंदरता का रखें ध्यान

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सड़कों के निर्माण की योजना बनाते हुए शहरों की सुंदरता का ध्यान रखें। जन आकांक्षाओं के अनुरूप और स्थानीय जनप्रतिनिधियों से चर्चा कर सड़क निर्माण की योजना बनाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंत्रालय में एमपीआरडीसी के संचालक मंडल की बैठक ले रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि दो स्थानों के बीच दूरी और यात्रा का समय कम हो, इन मुख्य बिन्दुओं को ध्यान में रखकर नए वैकल्पिक मार्ग की तलाश करें। मुख्यमंत्री को मप्र सड़क विकास निगम लिमिटेड के संचालक मंडल निगम की ओर से किए गए कार्यों का प्रेजेंटेशन दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वीकृति के साथ आवश्यक निर्देश दिए।

सीएम से मिला विवेकानंद केन्द्र कन्या कुमारी का प्रतिनिधि मंडल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से आज उनके विंध्य कोठी स्थित निवास पर विवेकानंद केन्द्र कन्याकुमारी के प्रतिनिधि मंडल ने भेंट की। उन्होंने 6 से 8 फरवरी तक उज्जैन में हो रही तीन दिवसीय अखिल भारतीय बैठक के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को विवेकानंद का साहित्य भेंट किया। प्रतिनिधि मंडल में वरिष्ठ पत्रकार और लेखक रामभुवन कुशवाह, सुश्री रचना दीदी, धर्मदास शुक्ला, मनोज गुप्ता, सुरेन्द्र मित्तल शामिल थे।

पिछड़ी जनजातियों को देंगे अनुदान राशि

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 13 जनवरी को शहडोल के पॉलिटेक्निक ग्राउण्ड में हो रहे समारोह से प्रदेश की विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा, भारिया और सहरिया को आहार अनुदान की राशि सिंगल क्लिक से अंतरित करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शहडोल में आयोजित कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल होकर संबोधित करेंगे। कार्यक्रम दोपहर 12.45 पर आयोजित किया गया है। इसमें विशेष पिछड़ी जनजाति बाहुल्य जिले छिन्दवाड़ा, बालाघाट, मण्डला, डिण्डोरी, अनुपपूर, शहडोल, उमरिया, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, श्योपुर, मुरैना, ग्वालियर एवं दतिया के हितग्राहियों को राशि हस्तांतरित होगी।

प्रदेश भर के मंदिरों में 16 से 22 तक कराएं रामधुन

- मुख्य मंदिरों में स्क्रीन लगाकर प्रसारण कराने के निर्देश
- अभियान चलाकर दीप प्रज्जवलित कराने को भी कहा

गृह विभाग ने जारी किए आदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

अयोध्या में भगवान श्रीराम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर गृह विभाग ने प्रदेश भर में महाअभियान चलाकर समस्त मंदिरों में दीप प्रज्जवलित कराने, सभी मुख्य मंदिरों में टीडी स्क्रीन लगाकर सजीव प्रसारण करने को कहा है। गृह विभाग ने यह भी कहा कि समस्त शासकीय कार्यालयों में स्वच्छता के साथ रोशनी आदि का प्रबंध कराने को भी है। विभाग ने निर्देश जारी कर उक्त कार्य अविलंब कराने को कहा है।

गृह विभाग से जारी आदेश के अनुसार 16 जनवरी से 22 जनवरी तक प्रत्येक मंदिर में जन सहयोग से राम कीर्तन आदि का आयोजन कराया जाए। पूरे प्रदेश के समस्त मंदिरों में दीप प्रज्जवलित कराए जाए। हर घर में दीपोत्सव के लिए आमजन को जागृत किया जाए। प्रदेश के नगरों तथा ग्रामों में राममण्डलियों को स्थानीय कार्यकम मोहल्लों तथा ग्रामों में आयोजित किए जाने के लिए प्रेरित किया जाए।

आयोजनों में आमजनों की सहभागिता की जाए

प्रदेश के मुख्य मंदिरों में टीडी स्कीन लगाकर अयोध्या के उक्त कार्यकम का सजीव प्रसारण किया जाए। उक्त मंदिरों में आयोजनों में आमजनों की सहभागिता के लिए विशेष रूप से आमंत्रित किया जाए। प्रदेश के प्रमुख मंदिरों में ट्रस्ट, समिति की ओर से 22 जनवरी को भण्डारों का आयोजन किया जाए। प्रत्येक जिले के प्रमुख मंदिरों में साफ-सफाई, रोशनी, दीप प्रज्जवलन आदि के साथ ही भगवान श्रीराम जानकी आधारित सांस्कृतिक आयोजन मंदिर के ट्रस्ट, समिति के माध्यम से आयोजित किए जाएं।

विशेष सफाई का अभियान चलेगा

सभी नगरों में नगरीय विकास एवं आवास विभाग तथा गांवों में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के माध्यम से दिनांक 14 से 21 जनवरी के मध्य विशेष सफाई का अभियान चलाया जाए। सभी सरकारी इमारतों तथा स्कूल एवं कालेजों में साज-सज्जा की जाए। प्रदेश के सभी शासकीय कार्यालयों में 16 से 21 जनवरी (एक सप्ताह) तक विशेष सफाई अभियान चलाया जाए। जिनांक 21 जनवरी से 26 जनवरी तक समस्त शासकीय कार्यालयों में रोशनी (लाइटिंग) की व्यवस्था की जाएं।

श्रीरामचरित लीला समारोह भी होगा

11 से 21 जनवरी, 2024 तक संस्कृति विभाग की ओर से श्रीरामचरित लीला समारोह कार्यकम जिला रतलाम, मंदसौर, उज्जैन, इंदौर, खंडवा, आगर-मालवा, देवास, सीहोर, छिंदवाडा, जबलपुर, अनूपपुर, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना, ग्वालियर, दतिया, निवाड़ी, रीवा एवं दमोह के कार्यकम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यकमों में समस्त आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। स्पेशल ट्रेनों तथा सड़क मार्गों से अयोध्या जा रहे तीर्थ यात्रियों के सम्मान, स्वागत की व्यवस्थाएं स्थानीय निकायों तथा स्थानीयजनों के सहयोग से सुनिश्चित की जाएं।

मुख्यमंत्री के पास पहुंची शिकायत

17 चौसिंगों की मौत: पीसीसीएफ पर कार्रवाई समेत जांच की मांग

रायपुर

हाल ही में नवा रायपुर के जंगल सफारी में 17 चौसिंगों (हिरण की तरह दिखने वाला वन्य प्राणी) की मौत का मामला सामने आया था। अब इस मामले की शिकायत मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से की गई है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक (पीसीसीएफ) को छुट्टी पर भेज, डॉक्टर को निलंबित कर न्यायिक जांच कराए जाने कि मांग की गई है। ये शिकायत वन्यप्राणियों के संरक्षण में काम करने वाले नितिन सिंघवी ने की है। नितिन ने अपनी शिकायत में बताया है कि रायपुर में 25 से 29 नवंबर 2023 के बीच 17 चोसिंगों की मौत हुई थी। अब इस मामले की जांच प्रभावित न हो इसलिए प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) को छुट्टी पर भेज कर जांच करवाने कहा गया है।

इधर मौत, गोवा घूम रहे थे डॉक्टर

जैसे ही संचालक की जानकारी में यह घटना आई उन्होंने जंगल सफारी के डॉक्टर को वस्तुस्थिति से अवगत कराने के लिए फ़ोन किया, जिस पर डॉक्टर ने संचालक को कहा कि वह पूर्व में प्रेषित आवेदन के अनुसार अवकाश पर चले गए हैं। संचालक ने उन्हें निर्देशित किया कि आपका अवकाश स्वीकृत नहीं हुआ है, ऐसी स्थिति में उनको नहीं जाना चाहिए। बताया जाता है कि यह वरिष्ठ अधिकारी वर्तमान में पदस्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक थे। चोसिंगों की हो रही मौतों के बीच 26 नवम्बर को डॉक्टर गोवा घूमने चले गए थे।

जानबूझकर नहीं दी जानकारी

25 नवंबर 2023 को 5 चोसिंगों की मौत होने के बाद वहां के वरिष्ठ डॉक्टर तथा सहायक संचालक ने जानबूझकर संचालक सह डीएफओ जंगल सफारी को जानकारी नहीं दी। उनका प्लान था कि जानकारी को छुपा कर मामले तो रफा दफा कर देंगे परन्तु संचालक 26 नवंबर को जब अचानक जंगल सफारी पहुंचे तब एक कर्मचारी ने चोसिंगों की मौत की जानकारी संचालक को दी।

जिम्मेदार देर से पहुंचे जंगल

25 नवंबर को इस घटना की जानकारी डॉक्टर को और सहायक संचालक जंगल सफारी को जंगल सफारी के स्टाफ द्वारा दी गई थी परंतु दोनों ही घटनास्थल पर 25 नवम्बर को नहीं पहुंचे। 26 नवंबर को डॉक्टर जंगल सफारी पहुंचे तथा उन्होंने लाक्षणिक इलाज किया तब तक पांच चोसिंगों की मृत्यु हो चुकी थी। चर्चा है कि डॉक्टर ने 5 में से सिर्फ दो चोसिंगों का पोस्टमार्टम किया तथा तीन को जला दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट संचालक जंगल सफारी के कार्यालय में 24 घंटे में जमा करनी होती है परंतु 29 नवंबर तक रिपोर्ट्स संचालक जंगल सफारी को नहीं दी गई।

आईएएस रानू, सौम्या विश्नोई से पूछताछ

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कोल स्कैम केस में रायपुर की सेंट्रल जेल में बंद निलंबित आईएएस रानू साहू, सौम्या चौरसिया और आईएएस समीर विश्नोई से पूछताछ की गई। पिछले 3 दिनों में ईडी की टीम ने 3 से 4 घंटे पूछताछ की है। कोल घोटाले मामले में ईडी को अहम दस्तावेज हाथ लगे है। इस संबंध में ईडी ने जेल में बंद आरोपियों से पूछताछ के लिए रायपुर की स्पेशल कोर्ट में आवेदन लगाया था। जिसे 6 जनवरी को स्वीकार करते हुए कोर्ट के 10 जनवरी से 16 जनवरी तक पूछताछ की अनुमति दी है। कोल स्कैम केस में ईडी की ओर से भिलाई विधायक देवेंद्र यादव, पूर्व विधायक चंद्रदेव राय, कांग्रेस नेता आरपी सिंह, विनोद तिवारी, रामगोपाल अग्रवाल को आरोपी बनाया है। जिसके सबंध में जांच भी चल रही है। बता दें कि देवेंद्र यादव की और से विशेष अदालत में अग्रिम जमानत याचिका लगाई गई थी। कोर्ट ने इसे खारिज करते हुए देवेंद्र समेत 4 लोगों के खिलाफ जमानती वारंट भी जारी किया है।

दोनों ने दुबई में खरीदी प्रॉपर्टी, विदेशी कंपनियों में शेयर होल्डर

महादेव सट्टा ऐप केस: दो आरोपी नितेश और अमित को ईडी ने किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ में महादेव सट्टा ऐप मामले में नितेश टिबरेवाल और अमित अग्रवाल को प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार किया गया है। इन्होंने दुबई में प्रॉपर्टी खरीदी है। विदेशी कंपनियों में शेयर होल्डर भी हैं। जांच में अब तक ढाई करोड़ रुपए का हिसाब दिखा है। अमित का भाई अनिल अग्रवाल महादेव ऐप में पार्टनर था। वह दुबई से जो पैसे भेजता था उसे यहां रिसीव करके अमित अपने अकाउंटेंट के जरिए मनी लॉनड्रिंग करता था। ईडी के वकील सौरभ पांडेय के मुताबिक 1 जनवरी को सप्लीमेंट्री कम्प्लेंट कोर्ट में रखी थी। उसमें अनिल कुमार अग्रवाल को अभियुक्त बनाया था। अमित अग्रवाल इसी का भाई है।

ईडी को मिली 5 दिन की रिमांड

पांडेय ने बताया कि गिरफ्तार हुआ दूसरा व्यक्ति नितेश टिबरेवाल, विकास छापरिया नाम के अभियुक्त की विदेशी कंपनियों में शेयर होल्डर था। हमने कोर्ट से इनकी रिमांड की मांग की थी। कोर्ट ने दोनों पक्षों के वकीलों की दलीलें सुनी। हमने 14 दिन की रिमांड की मांग की, लेकिन कोर्ट ने हमें 5 दिन की रिमांड मंजूर की है।

छत्तीसगढ़ पहुंचे केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह

सोनिया-खड़गे हिन्दू विरोधी, इसलिए नहीं जा रहे अयोध्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ दौरे पर पहुंचे केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि राम मंदिर ट्रस्ट ने सोनिया गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे को निमंत्रण भेजा है, लेकिन वे वहां नहीं जा रहे हैं, क्योंकि वे हिंदू विरोधी हैं। केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह शनिवार को छत्तीसगढ़ दौरे पर पहुंचे हैं। एयरपोर्ट पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा समेत कई बीजेपी नेताओं ने उनका स्वागत किया। 15 जनवरी तक वे प्रदेश में ही रहेंगे और विभागीय अधिकारियों की बैठक लेंगे। गिरिराज रायपुर और कोरबा जिले में आयोजित कार्यक्रमों में भी शामिल होंगे।

प्रदेश में अब लगातार केंद्रीय मंत्रियों का आना-जाना लगा रहेगा। गिरिराज भी प्रदेश में केंद्र सरकार के कामकाज को लेकर माहौल तैयार करेंगे

ग्रामीणों को पुरानी सरकार ने लूटा, उसी को ठीक करने आया

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि मैं जिस विभाग का मंत्री हूं, उसका नाम है पंचायती राज ग्रामीण विकास। यहां के ग्रामीणों को पुरानी सरकार ने जिस ढंग से लूटा, उसी को मैं ठीक करने आया हूं। केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने राज्य अतिथि गृह पहुना में सीएम विष्णुदेव साय से सौजन्य मुलाक़ात की। उन्होंने छत्तीसगढ़ की भौगोलिक, सांस्कृतिक विशेषताओं, विकसित भारत संकल्प यात्रा और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर चर्चा की।

जबलपुर सहित प्रदेशभर में बढ़ी मिट्टी के दीये की मांग

दीपावली के बाद अब राम दिवाली की तैयारी

जबलपुर। पूरे देश में 22 जनवरी को राम दिवाली मनाने की तैयारियां जोरों पर हैं। ऐसा पहली बार हो रहा है कि दीपावली के बाद फिर से मिट्टी के दीयों की मांग निकली है। कुम्हारों के परिवार नवंबर में गई दिवाली के बाद एक बार फिर दीयों के कारोबार में लग गए हैं। आमतौर पर अक्टूबर या नवंबर में आने वाली दिवाली से लेकर देवउठनी ग्यारस तक मिट्टी के दीये बाजार में बड़ी संख्या में बिकते हैं। बाद में ये दीये बनाने वालो के यहां या दुकानों पर बॉक्सों में बंद रहते हैं। लेकिन इस बार एकाएक फूल, पूजन सामग्री की दुकानों पर मिट्टी के दीयों की मांग निकली है।

अयोध्या में भगवान राम के मंदिर में प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन 22 जनवरी को है, लेकिन पूजन सामग्री की मांग देश भर में बढ़ गई है। ध्वजा, भगवा झंडे, धार्मिक साहित्य के साथ दीपों की मांग में वृध्दि होना इस बात का सूचक है कि 22 जनवरी को देश में परंपरागत दीपावली जैसा भव्य माहौल होगा। घर घर दीये जलेंगे और पूजन होगा। धार्मिक सामग्री के पूजन पाठ के विक्रेताओं ने बताया कि लोग 15 या 25 मिट्टी के दीपक खरीद कर ले जा रहे हैं। एक ग्राहक से पूछा तो उसने कहा कि राम मंदिर में प्रभु राम की प्राण प्रतिष्ठा और भव्य मंदिर के निर्माण होने वाले दिन घरों में दीपक प्रज्वलित कर दीपावली मनाएंगे।

रुई की बाती की भी मांग बढ़ी

जब दीपक की मांग में वृध्दि हुई तो रुई की बत्ती की भी मांग बढ़ी है। एक व्यापारी का कहना ही कि फूल बत्ती तो लगती रहती है, पर इस बार लंबी बत्ती की मांग एकाएक बढ़ गई है, जिसे पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। इस सब तैयारियों से लगता है कि 22 जनवरी को एक और दीपोत्सव की तैयारियां शुरू हो गई हैं।

सभी पक्षों को एडीशनल कमिश्नर के समक्ष उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने के निर्देश

आपत्तियों पर विचार कर उनका निराकरण करे : हाईकोर्ट

जबलपुर। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने एक अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि मप्र भू-राजस्व संहिता से जुड़े मामलों में बिना कोई स्पष्ट कारण बताए सहायक कमिश्नर अपील को निरस्त नहीं कर सकते। संबंधित अधिकारियों का यह बाध्यकारी है कि अपीलार्थी द्वारा उठाई गई आपत्तियों पर विचार कर उनका निराकरण करे। कारण का उल्लेख किए बिना अधिकारी केवल यह कहकर अपील खारिज नहीं कर सकते कि एसडीओ का आदेश सही है। इस मत के साथ जस्टिस जीएस आहलूवालिया की एकलपीठ ने डिफेंस वर्कर्स हाउसिंग को-ऑपरेटिव सोसायटी की जमीन से जुड़े मामले में सहायक कमिश्नर जबलपुर और रेवेन्यू बोर्ड ग्वालियर के आदेश को निरस्त कर दिया। हाईकोर्ट ने मामले को पुनः सुनवाई के लिए सहायक कमिश्नर को भेजने के निर्देश दिए। कोर्ट ने सभी पक्षों को 23 फरवरी को एडीशनल कमिश्नर के समक्ष उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने के निर्देश दिए।

डिफेंस वर्कर्स हाउसिंग को-ऑपरेटिव सोसायटी के अध्यक्ष एस डी चौबेकी ओर से हाईकोर्ट में याचिका प्रस्तुत कर सहायक कमिश्नर और रेवेन्यू बोर्ड के फैसलों को चुनौती दी गई थी। याचिका में बताया गया कि एसपी गुप्ता ने तहसीलदार के समक्ष यह कहते हुए नामांतरण का आवेदन दिया कि उसने ग्राम गोहलपुर के खसरा क्रमांक 12/64 में करीब 5 हजार वर्गफुट जमीन एस एन राव से खरीदी है। तहसीलदार ने पहले नामांतरण कर दिया था, लेकिन बाद में उसे निरस्त कर दिया। कारण यह बताया कि उक्त जमीन डिफेंस वर्कर्स हाउसिंग सोसायटी के नाम दर्ज है। एस पी गुप्ता ने इसके खिलाफ एस डी एम के समक्ष आवेदन पेश किया। एस डी एम ने एसपी गुप्ता के पक्ष में फैसला किया और जमीन उसके नाम हो गई। डिफेंस सोसायटी ने एस डी एम के आदेश के खिलाफ सहायक कमिश्नर जबलपुर संभाग के समक्ष अपील पेश की। सहायक कमिश्नर ने एस डी एम के आदेश को सही ठहराते हुए अपील निरस्त कर दी। इसके बाद सोसायटी ने रेवेन्यू बोर्ड ग्वालियर के समक्ष अपील पेश की। रेवेन्यू बोर्ड ने भी एस डी एम के फैसले को सही बताते हुए अपील निरस्त कर दी। इसलिए सोसायटी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की। हाईकोर्ट ने अपील पर दोबारा सुनवाई के लिए उसे सहायक कमिश्नर को रिमांड कर दिया डिफेंस वर्क्स हाउसिंग सोसाइटी की ओर से विपिन यादव अधिवक्ता ने पैरवी की।

अपराध संज्ञेय है या नहीं : हाईकोर्ट

हाईकोर्ट पुलिस को निर्देश जांच करें

जबलपुर। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने गोहलपुर पुलिस को निर्देश दिए हैं कि धोखाधड़ी कर बैंक से पैसे निकालने की शिकायत पर प्रारंभिक जांच कर यह पता लगाएं कि अपराध संज्ञेय है या नहीं। जस्टिस राज मोहन सिंह की एकलपीठ ने कहा कि पुलिस यदि यह पाती है कि संज्ञेय अपराध बनता है तो नियमानुसार कार्रवाई करे।

जबलपुर निवासी रितेश तिवारी ने याचिका दायर कर बताया कि किशोर रावत ने पनागर विधायक इंदु तिवारी के साथ मिलीभगत कर चैक में फर्जीवाड़ा कर अवैधानिक तरीके से बैंक से कई लाख रुपए का आहरण किया है। याचिकाकर्ता ने इस संबंध में गोहलपुर पुलिस थाने में शिकायत की थी। जब कोई कार्रवाई नहीं हुई तो पुलिस अधीक्षक को अभ्यावेदन प्रस्तुत किया गया। एसपी द्वारा भी कोई कार्रवाई नहीं करने पर हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई। याचिका में दलील दी गई कि सुप्रीम कोर्ट के न्यायदृष्टांत के तहत पुलिस इस बात के लिए बाध्य है कि शिकायत पर प्रारंभिक जांच करे और यदि संज्ञेय अपराध बनता है तो एफआईआर दर्ज करे।

हाईकोर्ट के हनुमानजी को 51 किलो लड्डुओं व हलुआ का लगेगा भोग

हाई कोर्ट सचिव परितोष त्रिवेदी 22 जनवरी को करेंगे महाआरती

जबलपुर। अयोध्या में श्रीराम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में 22 जनवरी को हाई कोर्ट में उत्सव का माहौल रहेगा। हाई कोर्ट बार एसोसिएशन, जबलपुर के सचिव हाई कोर्ट के हनुमान की महाआरती करें। साथ ही हनुमान चालीसा पाठ का भी आयोजन होगा। इसी के साथ हनुमान को 51 किलो लड्डुओं व हलुआ का भोग अर्पित कर सभी अधिवक्ताओं को प्रसाद वितरण किया जाएगा। हम सबके राम-जय सियाराम शीर्षक इस आयोजन की पूर्व तैयारी कर ली गई है। इसके तहत अयोध्या में श्रीराम के वंदन-अभिनंदन के लिए प्रत्येक अधिवक्ता से सोत्साह शामिल होने अपील की गई है। सचिव परितोष त्रिवेदी ने बताया कि अधिवक्ताओं व उनके परिवार जनों के उत्तम स्वास्थ्य, सुख, समृद्धि व शांति के लिए स्वस्ति-वाचन किया जाएगा। अधिवक्ताओं को इन पंक्तियों के साथ आमंत्रित किया गया हे कि राम प्रणेता थे समता के, दीन हीन के प्रति ममता के, उद्धारक थे मानवता के, संघारक थे दानवता के, राम ईष्ट हैं दया सिंधू हैं, जन आस्था के केंद्र बिंदु हैं, धरती अम्बर और व्योम में, राम बसे हैं रोम रोम में।

ताकतवर हुआ निगम का फायर अमला

अत्याधुनिक टर्नटेबल लैडर बेड़े में शामिल

जबलपुर। जबलपुर का अग्निशमन विभाग अब प्रदेश के सबसे मजबूत फायर अमले में शामिल हो गया है। शनिवार को प्रदेश की पहली 10 करोड़ की लागत वाली टर्न टेबल लैडर मशीन नगर निगम अग्निशमन विभाग के अमले में शामिल हुई। जिसका लोकार्पण महापौर जगत बहादुर सिंह "अन्नू", नगर निगम के अध्यक्ष रिंकू विज, नेताप्रतिपक्ष कमलेश अग्रवाल एम.आई.सी. सदस्य शेखर सोनी, गुड्डू नवी, दिनेश तामसेतवार, एवं श्रीमती लक्ष्मी गोटिया ने किया। इस अवसर पर महापौर, अध्यक्ष एवं नेताप्रतिपक्ष ने कहा कि संस्कारधानी के नागरिकों की सुख, शांति एवं समृद्धि की हम सब कामना करते हैं और उनके हित के लिए जो भी बेहतर प्रयास हो सकते हैं वे सारे प्रयास हम सभी मिलकर पूर्ण करने में लगे हैं। संस्कारधानी में यदि कभी कोई आकस्मिक रूप से अग्नि दुर्घटना अथवा अन्य कोई आपात स्थिति निर्मित होती है तो ऐसी स्थितियों से निपटने एवं राहत तथा बचाव कार्य के लिए यह टर्न टेबल लैडर मशीन बहुत ही कारगर एवं उपयोगी साबित होगी। महापौर ने बताया कि यह फायर फाइटिंग मशीन से 56 मीटर की ऊ@चाई तक रेस्क्यू कर बहुमंजिला इमारतों में अग्नि दुर्घाटनाओं की स्थिति को काबू कर सकती है तथा 360 डिग्री तक रोटेट कर सकती है और जान-माल की रक्षा कर लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने का कार्य कर सकती है। उन्होंने बताया कि जबलपुर संस्कारधानी के लिए यह मशीन सौगात के रूप में साबित होगी और इसका संचालन शहर हित में किया जाकर 24 घंटे उपलब्ध रहेगी।

आयुध निर्माणियों में यूनियन सदस्यता सत्यापन चुनाव 20 को

अवकाश पर जाने वाले कर्मचारियों ने पोस्टल बैलेट लिए

जबलपुर। शहर की आयुध निर्माणियों में कर्मचारियों की नेतागिरी करने वाली यूनियनों के नेताओं की धड़कने अब तेज हो गई हैं। यूनियन की मान्यता कायम रखने के लिए सदस्यों का सत्यापन कराया जा रहा हैं। रक्षा मंत्रालय के निर्देश पर इसकी प्रक्रिया शुरु हो चुकी है। 20 जनवरी को आयुध निर्माणी खमरिया में सत्यापन का मुख्य चुनाव होने वाला है। 20 जनवरी को अवकाश में रहने वालें कर्मचारियों ने पोस्टल बैलेट पर मतदान कर अपना मत सुरक्षित कर लिया है। यहां बता दें कि लंबे समय से यूनियनों की सदस्यता सत्यापन का मामला अटका था। इस बार रक्षा मंत्रालय इस मामलें में पीछे हटने में तैयार नहीं है। मंत्रालय की शक्ति के चलते सभी यूनियनों को अपनी सदस्यता का सत्यापन कराना ही होगा। सत्यापन के लिए यूनियनों के पास एक हफ्ते शेष है। जिस यूनियन को कुल मतदाता कर्मचारियों से 15 फीसदी वोट मिलेगे उस यूनियन को मान्यता मिलती है। वहीं 35 फीसदी वोट मिलने पर ही जेसीएम मिल पाता है। सदस्यता सत्यापन चुनाव नियमानुसार तो हर तीन साल में होने चाहिए, लेकिन अलग- अलग कारणों की वजह से यह प्रक्रिया लंबे समय से अटकी हुई थी, लेकिन हालहीं में रक्षा मंत्रालय ने यह निर्देश समस्त आयुध निर्माणियों को जारी किए है कि वे 31 जनवरी 2024 तक किसी भी हालत में यूनियन की सदस्यता सत्यान की प्रक्रिया को पूरा कर लिया जाए। गौरतलब है कि 2009 में आयुध निर्माणियों की यूनियन की सदस्यता सत्यापन आखिरी बार कराया गया था तब से प्रक्रिया लंबित है। बेरीफिकेशन चुनाव में भी ईवीएम का उपयोग किया जाएगा। प्रबंधन ने जो तैयारी की है कि उसके तहत 5 मतदान केंद्र बनाए जाएंगे। जिसमे 3 फिलिंग और 2 नॉन फिलिंग कर्मचारियों के लिए बनाए जाएंगे।

राजस्व प्रकरणों का निराकरण अभियान चलाकर करें : कलेक्टर

जबलपुर। कलेक्टर दीपक सक्सेना ने राजस्व अधिकारियों से कहा कि राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण और राजस्व अभिलेख में इंद्राज त्रृटियों को ठीक करने के लिये अभियान चलायें और राजस्व न्यायालयों में लंबित प्रकरण जैसे नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, अभिलेख दुरूस्ती इत्यादि का समय सीमा में निराकरण करें। इसी तारतम्य में सिहोरा एसडीएम ने कहा कि राजस्व महा अभियान के तहत समस्त ग्रामों में बी-1 वाचन, राजस्व न्यायालयों में लंबित प्रकरणों (नामांतरण, बटवारा, सीमांकन, अभिलेख दुरूस्ती इत्यादि) का समय सीमा में निराकरण, नए राजस्व प्रकरणों को आर.सी.एम.एस. पर दर्ज कराना, नक्शे पर तरमीम, पी.एम. किसान का सेचुरेशन किया जाना हैं। अतः उन्होंने समस्त नागरिकों से यह अपील की है कि वे समग्र ईकेवायसी तथा समग्र से खसरे की लिंकिंग एमपी ऑनलाईन पोर्टल या सीएससी कियोस्क के माध्यम से समग्र से खसरे की लिंकिंग अवश्य करायें।

अतिक्रमण हटाने के दौरान ठेला पर चला दिया था बुल्डोजर

समोसे वाले को नगर निगम ने सौंपा नया ठेला

जबलपुर। कलेक्टर दीपक सक्सेना के निर्देश पर नगर निगम द्वारा कोतवाली के पास ठेले में समोसा बेचकर जीवन यापन करने वालें को नगर निगम द्वारा नया ठेला बनवाकर शनिवार को सौंप दिया। विदित है कि पिछले दिनों अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान समोसा बेचने वालें और अतिक्रमण दल के बीच कुछ कहासुनी हो गई थी, जिससे उसके स्टील के ठेले को जेसीबी मशीन से बुरी तरह रौंद दिया था। अतिक्रमण दल द्वारा की गई इस कार्रवाई का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल होने के बाद जिला कलेक्टर दीपक सक्सेना ने संज्ञान लिया और निगमायुक्त श्रीमति प्रीति यादव को निर्देश दिए कि न केवल दोषी कर्मचारियों क खिलाफ कार्रवाई की जाए बल्कि पीड़ित को नया ठेला भी प्रदान किया जाए। कलेक्टर के निर्देश के बाद नगर निगम द्वारा स्टील का नया ठेला तैयार करवाया गया। पीड़ित व्यक्ति के परिवार में गमी होने के कारण वह पाटन के समीप ग्राम कोटवारी अपने गांव गया था। पीड़ित विक्रेता के शनिवार की शाम को शहर लौटा और उसे नया ठेला सौंप दिया गया।

नगर निगम द्वारा अतिक्रमण हटाने गत दिवस की गई कार्यवाही के दौरान कोतवाली क्षेत्र में जेसीबी मशीन से अभिराज साहू का चाट-समोसा का ठेला तोड़ दिया गया था। पाटन बायपास पर स्थित ग्राम कोटवारी निवासी अभिराज साहू पिछले कई वर्षों से कोतवाली क्षेत्र में सड़क किनारे चाट-समोसा का ठेला लगाकर परिवार का भरण पोषण कर रहे थे। उनके पुत्र अंकित और अमन साहू भी इसमें उनका हाथ बंटाते थे। नगर निगम आयुक्त श्रीमती प्रीति यादव इस प्रकरण में जेसीबी चालक सहित तीन कर्मचारियों के विरूद्ध भी कार्यवाही की है। निगमायुक्त ने अतिक्रमण दल प्रभारी कुलदीप त्रिपाठी और पवन शुक्ला को नोटिस जारी किया है।

राहत अमले की परीक्षा लेने देर रात रेलवे में बजा अलर्ट अलार्म

जबलपुर। जबलपुर रेल मण्डल मुख्यालय से लगभग 65 किलोमीटर दूर डुण्डी रेलवे स्टेशन फाटक पर देर रात ट्रक ट्रेक्टर की जोरदार भिड़ंत हो जाने से रेल ट्रेक जाम हो गया। इस घटना के बाद जबलपुर स्टेशन में अलर्ट सायरन बजा और रेलवे का अमला पूरी तरह से सतर्प हो गया। तत्काल राहत और बचाव हमला रिलीफ ट्रेन लेकर घटना स्थल पर पहुंचा, साथ ही आरपीएफ का बल भी पहुंचा। दरअसल यह कोई दुर्घटना नहीं रेलवे की मॉकड्रिल थी। रेलवे सूत्रों के मुताबिक इस घटना की खबर लगते ही अप एवं डाउन दिशा से आने वाली ट्रेनों के पहिये जहां तहां थम गये। बताया जाता है कि डुण्डी स्टेशन से रात्रि लगभग 11.45 बजे मण्डल कार्यालय स्थित कामर्शियल कंट्रोल रूम तक जैसे ही घटना की खबर पहुंची, कोचिंग डिपो में लगा अलर्ट का सायरन बजने लगा। इसके बाद राहत और बचाव दल हरकत में आया।

मौके पर पहुंचते ही सभी को इस बात का पता चला कि डुंडी रेलवे फाटक पर किसी तरह की घटना नहीं घटी है बल्कि यह एक मॉकड्रिल थी, तब कहीं जाकर अधिकारियों एवं बचाव दल ने राहत की श्वांस ली। उल्लेखनीय है कि रेलवे समय समय पर मॉकड्रिल के माध्यम से राहत एवं बचाव दल की परीक्षा लेता रहता है ताकि उसे यह पता चले कि दुर्घटना होने पर हम कितनी जल्दी और किस तैयारी के साथ घटना स्थल पर पहुंच सकते हैं।

हांका गैंग की उदासीनता का खामियाजा भुगत रही जनता

शहर की सड़कों पर आवारा पशुओं का तांडव

जबलपुर। शहर में आवारा पशुओं की धमाचौकड़ी से जनजीवन खतरे में है। शहर के मुख्य मार्गों पर दिन और रात में भी आवारा पशुओं के झुंड अपना डेरा डाले रहते है। इससे आये दिन सड़क दुर्घटनाएं हो रही है। लोग हताहत हो रहे है लेकिन आवारा पशुओं को पकड़कर कांजी हाउस में जाने व पशु पालकों पर चालानी कार्यवाही करने में नगर निगम द्वारा कोताही बरती जा रही है। शहर में गाय भैस के अलावा आवारा कुत्ते और शूकर बहुत तांडव मचाये है।

सब्जी मंडी लटकारी का पड़ाव, निवाड़गंज, बड़ा फुहारा, बल्देवबाग, चेरीताल, गढ़ाफाटक, शंकर घी भंडार, मालवीय चौक, दीक्षितपुरा, गोरखपुर, लटकारी का पड़ाव, गढ़ाफाटक से जगदीश मंदिर जाने वाला मार्ग, शंकर घी भंडार से आगा चौक तक मुख्य मार्ग पर दिन दहाड़े आवारा पशुओं का तांडव देखा जा सकता है। वहीं रात में भी इन मार्गो पर आवारा पशु डेरा जमाये रहते है। सूकर और स्वान के बीच होने वाले युद्ध से स्थिति दुरूह हो जाती है। आवारा कुत्ते जब सूकरों और गाय, भैस को भौंककर खदेड़तें है इसी बीच आने वाले राहगीर इन आवारा पशुओं का शिकार हो जाते है। सब्जी मंडी में तो आवारा पशु कई बार भगदड़ मचवा देते है। मंडी में नीचे लगी दुकानों पर गाय बैल के मुंह मारने पर व्यापारी उन्हें डंडा लेकर खदेड़ते है तब भगदड़ सी स्थिति बन जाती है। प्रतिबंध के बावजूद शहर में डेरियां चल रही है। डेरी मालिक रात में इन पशुओं को आवारा छोड़ देते है। इसी प्रकार पालतू गाय और सूकर भी रात में छोड़ दिये जाते है। पहले नगर निगम की हांका गैंग इन आवारा पशुओं को पकड़कर कांजी हाउस में बंद कर देती थी, लेकिन अब पशु अत्याचार अधिनियम प्रभावी हो जाने के बाद नगर निगम द्वारा आवारा पशुओं को पकड़ने की कार्यवाही शिथिल कर दी गई। जबकि व्यवस्था यह है कि आवारा पशुओं को ले जाकर गौ-शाला में छोड़ दिया जाये और पशु पालकों से चालान बसूला जाये। लेकिन अब स्थिति से निपटने के लिए नगर निगम उदासीन नजर आती है। लिहाजा शहर की सड़कों पर आवारा पशुओं का तांडव बना हुआ है।

कल्याणकारी योजनाओं से प्रत्येक पात्र हितग्राहियों को लाभांवित करें : सिंह

जबलपुर। प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह के निर्देशन में नगर निगम के मदन महल, बाजना मठ चौराहा और रामपुर में विकसित भारत संकल्प यात्रा अंतर्गत शिविर का आयोजन हुआ। शिविर में केन्द्र शासन की योजनाओं की लोगों को जानकारी दी गई। पात्र हितग्राहियों को लाभांवित किया गया तथा देश में हुये विकास से परिचित कराया गया। शिविर में मंत्री श्री सिंह, कलेक्टर श्री दीपक सक्सेना सहित सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। मंत्री श्री सिंह ने शिविर में आये लोगों से उनकी समस्याओं की जानकारी लेकर संबंधित अधिकारियों से कहा कि लोगों को योजनाओं के बारे में सही जानकारी देकर उन्हें लाभांवित करें। योजनाओं का लाभ लेने से शेष रह गये हितग्राहियों को लाभांवित करने में विलंब न हो। उन्हें योजनाओं का समय पर लाभ दिलाने का पूरा प्रयास करें। उन्होनें कहा कि योजनाओं के लिये जो पात्र नहीं है, उन्हें कैसे पात्र बनाया जाये इस पर भी विचार करें और उस दिशा में कार्य करें। सरकार भी चाहती है कि सभी व्यक्तियों को योजनाओं का लाभ मिल जाये।

अपराध समीक्षा बैठक में एसपी ने ली थाना प्रभारियों की क्लास

नशे का अवैध कारोबार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा

जबलपुर। पुलिस अधीक्षक आदित्य प्रताप सिंह ने शनिवार को यहां कंट्रोल रूम में लगातार तीन घंटे चली क्राईम मीटिंग (अपराध समीक्षा बैठक) में थाना प्रभारियों से दो टूक कहा कि कौन कितना मुस्तैद है कौन कितनी देर थाने में रहता है और कितनी देर फील्ड में सब मेरे संज्ञान में है। उन्होंने कहा कि थाना क्षेत्र में जुआ-सट्टा, अवैध शराब व अन्य नशे का कारोबार बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। छोड़े-बड़े नशा तस्करों पर प्रतिदिन कार्रवाई करें, अवैध शराब बेचने वाले, अवैध भंडारण, परिवहन तथा सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीकर उत्पात मचाने वालों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। शिक्षा संस्थानों के आसपास गुमटी, होटलों और दुकानों की सघन चेकिंग कर नशे में संलिप्त गिरोह को 'समाप्त' करने के निर्देश एसपी ने दिए हैं, अपराध समीक्षा बैठक में एएसपी प्रियंका शुक्ला, एएसपी कमल मोर्य, एएसपी प्रदीप शेण्डे, एएसपी सूर्यकांत शर्मा, एएसपी सोनाली दुबे, एएसपी समर वर्मा सभी सीएसपी, एसडीओपी व समस्त थाना प्रभारी शहर-देहात मौजूद रहे। एसपी आदित्य प्रताप सिंह ने चिन्हित गंभीर अपराध, धोखाधड़ी, चिटफंड कंपनी से संबंधित मामले एवं 363 के प्रकरणों तथा एससी/एसटी एवं दुराचार के प्रकरणों में अभी तक विवेचना में अब तक हुई प्रगति का ब्यौरा लिया। थाना प्रभारियों से कहा कि लंबित प्रकरणों का तेजी से निष्पादन करें। मादक पदार्थ, नशीले इंजेक्शन के कारोबार मे लिप्त आसामाजिक तत्वों सहित तथा काला बाजारी करने वालों, मिलावटखोरों, भू-माफिया, सूदखोर, संगठित जुआ सट्टा खिलाने वालों को चिन्हित कर तत्काल प्रभावी कार्रवाई करें। रात्रि में स्थान एवं समय बदलकर थाना क्षेत्रों में चैकिंग करते हुए शराब पीकर वाहन चलाने वालों के विरूद्ध कार्रवाई करने निर्देशित किया। धारा 363 के मामलें में दस्तयाबी करने पर जोर दिया।

सूचना तंत्र पर रखें 24 घंटे नजर मजबूत पुलिसिंग के लिए हर गांव में पुलिस को मुखबिर तंत्र मजबूत करने के लिए कहा गया है, गांव-गांव पुलिस का नेटवर्क मजबूत होगा तभी अपराधिक गतिविधियों में शामिल रहने वालों पर पुलिस तत्काल कार्रवाई कर सकेगी, जिला बदर एवं निगरानीशुदा बदमाशों के घर पर नियमित चैकिंग कराने के निर्देश भी एसपी ने दिए है, साथ ही उन्होंने सीएम हेल्प लाईन शिकायतों को संतुष्टिपूर्वक निराकरण करने पर जोर दिया।

नर्मदा तटों पर मकर संक्रांति मेला आज और कल

77 साल बाद बनेगा ये शुभ संयोग 15 को मनाई जाएगी मकर संक्रांति

ग्रहों के राजा सूर्य 15 जनवरी को धनु से मकर राशि में प्रवेश करेंगे, इस बार सूर्य की राशि का परिवर्तन सुबह 9.13 बजे हो रहा है। इसी दिन खरमास समाप्त होगा और इसके बाद मांगलिक कार्य शुरू हो जाएंगे...

हरिभूमि, जबलपुर

ग्रहों के राजा सूर्य 15 जनवरी को धनु से मकर राशि में प्रवेश करेंगे। ज्योतिषीय गणना के अनुसार अब 2080 तक यानि आने वाले 56 वर्ष तक मकर संक्रांति 15 जनवरी को ही मनाई जाएगी। इसके बाद फिर मकर संक्रांति एक दिन और आगे बढ़ जाएगी। यानी 56 वर्ष बाद सूर्य का मकर राशि में संक्रमण हर वर्ष 16 जनवरी को होगा। इस बार सूर्य की राशि का परिवर्तन सुबह 9.13 बजे हो रहा है। इसी दिन खरमास समाप्त होगा और इसके बाद मांगलिक कार्य शुरू हो जाएंगे।

अब सुबह ही होगा सूर्य का संक्रमण

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि 2008 से 2017 तक सूर्य का राशि परिवर्तन 14 जनवरी की संध्याकाल में होता रहा था। इसलिए 14 जनवरी को मकर संक्रांति मान्य थी। इसके बाद छह वर्ष तक सूर्य का राशि परिवर्तन अनिश्चित होने से संक्रांति कभी 14 तो कभी 15 जनवरी को मनाई गई। अब ऐसा नहीं होगा। सूर्य का राशि परिवर्तन 56 वर्षों (2080) तक सुबह ही होगा। उन्होंने बताया कि 1936 से मकर संक्रांति 14 जनवरी को मनाई जा रही थी। 1864 से 1936 तक 13 जनवरी और 1792 से 1864 तक 12 जनवरी को मनाई जाती रही।

तीन साल में एक घंटे आगे बढ़ती है संक्रांति

ज्योतिषविदों के अनुसार, हर साल सूर्य के राशि परिवर्तन में 20 मिनट का विलंब होता है। इस प्रकार तीन वर्षों में यह अंतर एक घंटे का हो जाता है।

72 वर्ष में 24 घंटे का फर्क आ जाता है। सूर्य व चंद्रमा ग्रह मार्गीय होते हैं। यह पीछे नहीं चलते हैं। इसलिए एक दिन बढ़ जाता है। इस लिहाज से 2008 में ही 72 वर्ष पूरे हो गए थे।

स्वामी विवेकानन्द के संदेश सार्वभौमिक और सर्व धर्म समभाव थे : महामंडलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानंद

जबलपुर। युगदृष्टा स्वामी विवेकानंद जी की 161वीं जयंती के अवसर पर आज मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद जिला जबलपुर द्वारा व्यख्यानमाला एवं रक्तदान शिविर का आयोजन समन्वय केंद्र जबलपुर में किया गया। व्याख्यान कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वामी अखिलेश्वरानंद अध्यक्ष मध्यप्रदेश गौ संवर्धन बोर्ड कार्यपरिषद, डाक्टर जितेन्द्र जामदार प्रतिभागियों को संबोधित किया।

डॉक्टर जितेन्द्र जामदार ने कहा कि स्वामी विवेकानन्द जी का अद्भुत व्यक्तित्व और विचारों से परिपूर्ण थे, उनका संदेश पूरी दुनिया को दिशा देता रहा है उनके विचार सनातन संस्कृति और सभ्यता को व्यापक रूप प्रदान करते हैं जन अभियान परिषद विगत कुछ वर्षों से उनके दर्शन पर उनकी जयंती पर व्याख्यान कार्यक्रम करता है,परिषद द्वारा विवेकानंद जी की जयंती पर स्वैच्छिक संस्थाओं के सहयोग से रक्तदान कर एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है, कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे गौ संवर्धन बोर्ड के अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी अखिलेशरा जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि जब विवेकानंद जी धर्म सम्मेलन में भाग लेने शिकागो गए तो उन्होंने आपने उद्बोधन में प्रारंभ में उपस्थित जन समुदाय को मेरे प्रिय भाई एवं बहन के संबोधन किया तब संपूर्ण परिसर तालियों से गूंज उठा।

घर-घर विराजे प्रभु श्रीराम

जबलपुर। परशुराम तट ग्वारीघाट राम कलश उत्सव धूमधाम से मनाया गया, नर्मदा परिक्रमावासी के साथ भगवान की महाआरती संपूर्ण ब्राह्मण मंच के प्रवक्ता ने बताया राम हमारे हम राम के जीवन धन्य हो गया रघुकुल नंदन कब आओगे भीलनी की डगरिया रामा रामा रटते रटते बीती रे उमरिया धन है वह सबरी जिसने राम को पके हुए फल रस स्वादन कराया था धन्य है वह अहिल्या जितने साक्षात राम को पाया था धन्य है केवट महाराज धन्य सुग्रीव विभीषण जिन्होंने प्रभु की मित्रता पाई धन्य है भारत जैसे भाई जिन्होंने त्याग का परिचय दिया सनातन संस्कृति को जन्म देने वाले राम संपूर्ण विश्व के राम भारत भूमि धन हो रही है। कार्यक्रम में धनंजय बाजपेई रावेंद्र तिवारी डॉ अरुण मिश्रा पंडित राजकुमार दुबे नर्मदा परिक्रमा वासियों केके दुबे मधुबाला दुबे सुधाकर मिश्रा माधव पांडे मुन्ना लाल दुबे आदि उपस्थित थे।

समानता परिषद का स्थापना दिवस मनाया

जबलपुर। समानता परिषद रजि. का स्थापना दिवस स्वामी विवेकानंद जी के जयंती पर प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी मनाया गया। परिषद के कार्यालय में महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष श्रीमती सुधा रावेन्द्र तिवारी के नेतृत्व में आरक्षण मुक्त भारत का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर श्रीमती रीता तिवारी, सुमन विश्वकर्मा, पूजा तिवारी, ज्योति प्रीतवानी, लालिषा राजपूत, रम्भा राजपूत, रीता तिवारी, जूनियर सरिता विजय तिवारी, रेनू सुनील मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

अहीर और छत्तीसगढ़ नृत्य में बच्चों ने मचाया धमाल

जबलपुर। समदड़िया पब्लिक स्कूल ग्रीन सिटी माढ़ोताल में वार्षिकोत्सव 'आगाज 2024' का आयोजन शाला प्रांगण में किया गया, बच्चो के सर्वांगीण विकास तथा उनकी प्रतिभा को मंच पर लाने के उद्देश्य से आयोजित कार्यक्रम में बच्चो ने अत्यंत उत्साहपूर्वक भाग लिया, कार्यक्रम का प्रारम्भ समाज सेवी अजित समदड़िया द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया, मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर-मध्य विधानसभा विधायक डॉ अभिलाष पाण्डे उपस्थित रहे।

वार्षिकोत्सव : लेनार्ड शाला में छात्र-छात्राओं ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

जबलपुर। बिलहरी स्थित लेनार्ड हायर सेकण्डरी स्कूल का वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव 13 जनवरी को उल्लासमय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी एवं पूर्व विधायक श्रीमती एलबी लोबो उपस्थित रहे। शाला प्राचार्य श्रीमती क्रिस्टीन लोबो ने अतिथिगणों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। तत्पश्चात विविध सांस्कृतिक रंगारंग कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत वंदना नृत्य से की गई। इसके बाद क्लेप योर हेंड्स, कुकड़ू कू, सरकस, राजस्थानी, कृष्णा, शास्त्रीय नृत्य एवं सामूहिक गान आदि की प्रस्तुति विद्यार्थियों द्वारा दी गई। विजयी प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। अंत में घनश्याम सोनी ने प्रेरणादायक भाषण देकर बच्चों का मनोबल बढ़ाया एवं उन्हें इसी तरह विविध कार्यक्रमों में भाग लेते रहने के लिए प्रोत्साहित किया।

गोरखपुर नवीन विद्या शाला में वार्षिक पुरस्कार वितरित

जबलपुर। गोरखपुर नवीन विद्या भवन शाला में वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह भव्यता के साथ अधिवक्ता अंकित अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस समारोह के विशिष्ट अतिथि अभिषेक अग्रवाल थे व कार्यक्रम की अध्यक्षता हेमराज अग्रवाल ने की। इस अवसर पर अतिथिगणों ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि पुरस्कारों से जीवन में और बेहतर करने की प्रेरणा मिलती है, किन्हीं कारणों से जिनको इस बार पुरस्कार नहीं मिल पाया है, वे भी इससे बेहतर करने की प्रेरणा लेकर जीवन में सफलता के नए आयाम स्थापित कर सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन उप प्राचार्य हेमन्त कुमार कोरी व वरिष्ठ शिक्षिका नीलेश तोमर ने किया, आभार प्रदर्शन प्राचार्य रूपेश कुमार अग्रवाल ने किया। पुरस्कार पाकर विजयी छात्र-छात्राएं खुशी से झूम उठे।

स्वामी विवेकानंद की जन्म जयंती पर कांग्रेसजनों ने अर्पित किए श्रद्धा सुमन

जबलपुर। कोलकाता के एक कुलीन कायस्थ परिवार में जन्मे बचपन से वीरेश्वर नाम से प्रसिद्ध बचपन से ही परमात्मा को पाने की तीव्र लालसा रखने वाले स्वामी रामकृष्ण परमहंस की कृपा पात्र परम शिष्य जिनका नाम संन्यास के बाद स्वामी विवेकानंद हुआ स्वामी विवेकानंद जी की 160 वीं जन्म जयंती के अवसर पर शहर (जिला) कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्री जगत बहादुर सिंह अन्नू के निर्देश पर उनकी बंगाली क्लब परिसर स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए शहर (जिला) कांग्रेस कमेटी के संगठन मंत्री मनोज सेठ ने कहा आत्म सुधार, दूसरों की सेवा और सार्वभौमिक भाईचारे के प्रबल समर्थक स्वामी विवेकानंद जी ने आध्यात्म की शक्ति से संपूर्ण विश्व को अवगत कराया इस अवसर पर पार्षद अमरीश मिश्रा गुड्डू नबी लक्ष्मण गोटिया अख्तर अंसारी सत्येंद्र चौबे राकेश पांडे आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन मनोज नामदेव ने किया।

नपा का लाखों रुपये किराया बाकी था
बस स्टेंड, स्टेडियम के सामने वाली अनेक दुकान की गई राजसात

सिहोरा। शासन के आदेशानुसार नगर पालिका स्वामित्व की निर्मित दुकान की प्रीमियम राशि एवं किराया बाकी होने की स्थिति में अनुविभागीय अधिकारी अर्चना कुमारी के निर्देशन एवं प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी नमन श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में नगर पालिका के अमले ने पुराना बस स्टैंड दुकान,स्टेडियम के सामने नवनिर्मित दुकानो पर सीलिंग की कार्यवाही करते हुए किराया न जमा करने पर दुकान राजसात कर पुनः नीलाम किए जाने हेतु सुचित किया गया।पूर्व में भी संबंधित दुकानदारों को नोटिस जारी कर तथा मुंनादी के माध्यम से सूचित किया गया था। विदित हो निकाय की प्रीमियम राशि एवं किराया राशि 13704890 ₹ बकाया है। बकायादारो के विरुध निकाय की अमले द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है। कार्यवाही के दौरान सुशील वर्मा, राजस्व निरीक्षक, रवि वर्मन, देवी साहू, संतोष तिवारी, राजकुमार बैगा, द्वारका कोरी, भैयाजी दुबे, अंनत नामदेव, संजय पाठक उपस्थित रहे।

स्वामी विवेकानंद जयंती पर 'स्वावलंबी भारत' कार्यक्रम आयोजित

जबलपुर। स्वावलंबी भारत का आयोजन गुरुकुल ज्योति वेलफेयर सोसाइटी, महाराजपुर, जबलपुर में किया गया, जिसमें मुख्य अतिथियों में आकाश परासर और योगेश मिश्रा शामिल थे। इस कार्यक्रम का आयोजन स्वामी विवेकानंद जयंती पर संचालक महोदय श्रीमती सकून कुशवाहा ने किया। कार्यक्रम के संयोजक प्रदीप यादव थे, जिन्होंने इस उत्सव को सफलता से संचालित किया। यह घड़ी स्वामी विवेकानंद जी के जीवन और उनके दर्शन के समर्थन में समर्पित थी। इस अद्भुत घड़ी में सभी उपस्थित अतिथियों ने स्वामी विवेकानंद के विचारों और उनके संदेशों का समर्थन किया। इस के साथ ही, आकाश परासर और योगेश मिश्रा ने अपने अनुभवों और ज्ञान से स्वावलंबी भारत के अंतरगत उद्यमिता विकास कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी और सभी को प्रेरित किया। यह कार्यक्रम गुरुकुल ज्योति वेलफेयर सोसाइटी के सहयोग से संभावित हुआ, स्वावलंबी बनाने की मिशन को बढ़ावा दिया।, और इसने स्थानीय समुदाय को इस महत्वपूर्ण समारोह के माध्यम से हम सभी ने एक समृद्ध, स्वावलंबी और समर्पित भारत की ऊँचाइयों की दिशा में एक मजबूत प्रतिबद्धता दिखाई है। इस दिशा में की गई कड़ी मेहनत और समर्थन के लिए हम उपस्थित सभी लोगों के आभारी हैं।

इनकम टैक्स स्लेब में 10 लाख तक की आय वालों को दी जाए छूट

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के प्रदेश एवं जिला अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि वर्तमान मे जारी इन्कम टैक्स स्लेब मे कर्मचारियों को सिर्फ 7.50 के ऊपर की आय पर छूट है जिसे बढाकर 10 लख की जाना चाहिए। वर्तमान मे महंगाई के दौर मे हर सामान पर व्यक्ति टेक्स दे रहा है जिससे उसकी आर्थिक स्थिति डगमगाई हुई है साथ ही महंगी शिक्षा जिसमें कर्मचारियों एवं जनसामान्य की आर्थिक स्थिति डगमगाई है, अतः शासन से अनुरोध है की प्रचलित इन्कमटैक्स की रेंज कम से कम 10 लाख की जावे जिससे जनसामान्य पर अधिभार ना आये। संघ के जिलाध्यक्ष- रॉबर्ट मार्टिन, जियाउरहीम, हेमंत ठाकरे, स्टेनली नॉबर्ट, दिनेष गौड़ आदि ने मांग की है।

श्री शशिधर दुबे- घमापुर निवासी श्री शशिधर दुबे 65 का निधन हो गया। आप शेलेन्द्र, राघवेन्द्र दुबे के पिता थे। अंतिम संस्कार करिया पाथर मुक्तिधाम में किया गया।

श्री उमेश कुमार विश्वकर्मा- पावर हाउस के पास साउथ सिविल लाइन निवासी श्री उमेश कुमार विश्वकर्मा (59) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती हरजीत कौर- गोरखपुर स्थित नत्थूममल जैन स्कूल के पीछे निवासी श्री इन्दरपाल सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती हरजीत कौर (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री रामचंद्र ठाकुर- अमर नगर रांझी निवासी श्री रामचंद्र ठाकुर (79) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री वीरेंद्र समुंद्रे- प्रेमसागर निवासी श्री रत्तीलाल समुंद्रे के पुत्र श्री वीरेंद्र समुंद्रे (41) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती सरला देवपुरिया- सरस्वती कॉलोनी चेरीताल निवासी श्री मोहन लाल देवपुरिया की धर्मपत्नी श्रीमती सरला देवपुरिया (71) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री जगदीश रजक- अनगढ़ महावीर मंदिर के पीछे गोरखपुर निवासी श्री जगदीश रजक (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती अर्चना श्रीवास्तव- साईं सुबह कॉलोनी संजीवनी नगर गढ़ा निवासी श्री शरद श्रीवास्तव की धर्मपत्नी श्रीमती अर्चना श्रीवास्तव (49) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती वेदरानी सेठी- मोतीराम कम्पाउंड गोरखपुर निवासी श्री राम प्रकाश सेठी की धर्मपत्नी श्रीमती वेदरानी सेठी (81) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती विमला तिवारी- बड़ी उखरी पंचशील कॉलोनी निवासी श्री चुन्ना लाल तिवारी की धर्मपत्नी श्रीमती विमला तिवारी (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री ओम प्रकाश कोरी- सेठ गोविंददास वार्ड छोटी संतोषी माता मंदिर के पास निवासी श्री ओम प्रकाश कोरी (54) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती गीता बाई पटेल- रामनगर रांझी निवासी श्री किशन लाल पटेल की धर्मपत्नी श्रीमती गीता बाई पटेल (66) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री शशिधर दुबे- बैंजामिन का बाड़ा शीतलामाई निवासी श्री शशिधर दुबे (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री राहुल उईके- कालीमठ आमनपुर मदनमहल निवासी श्री हुकुम उईके के पुत्र श्री राहुल उईके (32) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती मीरा देवी आहूजा- द्वारका नगर सिंधी गुरूद्वारा के पास लालमाटी निवासी श्री बक्छोमल आहूजा की धर्मपत्नी श्रीमती मीरा देवी आहूजा (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती कृष्णा मिश्रा- गंजीपुरा सुपर मार्केट के पास निवासी श्री गोविंद प्रसाद मिश्रा की धर्मपत्नी श्रीमती कृष्णा मिश्रा (84) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती कलावती जाट- कंजड़ मोहल्ला पूर्वी बेलबाग निवासी श्री झम्मन सिंज जाट की धर्मपत्नी श्रीमती कलावती जाट (91) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती गीता बाई उरेहा- इंद्रा नगर बिलपुर निवासी श्री गयादीन उरेहा की धर्मपत्नी श्रीमती गीता बाई उरेहा (66) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री दिनेश चौधरी- बाबा टोला ठक्कर ग्राम निवासी श्री रामकुमार चौधरी के पुत्र श्री दिनेश चौधरी (33) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री शिवरतन चौधरी- संजय नगर पोलीपाथर ग्वारीघाट रोड निवासी श्री शिवरतन चौधरी (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि निजी/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अन्य साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.
फिक्स साइज:- 8x4 से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
फिक्स साइज:- 8x4 से.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज 10x8 से.मी. रंगीन 1000/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-0761-4048310, 2757175

गहोई समाज के संयोजन में मकर संक्रांति पर पतंग प्रतियोगिता आज

जबलपुर। श्री गहोई वैश्य दिवस महापर्व (मकर संक्रांति) के उपलक्ष्य में 14 जनवरी को पतंग प्रतियोगिता का आयोजन दोपहर 02 से शाम 05 बजे तक एमजीजी पैलेस दमोहनाका चौक में किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में पतंग निःशुल्क प्रदान की जाएगी, शेष सामग्री प्रतियोगियों को स्वयं लाना होगी। श्री गहोई वैश्य नवयुवक मंडल के अध्यक्ष अभिषेक ब्रिजपुरिया, मंत्री सचिन पहारिया, महिला मंडल अध्यक्ष उर्मिला सिपौल्या, मेघा बड़ौन्या के सहयोग से प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान पाने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाएगा। यह आयोजन रजत जयंती वर्ष है।

आम सूचना

मैं अपने पक्षकार सुनील पिनयानी आत्मज पूरन चंद पिनयानी के द्वारा अधिकृत होकर सर्व साधारण को सूचित करता हूँ कि मेरे पक्षकार द्वारा विजया भाटिया पत्नि अनिल भाटिया से, उनके स्वामित्व की ग्राम सालीवाडा, खम्हरिया, तह.व जिला जबलपुर स्थित भूमि ख.नं. 358 रकवा 0.59 है। भूमि को क्रय करने का अनुबंध 28.09.21 को किया गया था जिसकी अभिस्वीकृति हेतु एक नोटराईज अनुबंध भी पक्षकारगण के मध्य निष्पादित किया गया। उपरोक्त भूमि के बंदोबस्त पूर्व के अभिलेखों एवं सरकारी नाप अनुसार मौके पर भी भूमि का रकवा 0.51 हे. पाया गया इसलिये मेरा पक्षकार उक्त अविवादित रकवा 0.51 हे. भूमि की विक्रय राशि का भुगतान कर विक्रय पत्र निष्पादित कराने हेतु तत्पर है परंतु विक्रेती, विक्रय पत्र निष्पादित करने में हीला हवाली कर रही है। मेरे पक्षकार द्वारा विक्रय पत्र निष्पादन हेतु विक्रेती को एक विधिक सूचना पत्र भी तामील कराया जा चुका जिसका कोई जवाब विक्रेती द्वारा नहीं दिया गया। मेरे पक्षकार द्वारा पंजीकृत डॉक से 4 पत्र भी विक्रेती को प्रेषित किये गये जिन्हें विक्रेती ने वापिस कर दिया। मेरे पक्षकार को यह आशंका है कि विक्रेती द्वारा उक्त सम्पत्ति का विक्रय किसी अन्य व्यक्ति को किया जा सकता है जबकि उन्हें ऐसा करने का अधिकार नहीं है इसलिये सूचित हो कि कोई भी व्यक्ति/संस्था उपरोक्त सम्पत्ति को क्रय करने हेतु संव्यवहार ना करें अन्यथा उन्हें उक्त सम्पत्ति पर कोई अधिकार प्राप्त नहीं होगा एवं किये जाने वाले ऐसे कोई भी संव्यवहार को मेरे पक्षकार द्वारा सक्षम न्यायालय में चुनौती दी जावेगी, जिसके समस्त हर्जे-खर्चे की जवाबदारी उक्त व्यक्ति/संस्था की होगी।

सचिन जैन अधिवक्ता
662/1शहीद स्मारक रोड, गोलबाजार, जबलपुर
दिनांक- 11.01.2024 मो. 9303330765

वर्किंग महिलाओं के लिए बेस्ट इन्वेस्टमेंट स्कीम

सुझाव | बिजनेस डेस्क

देश में लगातार कामकाजी महिलाओं का संख्या बढ़ती जा रही है। ऐसे में महिलाओं को भी अपना पैसा बढ़ाने के लिए निवेश पर फोकस करना चाहिए, ताकि उन्हें अच्छा ब्याज मिल सके और वे भी पुरुषों की भांति अमीर हो सकें। अक्सर देखने में आता है कि ज्यादातर महिलाएं अपना पैसा घर पर ही बचाकर रखती हैं, जिसका कोई ब्याज नहीं मिलता है। अगर इन पैसों को किसी सही जगह इन्वेस्ट किया जाए तो न सिर्फ पैसा सुरक्षित रहेगा, बल्कि अच्छा मुनाफा भी कमा सकेंगी। आर्थिक रूप से स्वतंत्र होने और वित्तीय सुरक्षा के लिए सिर्फ कमाना ही काफी नहीं है, बल्कि इन्वेस्टमेंट करना भी जरूरी है। अगर आप भी कामकाजी महिला हैं तो निवेश के बेस्ट विकल्पों से जुड़ी जरूरी बातें आपको पता होनी ही चाहिए।

गोल्ड में निवेश

कहते हैं कि महिलाओं को अपनी रसोई और सोना सबसे प्यारा होता है। पुराने समय से ही महिलाएं गोल्ड में निवेश करती आ रही हैं। सोने में निवेश के आप फिजिकल, डिजिटल गोल्ड, गोल्ड बॉन्ड और गोल्ड ईटीएफ जैसे कई विकल्प के जरिये इन्वेस्ट करके मुनाफा कमा सकते हैं। वर्तमान में डिजिटल गोल्ड जैसे विकल्पों ने गोल्ड इन्वेस्टमेंट को और अधिक सेफ और आसान बना दिया है। गोल्ड में इन्वेस्ट कर आप अच्छा मुनाफी कमा सकते हैं।

म्यूचुअल फंड

वैसे तो शेयर बाजार में निवेश करके अच्छा रिटर्न कमाया जा सकता है, लेकिन इसमें हाई रिस्क रहती है। यदि आप थोड़े कम जोखिम के साथ निवेश प्लान लेना चाहते हैं तो आपके लिए म्यूचुअल फंड एसआईपी बेहतर विकल्प साबित होगा। अगर आप लंबे समय के लिए इन्वेस्ट करना चाहते हैं तो बता दें कि एसआईपी आपके लिए बेहतर ऑप्शन है, क्योंकि यह किफायती होने के साथ-साथ आसान भी है। इसमें हर महीने निवेश कर महिलाएं अच्छा मुनाफा कमा सकती हैं। यह निवेश का सबसे सुरक्षित और किफायती जरिया भी माना जाता है। आजकल देश में इसकी डिमांड भी बढ़ रही है।

डेट फंड

डेट फंड असल में म्यूचअल फंड ही होता है, जो बिना जोखिम उठाए एफडी से ज्यादा रिटर्न देते हैं। फिक्स्ड डिपॉजिट का समय पूरा होते ही डेट फंड आपको फिक्स्ड रेट पर अच्छा खासा रिटर्न देते हैं। मौजूदा वक्त में डेट फंड में 6% से 8% का ब्याज मिल रहा है। इसमें महिलाएं मिनिमम 500 रुपये से एसआईपी शुरू कर सकती हैं।

नेशनल पेंशन स्कीम

भारत सरकार की रिटायरमेंट स्कीम में निवेश करके वर्किंग वूमन बुढ़ापे के लिए पेंशन फंड इकट्ठा कर सकती हैं। सरकार ने पेंशन की कई योजनाएं चलाई है, जिसमें राष्ट्रीय पेंशन योजना भी शामिल है, जिसमें निवेश करके पैसा सुरक्षित रख सकते हैं। एनपीएस के जरिये कॉर्पोरेट बॉन्ड, इक्विटी, लिक्विड फंड शामिल हैं।

हेल्थ इंश्योरेंस

यह अक्सर कहा जाता है कि सबसे अच्छा निवेश जो हम कर सकते हैं वह हमारे स्वास्थ्य में है। यह आपके परिवार के साथ-साथ आपके स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए भी महत्वपूर्ण है। फाइनेंशियल प्रोटेक्शन हेल्थ इंश्योरेंस किसी भी गंभीर बीमारी में लगने वाले हाई कॉस्ट को कवर करके वित्तीय सुरक्षा प्रदान करता है। हेल्थ इंश्योरेंस की मदद से हम अचालक से आने वाले वित्तीय संकट से बच सकते हैं।

जरूरत पड़ने कर्ज लेने में कोई हर्ज नहीं होता, क्योंकि इसके बिना आपके कई बार काम रुक जाते हैं। लेकिन कर्ज कोई भी हो, उसकी ईएमआई को नियमित रूप से चुकाने पर हमेशा ध्यान देना चाहिए। कर्ज के भुगतान में लापरवाही बरतना लंबे अरसे में आपकी फाइनेंशियल हेल्थ के लिए बेहद नुकसानदेह हो सकता है और आप धीरें-धीरें कर्ज के मकड़जाल में फंस जाएंगे। इसलिए ध्यान रखें ज्यादा जरूरत पड़ने पर ही लोन लें और उसे समय से चुकाएं भी। एक लोन उतारने के लिए दूसरा लोन न लें, वरना बोझ बढ़ता जाएगा।

समय पर चुकाएं लोन, वरना घेर लेगा कर्ज का 'मकड़जाल'

जरूरत पड़ने पर कर्ज लेने में कोई हर्ज नहीं है लेकिन ऐसा करते समय कुछ बातें पल्ले बांध लें ताकि आपको आगे चलकर पछताना न पड़े

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

अचानक कोई जरूरत पड़ जाए या घर, कार जैसी महंगी चीजें खरीदनी हों, तो लोन सभी लेते हैं। नई तकनीक के इस्तेमाल ने तो कर्ज लेना पहले से काफी आसान बना दिया है। लिहाजा, लोग भी आसान क्रेडिट की इस सुविधा का इस्तेमाल बड़े पैमाने पर करने लगे हैं। जरूरत पड़ने कर्ज लेने में कोई हर्ज नहीं होता, क्योंकि इसके बिना आपके कई बार काम रुक जाते हैं, लेकिन कर्ज कोई भी हो, उसकी ईएमआई को नियमित रूप से चुकाने पर हमेशा ध्यान देना चाहिए। कर्ज के भुगतान में लापरवाही बरतना लंबे अरसे में आपकी फाइनेंशियल हेल्थ के लिए बेहद नुकसानदेह हो सकता है और आप धीरें-धीरे कर्ज के मकड़जाल में फंस जाएंगे। इसलिए ध्यान रखें ज्यादा जरूरत पड़ने पर ही लोन लें और उसे समय से चुकाएं भी। एक लोन उतारने के लिए दूसरा लोन न लें, वरना बोझ बढ़ता जाएगा और एक समय ऐसा आएगा कि आप उससे उभर नहीं पाएंगे। कर्ज लेते समय या उसे चुकाने के दौरान कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है, ताकि आगे चलकर आपको कोई परेशानी न हो। हम यहां आपको ऐसी ही कुछ बातों के बारे में बताएंगे, जिन पर अमल करके आप अपने लोन लेने और चुकाने के अनुभव को किसी मुसीबत में तब्दील होने से बचा सकते हैं।

कर्ज उतना ही लें, जितना चुका सकें

आपको कर्ज हमेशा उतना ही लेना चाहिए, जितना आप आसानी से चुका सकते हों। लोन भले ही कितनी भी आसानी से मिल रहा हो, लेकिन आखिर वो है तो कर्ज ही, जिसे आपको देर-सबेर चुकाना ही होता है। इसलिए अपनी रीपेमेंट की क्षमता से ज्यादा कर्ज लेने से बचना चाहिए। अगर आपकी आमदनी का बड़ा हिस्सा कर्ज की किस्तें (ईएमआई) चुकाने में चला जाएगा, तो आपकी सारी फाइनेंशियल प्लानिंग बिगड़ने का खतरा है। आमतौर पर माना जाता है कि आपकी होमलोन की ईएमआई आपकी मंथली इनकम के 35-40 फीसदी से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। वहीं, कार लोन या पर्सनल लोन की ईएमआई का हिस्सा आपकी मासिक आय के 10 फीसदी से भी कम रहे तो ही बेहतर है।

कर्ज की अवधि कम से कम रखें

कर्ज लेने का फैसला करते समय अक्सर लोग ये देखते हैं कि उसकी ईएमआई कितनी बनेगी और ऐसा करना बिलकुल सही भी है, लेकिन गलती तब हो जाती है, जब क्षमता से ज्यादा लोन लेने के चक्कर में लोग कर्ज की अवधि बढ़ाकर ईएमआई कम करने की कोशिश करते हैं, लेकिन कर्ज की रकम और ब्याज दर अगर बराबर है तो ईएमआई कम रखने के लिए लोन की अवधि बढ़ाना हमेशा समझदारी भरा फैसला नहीं होता। ऐसा करते समय यह ध्यान में रखना चाहिए कि कर्ज चुकाने में आप जितना ज्यादा वक्त लगाएंगे, ब्याज का बोझ उतना ही बढ़ता जाएगा। होम लोन जैसे कर्ज के मामले में अगर आप शुरुआत में अपनी कम इनकम के कारण ज्यादा अवधि का चुनाव कर भी लेते हैं, तो भी आगे चलकर ईएमआई बढ़ाने की कोशिश करें, ताकि लोन को कम से कम समय में चुकाया जा सके। अगर आपके कई लोन चल रहे हैं, तो सबसे पहले उस लोन को निपटाने की कोशिश करें, जिसकी ब्याज दर सबसे ज्यादा है।

बेहतर ब्याज दर की तलाश जारी रखें

होम लोन जैसे लंबी अवधि के कर्ज लेकर भूल न जाएं। अगर आपको होम लोन पर काफी ऊंची ब्याज दर चुकानी पड़ रही है, तो उसे कम करवाने की कोशिश करें। खासतौर पर अगर आपके लोन लेने के बाद बाजार में ब्याज दरों में नरमी आई है, तो आपको उसका लाभ उठाने की कोशिश जरूर करनी चाहिए। इसके लिए सबसे पहले आपको अपने मौजूदा बैंक या एनबीएफसी से बात करके देखना चाहिए। अगर इससे बात न बने, तो दूसरे बैंकों से संपर्क करके लोन का बैलेंस ट्रांसफर करने पर विचार करना चाहिए। लंबी अवधि के लोन की ब्याज दर में आई थोड़ी भी कमी ब्याज के बोझ को काफी कम कर सकती है। कर्ज कोई भी हो, उसकी ईएमआई को नियमित रूप से चुकाने पर हमेशा ध्यान देना चाहिए। कर्ज के भुगतान में लापरवाही बरतना लंबे अरसे में आपकी फाइनेंशियल हेल्थ के लिए बेहद नुकसानदेह हो सकता है, क्योंकि ऐसा करने पर आपको जुर्माने के तौर पर एक्स्ट्रा पेमेंट करना पड़ सकता है या ज्यादा ब्याज देना पड़ सकता है। इससे आपका क्रेडिट प्रोफाइल और सिबिल स्कोर भी बिगड़ जाता है, जिसके कारण आपको आगे चलकर और भी नुकसान उठाना पड़ सकता है।

शौक, फिजूलखर्ची के लिए कर्ज लेने से बचें

एक बात हमेशा याद रखें। कर्ज लेना तभी वाजिब है, जब आप किसी जरूरी काम के लिए ऐसा कर रहे हों। सिर्फ किसी महंगे शौक या फिजूलखर्ची के लिए या फिर कर्ज लेने में जरा भी समझदारी नहीं है। इसी तरह शेयर मार्केट जैसे उतार-चढ़ाव वाले निवेश के लिए कर्ज लेना भी सही नहीं है। इसके लिए तो आपको अपने एक्स्ट्रा फंड का ही इस्तेमाल करना चाहिए। लोन लेना तभी वाजिब है, जब उसका इस्तेमाल आप किसी जरूरत के लिए कर रहे हों। मिसाल के तौर पर महानगर में रहने वाले लोगों के लिए कार जरूरत की चीज हो सकती है, लेकिन अगर आपका काम किसी सामान्य कार से चल सकता है, तो क्षमता से बाहर होने पर भी सिर्फ दिखावे के लिए ज्यादा कर्ज लेकर महंगी लग्जरी कार खरीदना समझदारी भरा फैसला नहीं हो सकता।

जिसने लगाया पैसा उसकी हो गई बल्ले-बल्ले, इंडेक्स म्यूचुअल फंड में कर सकते हैं निवेश

पिछले साल 10 इंडेक्स फंड ने दिया मुनाफा

जानकारी | बिजनेस डेस्क

"भारत में भी म्यूचुअल फंड अब लोकप्रिय हो रहे ■ म्यूचुअल फंड की कई कैटेगरी, दे रही मुनाफा ■ अच्छा रिटर्न भी निवेशकों को खूब लुभा रहा ■ कुछ फंड्स का रिटर्न तो 47 से 60% तक रहा ■ इंडेक्स को पेसिव फंड के नाम से भी जाना जाता है"

साल 2023 में इंडेक्स फंड में पैसा लगाने वालों की मौज हो गई है। इस साल 10 इंडेक्स फंड ने तो छप्परफाड़ रिटर्न दिया है। कुछ फंड्स का रिटर्न तो 47 फीसदी से लेकर 60 फीसदी तक रहा है। यह रिटर्न एफडी और पीएफ जैसे परंपरागत निवेश विकल्पों से कई गुना ज्यादा है। इंडेक्स फंड में जोखिम कम माना जाता है, इन्हें पेसिव फंड भी कहा जाता है। इनमें भी निवेशक अन्य म्यूचुअल फंड की तरह एसआईपी के जरिए पैसा ला सकते हैं। इंडेक्स फंड किसी न किसी इंडेक्स को ट्रैक करते हैं। जैसे निफ्टी मिडकैप 50 इंडेक्स फंड, निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स फंड या निफ्टी स्मॉलकैप 50 इंडेक्स फंड। किसी भी इंडेक्स फंड में लगाए गए पैसे, उस खास इंडेक्स में शामिल कंपनियों में ही डाले जाते हैं। इंडेक्स फंड का टोटल एक्सपेंस रेशियो एक्टिव फंड्स के मुकाबले काफी कम रहता है।

मिला शानदार रिटर्न

साल 2023 में बाजार में शानदार तेजी की वजह से इस बार म्यूचुअल फंड निवेशकों को भी अच्छा रिटर्न मिला है। इस रिपोर्ट में हम आपको उन इंडेक्स म्यूचुअल फंड्स के बारे में बताएंगे, जिन्होंने पिछले 1 साल में सबसे ज्यादा रिटर्न दिया है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) की डेटा से ऐसे 10 फंड्स को चुना है, जिनका एसेट अंडर मैनेजमेंट कम से कम सौ करोड़ रुपये से ज्यादा है।

इन फंड्स ने की धनवर्षा

पहला
आदित्य बिरला सन लाइफ निफ्टी स्मॉलकैप 50 इडेक्स फंड है। इस फंड के रेगुलर प्लान का सालाना रिटर्न 60.60 फीसदी तो डायरेक्ट प्लान का रिटर्न 61.56 फीसदी रहा है।

दूसरा
एक्सिस निफ्टी स्मॉलकैप 50 इंडेक्स फंड का दूसरा नंबर है। इस फंड के रेगुलर प्लान ने 60.25 फीसदी तो डायरेक्ट प्लान ने 61.45 फीसदी रिटर्न पिछले एक साल में दिया है।

तीसरा
मोतीलाल ओसवाल एसएंडपी बीएसई इनहांस्ड वैल्यू इंडेक्स फंड के रेगुलर प्लान में निवेश करने वाले निवेशकों को 60.13 फीसदी और डायरेक्ट प्लान में पैसा लगाने को एक साल में 61.21 फीसदी रिटर्न मिला है।

चौथा
आईसीआईसीआई प्रुडेंशियल नैस्डेक 100 इंडेक्स फंड का एक साल का रिटर्न 56.47% (रेगुलर), 57.25% (डायरेक्ट) रहा है।

पांचवां
एडलवाइज निफ्टी मिडकैप 150 मोमेंटम 50 इंडेक्स फंड के रेगुलर प्लान का 1 साल का रिटर्न 50.99 फीसदी और डायरेक्ट प्लान का रिटर्न 52.08% रहा है।

छठा
टाटा निफ्टी मिडकैप फंड 150 मोमेंटम 50 इंडेक्स फंड का सालभर का रिटर्न 49.29 फीसदी और डायरेक्ट प्लान का 50.48 फीसदी रहा है।

सातवां
एक्सिस निफ्टी मिडकैप 50 इंडेक्स फंड के रेगुलर प्लान ने साल में 47.95% व डायरेक्ट प्लान ने 49.06% रिटर्न दिया है।

आठवां
मोतीलाल ओसवाल निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स फंड के रेगुलर प्लान का रिटर्न 47.15 फीसदी तो डायरेक्ट प्लान का 48.17 फीसदी रहा

नौवां
एसबीआई निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स फंड के रेगुलर प्लान का रिटर्न 47.17 फीसदी तो डायरेक्ट का 48.06 फीसदी रहा है।

दसवां
निप्पॉन इंडिया निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स फंड ने भी निवेशकों को एक साल में बंपर मुनाफा दिया है। इसके रेगुलर प्लान का साल का रिटर्न 46.94% और डायरेक्ट प्लान का रिटर्न 47.92 फीसदी रहा है।

शेयर बाजार में फिर गिरावट का दौर, ऐसे में क्या करें निवेशक

बिजनेस डेस्क

नए साल में शेयर बाजार में निवेशक गिरावट ही देख रहे हैं। बाजार कल गिरावट के साथ बंद हुआ था। मुख्य रूप से बैंक और आईटी शेयरों में मुनाफावसूली और विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी से बाजार नुकसान में रहा था। कल तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 379.46 अंक यानी 0.53 प्रतिशत की गिरावट के साथ 71,892.48 अंक पर बंद हुआ था। कारोबार के दौरान एक समय यह 658.2 अंक तक लुढ़क गया था। ऐसे में अधिकतर नए और रूढ़िवादी निवेशक 100% स्टॉक मार्केट एक्सपोज़र से जुड़े जोखिमों, जैसे अनस्टेबिलिटी और डायवर्सिफिकेशन की कमी के बारे में चिंता करते हैं। इसलिए, ऐसे निवेशकों के लिए एक आदर्श विकल्प हाइब्रिड इनवेस्टमेंट सोल्यूशन तलाशना होता है।

क्या होता है हाइब्रिड म्यूचुअल फंड

आक्रामक हाइब्रिड म्यूचुअल फंड में इक्विटी और डेट का मिश्रण होता है। इसी वजह से यह निवेशकों की पूंजी में बढ़ोतरी तो करता ही है, उसे सुरक्षा का संतुलन भी प्रदान करता है। गोल्स फाइनेंशियल के पार्टनर दीपक महाडिक का कहना है कि हाइब्रिड म्यूचुअल फंड निवेशकों को सर्वश्रेष्ठ प्रदान करते हैं। निवेश की दुनिया में यह जीत का समीकरण हाइब्रिड निवेश के रूप में सामने आता है। आक्रामक हाइब्रिड फंडों का अनोखा प्रस्ताव यह है कि वे निवेश को दो परिसंपत्ति वर्गों - इक्विटी और डेट में फैलाते हैं। ये फंड 65-80% तक इक्विटी में निवेश करते हैं, जिससे उच्च विकास के पर्याप्त अवसर मिलते हैं। इसके विपरीत, इक्विटी सेगमेंट में अत्यधिक अस्थिरता या कम प्रदर्शन की अवधि के दौरान डेट घटक एक कुशन के रूप में कार्य करता है।

रिस्क फैक्टर कितना

आक्रामक हाइब्रिड फंड मध्यम जोखिम क्षमता वाले निवेशकों की जरूरतों को पूरा करते हैं और विकास और स्थिरता के बीच संतुलन बनाते हैं। महाडिक के मुताबिक, इक्विटी और ऋण दोनों घटकों को शामिल करने से जोखिम और अस्थिरता को प्रभावी ढंग से कम किया जा सकता है, जो कि इक्विटी फंडों में अनुपस्थित है। यह विविध दृष्टिकोण उच्च रिटर्न की संभावना को बनाए रखते हुए एक स्थिर निवेश वातावरण प्रदान करके निवेशकों के विश्वास को बढ़ाता है, जिससे आक्रामक हाइब्रिड फंड अपने निवेश पोर्टफोलियो में मापा जोखिम जोखिम चाहने वालों के लिए एक आकर्षक विकल्प बन जाते हैं।

इस समय क्यों हो रही है इसकी चर्चा

आक्रामक हाइब्रिड फंड आज विशेष रूप से प्रासंगिक हैं। ऐसे समय में जब शेयर बाजार का मूल्यांकन विशेष रूप से सस्ता नहीं होता है। आक्रामक हाइब्रिड फंडों में पोर्टफोलियो पुनर्संतुलन में पूर्व निर्धारित सीमा के भीतर परिसंपत्ति आवंटन को पुनः व्यवस्थित करना शामिल है। आंकड़े बताते हैं कि एक दिसंबर, 2023 तक, आक्रामक हाइब्रिड फंड श्रेणी ने 13.7% (1 वर्ष में), 16.2% (3 वर्ष), 13.1% (5 वर्ष), और 13.8% (10 वर्ष में) का औसत रिटर्न दिया है। इस श्रेणी में हर समय-सीमा में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वालों में से एक आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इक्विटी और डेट फंड रहा है।

निवेशकों को लंबी अवधि के निवेश पर फोकस करना होगा, लक्ष्य लेकर चलेंगे तो निवेश के लिए कई बढ़िया ऑप्शन

सिक्योर रिटायरमेंट का लें मंत्र, 3 जगहों पर बड़े काम का निवेश

बिजनेस डेस्क

- 15 साल में इतना रिटर्न मिल जाएगा, बुढ़ापा आराम से कटेगा
- वीपीएफ, ईएलएसएस और पीपीएफ दे सकते हैं अच्छा मुनाफा
- ये आप्शन धारा 80 सी के तहत टैक्स बचाने में भी आते हैं काम

नया साल उत्साह और उमंग के साथ कई अच्छी खबरें लेकर आता है। यह समय फाइनेंशियल प्लानिंग के लिए भी बढ़िया होता है। अभी अगर आप अपने 30-40 की उम्र में हैं तो आपको रिटायरमेंट प्लानिंग कर लेनी चाहिए। बहुत से सैलरीड प्रोफेशनल्स अपनी फाइनेंशियल प्लानिंग में रिटायरमेंट प्लानिंग को टारगेट पर रखकर नहीं चलते, लेकिन इस साल आप ये एक चीज तो फिक्स कर सकते हैं। अगर आप लंबी अवधि के निवेश और अपने रिटायरमेंट फंड की स्ट्रेटेजी लेकर चलें तो निवेश के लिए कई बढ़िया ऑप्शन हैं। इन ऑप्शन में आपको बेहतर रिटर्न देखने को मिल सकते हैं। वॉलेंटरी प्रोविडेंट फंड (वीपीएफ), क्विटी लिंक्ड सेंविग्स स्कीम (ईएलएसएस) या पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) में निवेश अच्छा मुनाफा दिला सकता है।

वॉलेंटरी प्रोविडेंट फंड

रिटायरमेंट के लिए वीपीएफ में निवेश एक बेहतर विकल्प हो सकता है। ईपीएफ में बेसिक सैलरी का सिर्फ 12 फीसदी ही कॉन्ट्रीब्यूट किया जा सकता है, लेकिन, वीपीएफ में निवेश करने की कोई सीमा नहीं होती। मतलब अगर कर्मचारी अपनी इन-हैंड सैलरी को कम रखकर भविष्य निधि में योगदान बढ़ाता है तो इस विकल्प को वीपीएफ कहते हैं। वीपीएफ में भी ईपीएफ के समान 8.15 फीसदी ब्याज दिया जा रहा है। ये स्कीम ईपीएफ का ही एक्सटेंशन है। इसे सिर्फ नौकरीपेशा ओपन कर सकते हैं। बेसिक सैलरी और डीए का 100 फीसदी इसमें निवेश किया जा सकता है।

वीपीएफ के लिए क्या करें?

आपको अपनी कंपनी के एचआर या फाइनेंस टीम से संपर्क करना होगा। वीपीएफ में कॉन्ट्रीब्यूशन की रिक्वेस्ट करनी होगी। प्रॉसेस होते ही आपके ईपीएएफ अकाउंट से वीपीएफ को जोड़ दिया जाएगा। वीपीएफ का अलग से कोई अकाउंट ओपन नहीं होता। वीपीएफ के योगदान को हर साल संशोधित किया जा सकता है। हालांकि, वीपीएफ में निवेश को लेकर एम्प्लॉयर बाध्य नहीं है। कर्मचारी सिर्फ अपना योगदान ही बढ़ा सकता है। अगर आप जॉब चेंज करते हैं तो इस अकाउंट को आसानी से ट्रांसफर कर सकते हैं। इस पर लोन भी मिलता है। बच्चों के एजुकेशन, होम लोन, बच्चों की शादी के लिए भी इससे लोन लिया जा सकता है। वीपीएफ खाते से रकम की आंशिक निकासी के लिए खाताधारक का 5 साल नौकरी करना जरूरी है। अगर 5 साल से कम है तो टैक्स कटता है। वीपीएफ की पूरी रकम केवल रिटायरमेंट पर ही निकाली जा सकती है। वीपीएफ पर आयकर कानून के सेक्शन 80सी के तहत टैक्स डिडक्शन का फायदा मिलता है। निवेश, ब्याज और मैच्योरिटी (ईईई) पर मिलने वाला पैसा पूरी तरह टैक्स फ्री है। ये स्कीम रिटायरमेंट के लिए काफी बढ़िया है।

इक्विटी लिंक्ड सेंविग्स स्कीम (ईएलएसएस)

देश में 42 म्यूचुअल फंड कंपनियां टैक्स सेविंग स्कीम चलाती हैं। हर कंपनी के पास इनकम टैक्स बचाने के लिए इक्विटी लिंक्ड सेंविग्स स्कीम (ईएलएसएस) है। इसे ऑनलाइन या किसी एजेंट से खरीदा जा सकता है। इनकम टैक्स बचाने के लिए वन टाइम इन्वेस्टमेंट लिमिट न्यूनतम 5 हजार रुपये है और हर महीने निवेश करना है तो न्यूनतम 500 रुपये महीने का निवेश शुरू कर सकते हैं। इसमें 1.5 लाख रुपये की अधिकतम टैक्स छूट ली जा सकती है, लेकिन अधिकतम निवेश की कोई सीमा नहीं है।

ब्याज नहीं, मार्केट लिंक्ड रिटर्न

स्कीम में 3 साल के लिए लॉक-इन रहता है। बाद में निवेशक चाहे तो पैसा निकाल सकता है। 3 साल के बाद चाहें तो पूरा निकाला जा सकता है। आंशिक निकासी का भी ऑप्शन होता है। बाकी पैसा आप जब तक चाहें स्कीम में पड़ा रहने दे सकते हैं। ईएलएसएस की खास बात है कि इसमें निवेश पर ब्याज की जगह मार्केट लिंक्ड रिटर्न मिलता है।

पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ)

पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) इस स्कीम को बैंक या पोस्ट ऑफिस में कहीं भी खोला जा सकता है। किसी भी बैंक या पोस्ट ऑफिस में ट्रांसफर भी किया जा सकता है। इसे खोलने के लिए सिर्फ 500 रुपये काफी हैं। हर साल 500 रुपये एक बार में जमा करना जरूरी है। अकाउंट में हर साल अधिकतम 1.5 लाख रुपये जमा किए जा सकते हैं। यह स्कीम 15 साल के लिए है, जिससे बीच में पैसा नहीं निकला जा सकता है, लेकिन, इसे 15 साल के बाद 5-5 साल के लिए बढ़ाया जा सकता है।

जैसे-जैसे 22 जनवरी को होने जा रही रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दिन करीब आ रहे हैं, देश में सियासी पारा गर्म होता जा रहा है। कांग्रेस ने आधे अधूरे मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा और धर्म को निजी मामला बता कर आमंत्रण को ठुकरा दिया है और अयोध्या में आयोजित कार्यक्रम में शरीक होने से इनकार कर दिया है। राजनीतिक जानकार इसे कांग्रेस की तुष्टिकरण राजनीति मान रहे हैं। कांग्रेस के इस फैसले पर जहां सोशल मीडिया में # हिंदू विरोधी काफी ट्रेंड हो रहा है, वहीं भाजपा उस पर हमलावर है। कांग्रेस के समय ही राम जन्म भूमि प्रांगण का ताला खुला था, अयोध्या में राम जन्म भूमि पर फैसला सुप्रीम कोर्ट ने दिया था, रामलला के मंदिर का निर्माण ट्रस्ट जनसहयोग से कर रहा है, इसके बावजूद कांग्रेस इसे भाजपा व संघ का कार्यक्रम बता रही है। क्या कांग्रेस 22 को अयोध्या इसलिए नहीं जाना चाहती है क्योंकि उसे अल्पसंख्यक वोट खोने का डर है, क्या उसे बहुसंख्यक की भावना का कद्र नहीं है? इन तमाम राजनीतिक पहलुओं का विश्लेषण करता आजकल का यह अंक...

बहिष्कार की सियासत से किन्हें तुष्ट कर रही कांग्रेस

राम मंदिर
सुशील राजेश
वरिष्ठ पत्रकार

कांग्रेस के शीर्षस्थ नेताओं के लिए राम मंदिर समारोह 'अधूरे मंदिर की सियासत' है, लेकिन उप्र कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के साथ जो 50 कांग्रेसी नेता मकर संक्रान्ति के अगले ही दिन अयोध्या की सरयू नदी में डुबकी लगाने और फिर 'राम लला' की पुरानी प्रतिमा के दर्शन करने जा रहे हैं, उनके रामवाद और हिन्दुत्व की परिभाषा क्या है? कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने भी बयान दिया है कि वह 22 जनवरी के बाद अयोध्या जाएंगे और प्रभु राम के दर्शन करेंगे। उसका फोटो भी सोशल मीडिया पर डालेंगे। पूर्व मुख्यमंत्रियों-कमलनाथ और अशोक गहलोत-ने भी सुविधा के मुताबिक अयोध्या जाने की बात कही है। सवाल है कि कांग्रेस में राम मंदिर को लेकर ऐसा विरोधाभास और द्वन्द्व क्यों है?

अयोध्या के श्रीराम मंदिर और गुजरात के सोमनाथ मंदिर में कुछ समानताएं हैं। तब सोमनाथ मंदिर का उद्घाटन करने देश के प्रथम राष्ट्रपति राजेन्द्र प्रसाद और प्रथम गृहमंत्री सरदार पटेल गए थे। प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू इसके पक्षधर नहीं थे कि राष्ट्रपति मंदिर का उद्घाटन करें और सोमनाथ मंदिर को इतना भव्य, दिव्य बनाया जाए। राष्ट्रपति और गृहमंत्री ने अपनी हिन्दूवादी भावनाओं का हवाला दिया और मंदिर का उद्घाटन किया। अब अयोध्या में राम मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'यजमान' के रूप में उपस्थित होंगे। प्रभु राम के नेत्रों में काजल सजाने से लेकर 56 भोग परोसने तक प्रधानमंत्री की भूमिका रहेगी। प्रधानमंत्री सभी विधि-विधान निभाएंगे। प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस समेत कई दलों के नेताओं ने समारोह का बहिष्कार किया है। यह राम मंदिर का नहीं, भारतीय संस्कृति का भी नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी और संघ परिवार की सियासत का विरोध है। यह विपक्ष की सद्भावना और सोच ही है। कांग्रेस में तो बहिष्कार की पारिवारिक परंपरा रही है। नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी तो देश के प्रधानमंत्री रहे, लेकिन अयोध्या के राम मंदिर में कभी भी झांक कर नहीं देखा। सोनिया गांधी और राहुल गांधी कांग्रेस अध्यक्ष तथा उप्र से सांसद रहे, लेकिन अयोध्या के राम मंदिर का विरोध करते रहे। कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के दौरान पार्टी ने श्रीराम को 'काल्पनिक' माना और 'राम-सेतु' के खिलाफ हलफनामा सर्वोच्च अदालत में दिया। कांग्रेसी 'चुनावी हिन्दू' हैं, अलबत्ता वे तो खुद को 'मुस्लिम पार्टी' मानते रहे हैं। उनसे राम मंदिर में आने की अपेक्षा क्यों और कैसे की जानी चाहिए? चाहे आमंत्रित हों।

कांग्रेस के भीतर विरोधाभास व द्वंद्व क्यों

राम मंदिर तीर्थ क्षेत्र न्यास ने सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, अधीर रंजन चौधरी आदि को आमंत्रण भेजा है। कांग्रेस ने धर्म को 'निजी मामला' मानते हुए आमंत्रण को अस्वीकार कर दिया। कांग्रेस की आरोपिया दलीलें भी हैं कि श्रीराम के 'अधूरे मंदिर' का उद्घाटन किया जा रहा है, जो अशुभ माना जाता है। दिग्विजय सिंह सरीखे कांग्रेसी तो धर्माचार्य भी हो गए हैं। कांग्रेस ने इसे आरएसएस-भाजपा का कार्यक्रम माना है और ऐसा 'राजनीतिक लाभ' के लिए किया जा रहा है। कांग्रेस ने शंकराचार्यों द्वारा भी आमंत्रण अस्वीकार करने की आड़ ली है, जो 'अर्द्धसत्य' है। शंकराचार्य विजयेन्द्र सरस्वती की टीम प्राण-प्रतिष्ठा की प्रक्रिया का एक हिस्सा है। इसके अलावा, दो शंकराचार्यों ने अपनी स्वीकृति भेजी है कि वे 22 जनवरी के पावन कार्यक्रम में शामिल होंगे। शेष दो शंकराचार्यों के अपने कोई कारण होंगे, लेकिन किसी भी शंकराचार्य ने प्रभु राम की प्राण-प्रतिष्ठा को खारिज नहीं किया है। कांग्रेस ऐसी 'ओछी राजनीति' न करे और शंकराचार्यों को किसी राजनीतिक विवाद में घसीटना नहीं चाहिए। वे आध्यात्म और दर्शन के शिखर-पुरुष हैं। वे वहीं काम करें। कांग्रेस के शीर्षस्थ नेताओं के लिए राम मंदिर समारोह 'अधूरे मंदिर की सियासत' है, लेकिन उप्र कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के साथ जो 50 कांग्रेसी नेता मकर संक्रान्ति के अगले ही दिन अयोध्या की सरयू नदी में डुबकी लगाने और फिर 'राम लला' की पुरानी प्रतिमा के दर्शन करने जा रहे हैं, उनके रामवाद और हिन्दुत्व की परिभाषा क्या है? कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने भी बयान दिया है कि वह 22 जनवरी के बाद अयोध्या जाएंगे और प्रभु राम के दर्शन करेंगे। उसका फोटो भी सोशल मीडिया पर डालेंगे। हिमाचल के कांग्रेसी मंत्री विक्रमादित्य सिंह भी अयोध्या के समारोह में शामिल होंगे। पूर्व मुख्यमंत्रियों-कमलनाथ और अशोक गहलोत-ने भी सुविधा के मुताबिक अयोध्या जाने की बात कही है। सवाल है कि कांग्रेस में ऐसा विरोधाभास और द्वन्द्व क्यों है?

प्राण-प्रतिष्ठा संघ का कार्यक्रम नहीं

कांग्रेस ऐसे आध्यात्मिक और ऐतिहासिक समारोह का हिस्सा बने या राजनीतिक कारणों से बहिष्कार करे, यह उसकी सोच है। हालांकि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि राम में आस्था रखने वाले लोग आज भी, कल भी, परसों भी अयोध्या जा सकते हैं। हम किसी धर्म, गुरु और भगवान के खिलाफ नहीं हैं। दरअसल कांग्रेस हिन्दूवाद का विरोध भी करना चाहती है और ऐसा व्यक्त भी नहीं होने देना चाहती। यह उसका वैचारिक द्वन्द्व है, लेकिन 22 जनवरी का प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम संघ परिवार का ही नहीं है। अयोध्या में भव्य राम मंदिर बनना चाहिए, यह सर्वोच्च अदालत की पांच न्यायाधीशों की पीठ का निर्णय था। कांग्रेस ने भी उस फैसले को स्वीकार किया था। संविधान पीठ ने ही प्रधानमंत्री को निर्देश दिए थे कि वह मंदिर निर्माण के लिए एक ट्रस्ट का गठन करें। कैबिनेट में यह फैसला लिया गया और न्यास का गठन किया गया। यदि अयोध्या में भाजपा-विहिप के नेता और कार्यकर्ता सक्रिय दिख रहे हैं, तो उसमें क्या गलत है? संघ परिवार ने राम मंदिर के लिए बेहद लंबा संघर्ष किया है, आंदोलन में कारसेवकों ने कुर्बानियां दी हैं। यदि इतने व्यापक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और उनकी टीम शामिल नहीं होगी, तो आम बंदोबस्त से लेकर सुरक्षा-व्यवस्था तक की जिम्मेदारी किसकी होगी? कोई अनहोनी हो गई, तो जवाबदेही किसकी होगी? प्रशासन के लिए भाजपा को लोकतांत्रिक जनादेश मिला है। यदि कांग्रेस, सपा, तृणमूल, वामपंथी दलों, शरद पवार की एनसीपी, लालू के राजद और नीतीश कुमार आदि को समारोह का बहिष्कार करना है, तो कोई नई बात नहीं है, क्योंकि उनके निशाने पर पीएम मोदी हैं।

कांग्रेस का 'मुस्लिम तुष्टिकरण'

दरअसल बुनियादी कारण राजनीतिक है। यह तो स्पष्ट है कि अधिकतर उत्तरी भारत के राज्यों में कांग्रेस के पक्ष में 50 फीसदी तक मुस्लिम वोट आते रहे हैं। औसतन सबसे अधिक मुसलमान कांग्रेस को ही वोट देते हैं। यह कर्नाटक और तेलंगाना के चुनावों से भी स्पष्ट हो चुका है। आखिर 'मुस्लिम तुष्टिकरण' की निश्चित राजनीति को कांग्रेस कैसे गंवा सकती है? हिन्दुओं के वोट कांग्रेस के पक्ष में परंपरागत ही रह गए हैं। जहां भाजपा के साथ उसका सीधा चुनावी मुकाबला है, उन सीटों पर 70 फीसदी से अधिक हिन्दू भाजपा को ही वोट देते हैं। 2019 के आम चुनाव में अपर कास्ट हिन्दुओं के करीब 60 फीसदी, ओबीसी हिन्दुओं के करीब 55 फीसदी और आदिवासी-दलित हिन्दुओं के भी भरपूर वोट भाजपा के पक्ष में आए थे। चूंकि राम मंदिर का मुद्दा इतना बड़ा और सशक्त बन गया है कि बेशक हिन्दुओं के वोट भाजपा की झोली भर देंगे। कांग्रेस और विपक्ष के ज्यादातर बड़े नेता 'जालीदार टोपी' पहन कर इफ्तार पार्टियों में शिरकत करते रहे हैं, हालांकि वे मुसलमान नहीं हैं। यह भी सियासत का एक रंग है। तो फिर राम मंदिर का बहिष्कार क्या उन्हें 'धर्मनिरपेक्ष' बना देगा? यथार्थ यह है कि कांग्रेस सोच और सियासत के स्तर पर हिन्दू-विरोधी या राम-विरोधी नहीं है, कांग्रेसी भी मंदिरों में जाने और पूजा-पाठ करने का ढोंग रचते रहे हैं, लेकिन वे घोर मोदी-विरोधी हैं, लिहाजा उनके प्रत्येक सकारात्मक कदम का विरोध करना उनकी सियासी मजबूरी है। कांग्रेस के 'आदिपुरुष' महात्मा गांधी की दिनचर्या 'राम नाम' से ही शुरू होती थी। क्या वह 'संघी' या 'भाजपाई' थे?

सनातन ही हिंदुस्तान की सांस्कृतिक पहचान

अब देश के गांव-गांव, गली-मुहल्ले 'राममय' हो चुके हैं। प्रभु राम की प्राण-प्रतिष्ठा समारोह 'राष्ट्रोत्सव' के तौर पर घोषित हुआ है और मनाया भी जा रहा है। करीब 500 साल के विदेशी आक्रांताओं के कब्जे, संघर्षों, बलिदानों, गुलामी के बाद एक सांस्कृतिक स्वप्न, संकल्प साकार हो रहा है। राम सबके हैं और सभी राममय हैं। प्रभु राम अपनी नई अयोध्या में लौट रहे हैं और महलनुमा भव्य मंदिर में विराजमान होंगे। श्रीराम कण-कण में व्याप्त हैं और सनातन के प्रतीक हैं। सनातन ही हिन्दुस्तान की पहचान है। आसुरी तत्व त्रेता में भी थे और आज भी हैं। राम ही उनका उद्धार करेंगे। प्रभु राम प्रथम धर्मनिरपेक्ष और स्वीकारवादी भगवान हैं। राम ही सनातन संस्कृति के पूज्य 'आध्यात्मिक आदिपुरुष' हैं। ऐसा पहली बार हुआ है कि देश के प्रधानमंत्री ने 11 दिन का 'विशेष अनुष्ठान' आरंभ किया है। तपस्वियों और मनीषियों ने उन्हें कठोर यम-नियम सुझाए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि वह भावुक और भाव-विह्वल हैं। उनके लिए यह कल्पनातीत अनुभूतियों का समय है, जिन्हें वह 140 करोड़ भारतीयों के साथ साझा अनुभूत करना चाहते हैं। इस अवसर पर करोड़ों भारतीयों की दुआएं और ऊर्जा भी समन्वित होकर एक 'आत्मिक पुंज' का आकार लेंगी। उद्घाटन करने वाले नेता या सिर्फ वोट बटोरने की राजनीति करने वाले नेता इतने लंबे, कष्टकारक, निर्जल, व्रत वाले अनुष्ठान नहीं किया करते। क्या सोनिया-राहुल गांधी ने इसके अंश अनुष्ठान भी कभी किए हैं? कमोबेश राम मंदिर का मुद्दा ऐसा है, जिसका न तो विरोध और न ही बहिष्कार किया जाना चाहिए। आज मुसलमान भी खुद को 'राम के वंशज' मान रहे हैं। राम-भक्तों के लिए भंडारा आयोजित कर रहे हैं। आयोजनों पर फूल बरसा रहे हैं। राम तो ब्रह्मांड के प्रतीक हैं, लिहाजा अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी आदि गैर-हिन्दूवादी देश भी 'राममय' हो रहे हैं। अब सनातन के चिह्नों का पुनरोत्थान आरंभ हुआ है, तो यह अयोध्या के पार भी जाएगा। दरअसल ऐसे ही हिन्दूवादी प्रयास 'असली धर्मनिरपेक्षता' हैं। संविधान भी उन्हें स्वीकार करता है। कांग्रेस का जो भी तर्क हो।

विश्व में जिनका मुकाबला नहीं उनका नाम है जगतगुरु रामभद्राचार्य

शख्सियत
प्रभात झा
पूर्व सांसद एवं पूर्व भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

विश्व में लगभग एक अरब दिव्यांग हैं। इसी के अंतर्गत भारत में भी लगभग तीन करोड़ से अधिक दिव्यांगों की संख्या है। इन्हें पहले विकलांग कहा जाता था। नरेंद्र मोदी जब प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने 2 दिसम्बर 2015 को अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में शारीरिक रूप से अक्षम लोगों को 'दिव्यांग' नाम से संबोधित करने का निर्णय बताया। विश्व पटल पर जब दिव्यांगों के बारे में विचार करते हैं तो देखने में आता है कि ऑस्ट्रेलिया, अफ्रीका, जर्मनी, अमेरिका, ब्रिटेन सहित अनेक देशों में दिव्यांगों ने कहीं गणित तो कहीं भौतिकी, कहीं मीडिया, कहीं संगीत के क्षेत्र में असाधारण उपलब्धि हासिल की है। यहां तक कि एक दिव्यांग को कार्यक्षेत्र में 'नोबेल पुरस्कार' भी मिला।

लेकिन जब भारत में दिव्यांगों की चर्चा शुरू होती है तो एक ऐसे व्यक्तित्व का नाम उभरकर आता है जो न केवल 140 करोड़ भारतीयों के लिए बल्कि विश्व के करोड़ों लोगों के लिए भी एक आदर्श प्रस्तुत करते हैं। उनके जीवन से न केवल दिव्यांग, बल्कि करोड़ों सर्वांग व्यक्तियों को प्रेरणा मिलती है। भारत के उस व्यक्तित्व का नाम है जगतगुरु स्वामी रामभद्राचार्य। उनको कोई दृष्टि बाधित या दिव्यांग कहता है, तो कहते हैं कि मुझे यह अच्छा नहीं लगता। मैने अपनी इन्हीं आंखों से साक्षात भगवान मर्यादा पुरूषोत्तम के बाल्यकाल रूप को देखा है। 14 जनवरी 1950 को उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले के शांडिल्य खैर गांव में जन्मे, जिनका पूर्व में नाम डॉ. गिरिधर लाल मिश्र था, वे जन्म के दो माह बाद ही अपने दोनों आंखों की ज्योति खो चुके थे, लेकिन उन्होंने साहस नहीं खोया। 14 जनवरी से वे अयोध्या में नौ दिनों तक अमृत महोत्सव मनाएंगे।

पूज्य रामभद्राचार्य जी के जीवन के अतीत का जब अध्ययन करते हैं तो लगता है कि ईश्वर ने उन्हें साक्षात अपनी शक्ति प्रदान की है। उन्होंने जीवन में कभी भी ब्रेल लिपि का उपयोग नहीं किया। जब वे पांच वर्ष के हुए तो श्रीमदभगवत गीता और सात वर्ष की आयु में श्रीरामचरितमानस पूरी तरह से कंठस्थ कर लिया था। आरंभ से आचार्य (परास्नातक) तक सभी कक्षाओं में प्रथम श्रेणी एवं प्रथम स्थान प्राप्त किया। संपूर्णानंद संस्कृत विश्विद्यालय वाराणासी से शास्त्री तथा आचार्य में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। तदुपरांत पीएचडी शोध के बाद धर्म सम्राट स्वामी करपात्री जी के निर्देश पर रामानंद संप्रदाय में विरक्त दीक्षित होकर जगतगुरु रामभद्राचार्य के पद पर सर्वसम्मति से मूर्धाभिषेक हुए। ऐसे विलक्षण साहित्यकार जिनकी पुस्तकों का लोकार्पण देश के दो सबसे लोकप्रिय प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी तथा नरेंद्र मोदी ने किया। 240 ग्रंथों का प्रणयन जिसमें चार महाकाव्य सहित साहित्य के सभी विधाओं में रचनाएं रची गई। साहित्य के क्षेत्र में सबसे प्रतिष्ठित सम्मान साहित्य अकादमी से 2005 में सम्मानित किए गए।

19 नवम्बर 1992 को चित्रकूट मध्य प्रदेश में श्रीतुलसीपीठ की स्थापना रामभद्राचार्य जी द्वारा की गई। श्री तुलसी प्रज्ञाचक्षु दिव्यांग उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की स्थापना की गई। उसके बाद विश्व स्तर पर दिव्यांगों के लिए जगतगुरु रामभद्राचार्य ने विश्वविद्यालय की स्थापना की। यह विश्व का पहला दिव्यांग विश्वविद्यालय है, जहां से अब तक पांच हजार से अधिक विद्यार्थी अध्ययन कर देश के खासकर उत्तर प्रदेश के अनेक उच्च स्थानों पर पदस्थ हैं। विकलांग विश्वविद्यालय की स्थापना 2001 में की गई। इसके पश्चात श्री गीता ज्ञान मन्दिर राजकोट गुजरात की स्थापना भी उनके द्वारा की गई। वशिष्ठ अयनम हरिद्वार उत्तराखण्ड की स्थापना भी उनके द्वारा की गई। साहित्य तथा सामाजिक योगदान के लिए भारत सरकार द्वारा 2015 में उन्हें पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। जगतगुरु रामभद्राचार्य विकलांग विश्वविद्यालय के वे जीवनपर्यंत कुलाधिपति बने रहेंगे। भारत सरकार के स्वच्छता अभियान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उन्हें नौ रत्नों में शामिल किया गया।

भौतिक नेत्र न होते हुए भी, ब्रेल लिपि के बिना उपयोग के अब तक वे 1275 से अधिक श्रीरामचरितमानस पर कथा प्रवचन कर चुके हैं और श्रीमद्भागवत पर 1115 से अधिक कथा वाचन अभी तक कर चुके हैं। धारा प्रवाह संस्कृत संभाषण में विश्व में उनका कोई जोड़ नहीं है। वे एक घंटे में 100 श्लोक बनाने की क्षमता रखते हैं। दर्शनए काव्य एवं लेखन अप्रतिहर्त गति उन्हें प्रदान है। तत्काल समस्या पूर्ति पर संस्कृत, हिंदी आदि भाषाओं में वे श्लोक एवं अन्य विधा रच लेते हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ न्यूयॉर्क में आयोजित विश्व शांति शिखर सम्मेलन में सोलह मिनट का उनका ऐतिहासिक भाषण संपन्न हुआ था। वे 22 भाषाओं के ज्ञाता हैं। विश्व में अनेक राष्ट्रों में उनकी कथाएँ संपन्न हुई हैं। भारतीय वांगमय के लगभग डेढ़ लाख पृष्ठ वे लिख चुके हैं। उनके मस्तिष्क में डेढ़ लाख से अधिक श्लोक रचा-बसा हुआ है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा शैक्षिक विषय में शोध करने की उन्हें अनुमति प्रदान की गई है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट में जब रामजन्मभूमि मामले पर बहस चल रही थी, तो मुस्लिम पक्ष ने ये सवाल खड़ा किया कि अगर बाबर ने राममंदिर तोड़ा तो तुलसीदास ने जिक्र क्यों नहीं किया। हिंदू पक्ष के लिए संकट खड़ा हो गया, लेकिन तब संकट मोचन बने श्रीरामभद्राचार्य जी। उन्होंने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में 15 जुलाई 2003 को गवाही दी और तुलसीदास के दोहाशतक में लिखे उस दोहे को जज साहब को सुनाया, जिसमें बाबर के सेनापति मीर बाकी द्वारा राम मंदिर को तोड़ने की बात कही गई है। दोहा इस प्रकार है:

रामजन्म मंदिर महिं मंदिरहि तोरि मसीत बनाय।
जबहि बहु हिंदुन हते, तुलसी कीन्ही हाय।।
दल्यो मीर बाकी अवध, मंदिर राम समाज।
तुलसी रोवत हृदय अति, त्राहि त्राहि रघुराज।।

14 जनवरी से अयोध्या में स्वामी जी का अमृत महोत्सव प्रारंभ

इलाहाबाद हाईकोर्ट में जब रामजन्मभूमि मामले पर बहस चल रही थी, तो मुस्लिम पक्ष ने ये सवाल खड़ा किया कि अगर बाबर ने राममंदिर तोड़ा तो तुलसीदास ने जिक्र क्यों नहीं किया। हिंदू पक्ष के लिए संकट खड़ा हो गया, लेकिन तब संकट मोचन बने श्रीरामभद्राचार्य जी। उन्होंने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में 15 जुलाई 2003 को गवाही दी और तुलसीदास के दोहाशतक में लिखे उस दोहे को जज साहब को सुनाया, जिसमें बाबर के सेनापति मीर बाकी द्वारा राम मंदिर को तोड़ने की बात कही गई है। जगतगुरु स्वामी रामभद्राचार्य ने दृष्टि बाधित होने के बावजूद 75 वर्ष के अपने अमृतकाल में जो कुछ किया है, वह विश्व में भारत की संस्कृति एवं सांस्कृतिक जागरण के लिए अद्वितीय, अतुलनीय और अस्मरणीय है।

जगतगुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी बताते हैं कि अयोध्या में राम मंदिर होने के 437 प्रमाण न्यायालय को दिए गए हैं। वे प्राचीन ग्रंथों का उल्लेख करते हुए बताते हैं कि वाल्मीकि रामायण के बाल खंड के आठवें श्लोक से श्रीराम जन्म के बारे में जानकारी शुरू होती है। यह सटीक प्रमाण है। इसके बाद स्कंद पुराण में राम जन्म स्थान के बारे में बताया गया है। इसके मुताबिक राम जन्म स्थान से 300 धनुष की दूरी पर सरयू माता बह रही हैं। एक धनुष चार हाथ का होता है। आज भी यदि नापा जाए तो जन्म स्थान से सरयू नदी उतनी ही दूरी पर बहती दिखेगी। इसके पूर्व अथर्व वेद के दशम कांड के 31वें अनु वाक्य के द्वितीय मंत्र में स्पष्ट कहा गया है कि 8 चक्रों व नौ प्रमुख द्वार वाली श्री अयोध्या देवताओं की पुरी है। उसी अयोध्या में मंदिर महल है। उसमें परमात्मा स्वर्ग लोक से आए। रामभद्राचार्य जी बताते हैं कि वेद में भी श्रीरामजन्म का स्पष्ट प्रमाण है। ऋग्वेद के दशम मंडल में इसका प्रमाण है। रामचरितमानस में बहुत ही स्पष्ट लिखा है। तुलसी शतक में कहा गया है कि बाबर के सेनापति व दुष्ट यवनों ने राम जन्मभूमि के मंदिर को तोड़कर मस्जिद का ढांचा बनाया और बहुत से हिंदुओं को मार डाला। तुलसीदास जी ने तुलसी शतक में इस पर दुख भी प्रकट किया था। मंदिर तोड़े जाने के बाद भी हिंदू साधु रामलला की सेवा करते थे।

स्वामी रामभद्राचार्य जी ने प्रमाणों से इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीशों को चकित कर दिया कि श्री रामलला अयोध्या उसी विवादित स्थल पर विराजते हैं। उनके दिए गए तर्कों के तारतम्य में ही उच्चतम न्यायालय में भी बहस हुई तो अधिवक्ताओं ने उनके द्वारा प्रस्तुत तथ्यों को न्यायाधीशों के सामने प्रस्तुत किया। यह कहने में कोई संकोच नहीं कि श्रीरामजन्मभूमि पर ही अयोध्या में श्री रामलला विराजते हैं, के पक्ष में निर्णय लेने में रामभद्राचार्य जी की बहुत बड़ी भूमिका रही है। यह जगजाहिर है कि वे संकल्प के प्रति इतने दृढ़ रहते हैं कि उन्होंने वृंदावन में अनेक बार कथा की लेकिन भगवान बांके बिहारी के दर्शन करने नहीं गए। उन्होंने प्रण लिया है कि 'जब तक श्रीकृष्ण जन्मभूमि विवाद समाप्त नहीं होगा तब तक मैं वहां दर्शन करने नहीं जाऊंगा'।

बिहार के सीतामढ़ी जिले में शहर से तीन किलोमीटर दूरी पर स्थित पुनौराधाम मां जानकी (सीताजी प्राकट्यस्थल है, यह शास्त्रों के आधार पर सिद्ध किया जा चुका है। उन्होंने मुझे बुलाकर कहा कि 'मैं यहां पर तब तक जानकी नवमी में कथा करता रहूंगा जब तक यहां स्थित मन्दिर का जीर्णोद्धार नहीं होगा और यह धार्मिक पर्यटन स्थल नही बन जाएगा।' उनके कहने पर मैंने राज्यसभा में यह विषय उठाया। विश्व के सामने यह बात पहली बार आई कि जगत जननी मां मिथलेश्वरी का प्राकट्यस्थल पुनौराधाम है। स्वतंत्रता के बाद पहली बार यह हुआ कि गुरुजी और मेरे आग्रह पर बिहार के तत्कालीन राज्यपाल डॉ. रामनाथ कोविंद, जो बाद में देश के राष्ट्रपति बने, तथा जानकी नवमी पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पुनौराधाम पधारे थे। गुरुजी एवं सीतामढ़ीवासियों सहित मिथिला सहित विश्व के एक-एक व्यक्ति के मन में यह गर्व है कि 22 जनवरी को अयोध्या में भगवान श्रीरामलला की प्राणप्रतिष्ठा होने जा रही है। लेकिन करोड़ों मिथिलावासियों और देशवासियों के मन में यह विचार अभी तक बना हुआ है कि मां सीता प्राकट्यस्थल का जीर्णोद्धार वृहद रूप से कब प्रारम्भ होगा और अयोध्या धाम की तरह कब पुनौराधाम कब बनेगा? गुरु जी अक्सर कहते हैं कि ' बिना राम के सीता नहीं और बिना सीता के राम नहीं'। पीएम मोदी भी कभी जय श्रीराम नहीं कहते बल्कि वे कहते हैं जय सियाराम।

सीया राममय सब जग जानी।
करउँ प्रनाम जोरि जुग पानी।।
जानि कृपाकर किंकर मोहू।
सब मिलि करहु छाड़ि छल छोहू।।

जगतगुरु स्वामी रामभद्राचार्य विश्व में न केवल दिव्यांगों की, बल्कि करोड़ों लोगों के आराध्य हैं। इसलिए आराध्य हैं कि दृष्टि बाधित होने के बावजूद जो उन्होंने 75 वर्ष के अपने अमृतकाल में जो कुछ किया है, वह विश्व में भारत की संस्कृति एवं सांस्कृतिक जागरण के लिए अद्वितीय, अतुलनीय और अस्मरणीय है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 27 अक्टूबर 2023 को जब चित्रकूट पहुंचे, तो उन्होंने कहा कि 'रामभद्राचार्य जी हमारे भारत राष्ट्र के धरोहर हैं'।

आंदोलन को सिरे चढ़ाने वालों को भी हमें याद रखना होगा

राम मंदिर
मनोज कुमार अग्रवाल
वरिष्ठ पत्रकार

अयोध्या में भव्य राम मंदिर बनने की यात्रा बिल्कुल आसान नहीं थी। विवाद हुए। हिंसा हुई। कारसेवकों की जानें गईं। पांच सदी लंबे संघर्ष में हजारों नाम अनाम रामभक्तों ने सिर्फ जन्मभूमि स्थान के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। आखिरकार आस्था की जीत हुई और अदालत ने राम मंदिर के पक्ष में फैसला सुनाया।

राम मंदिर आंदोलन को 1990 के दशक में भाजपा ने अपना समर्थन दिया और भाजपा के राष्ट्रीय नेताओं कार्यकताओं ने रामजन्म मुक्ति आंदोलन को सफल बनाने के लिए सक्रिय योगदान किया। इस समूचे आंदोलन में कुछ ऐसे चेहरे हैं जिनके योगदान को भुला पाना सम्भव नहीं। मंदिर निर्माण आंदोलन चलाने के लिए जनसमर्थन जुटाने में अशोक सिंघल की अहम भूमिका रही। कई लोगों की नजरों में वह राम मंदिर आंदोलन के 'चीफ़ आर्किटेक्ट' थे। लाल कृष्ण आडवाणी ने सोमनाथ से अयोध्या तक रथयात्रा शुरू की थी। हालांकि बिहार के तत्कालीन मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने समस्तीपुर ज़िले में उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। चार्जशीट के अनुसार, आडवाणी ने छह दिसंबर 1992 को कहा था, "आज कारसेवा का आख़िरी दिन है।" आडवाणी के ख़िलाफ़ विवादित ढांचा गिराने की साजिश का लम्बे समय तक आपराधिक मुक़दमा चला।

1992 में विवादित ढांचा विध्वंस के समय मुरली मनोहर जोशी आडवाणी के बाद बीजेपी के दूसरे बड़े नेता थे। छह दिसंबर 1992 को घटना के समय वह विवादित परिसर में मौजूद थे। गुंबद गिरने पर उमा भारती उनसे गले मिली थीं। इस समय वे बीजेपी के मार्गदर्शक मंडल में हैं। छह दिसंबर 1992 को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री कल्याण सिंह थे। उन पर आरोप था कि उनकी पुलिस और प्रशासन ने जान-बूझकर कारसेवकों को नहीं रोका। कल्याण सिंह का नाम उन 13 लोगों में शामिल था जिन पर विवादित ढांचा को गिराने की साज़िश करने का आरोप लगा था।

राम मंदिर आंदोलन के लिए 1984 में 'बजरंग दल' का गठन किया गया था और पहले अध्यक्ष के तौर पर उसकी कमान संघ ने विनय कटियार को दी थी। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने जन्मभूमि आंदोलन को आक्रामक बनाया। छह दिसंबर के बाद कटियार का राजनीतिक क़द तेजी से बढ़ा। बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव भी बने। वे फ़ैज़ाबाद (अयोध्या) लोकसभा सीट से तीन बार सांसद चुने गए।

विवादित ढांचा विध्वंस केस में साध्वी ऋतंभरा के ख़िलाफ़ आपराधिक साज़िश के आरोप तय किए गए थे। अयोध्या आंदोलन के दौरान उनके उग्र भाषणों के ऑडियो कैसेट पूरे देश में सुनाई दे रहे थे।

विश्व हिंदू परिषद के दूसरे नेता प्रवीण तोगड़िया राम मंदिर आंदोलन के वक्त काफी सक्रिय रहे थे। अशोक सिंहल के बाद विश्व हिंदू परिषद की कमान उन्हें ही सौंपी गई थी। हालांकि वीएचपी से अलग होकर उन्होंने अंतराष्ट्रीय हिंदू परिषद नाम का संगठन बनाया। प्रवीण तोगड़िया इन दिनों अलग-थलग पड़ गए हैं।

विष्णु हरि डालमिया विश्व हिन्दू परिषद के वरिष्ठ सदस्य थे और वह संगठन में कई पदों पर रहे। वह विवादित ढांचा ढहाए जाने के मामले में सह अभियुक्त भी थे। 16 जनवरी 2019 को दिल्ली में उनके आवास पर डालमिया का निधन हो गया।

कोलकाता के एक मारवाड़ी व्यापारी परिवार में जन्मे दो युवा भाई शरद कोठारी (23 साल) और राम कोठारी(20 साल) 30 अक्तूबर 1990 को कलकत्ता से अयोध्या कारसेवा में शामिल होने के लिए पहुंचे। 30 अक्तूबर को विवादित गुम्बद पर चढ़ कर भगवा ध्वज लहराने वालों में दोनों भाई प्रमुख थे। 2 नवंबर को पुनः कारसेवा के लिए आए युवाओं की अगुवाई कर रहे दोनों भाई पुलिस की गोलियों का शिकार बन कर राम मंदिर आंदोलन के लिए अपनी जान की आहुति दी। इन दोनों भाइयों का बलिदान भुला पाना संभव नहीं है। इन के माता पिता बहिनों ने जीवन के कई दशक उनके अभाव में बिताए हैं।

यूं तो यह सूची बहुत लंबी है, लेकिन श्रेय चाहे किसी को दिया जाए, एक बात बिल्कुल साफ़ है कि इसने राजनीतिक रूप से हाशिए पर रही बीजेपी को वो राजनीतिक समर्थन दिलाया, जिस पर सवार होकर बीजेपी केंद्र में पहले गठबंधन और फिर अपने बूते सरकार बनाने में सफल रही। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जन्मभूमि मंदिर के निर्माण व प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की अगुवाई कर रहे हैं। कई विरोधी दलों के नेताओं को यह अखर रहा है।

बंगाल में निर्वस्त्र कर 3 साधुओं को पीटा, अनुराग बोले- ममता सरकार ने बिगाड़ा माहौल

एजेंसी ▶▶ पुरुलिया/नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल के पुरुलिया में तीन साधुओं के साथ मारपीट की गई है। भीड़ ने साधुओं को निर्वस्त्र कर पीटा। ये उत्तर प्रदेश से पश्चिम बंगाल के मशहूर तीर्थ गंगासागर मेले के लिए जा रहे थे। साधु ने दो बेटों के साथ मकरसंक्राति पर गंगासागर जाने के लिए वाहन बुक किया था। साधु ने जिस तरह से रास्ते के बारे में पूछा, उससे कुछ लोगों को संदेह हुआ कि वे किडनैपर हैं, इसके बाद साधुओं के साथ मारपीट शुरू कर दी। सोशल मीडिया पर एक 30 सेकंड की फुटेज वायरल हो रही है जिसमें कथित तौर पर साधुओं के समूह को भीड़ की ओर से निर्वस्त्र कर उन पर हमला करते हुए देखा जा सकता है। इस मामले में 12 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुरुलिया पुलिस के अनुसार भाषा की समस्या को लेकर साधुओं और कुछ स्थानीय लड़कियों के बीच गलतफहमी हो गईझ इसके बाद लड़कियों ने भागना और चिल्लाना शुरू कर दिया। भीड़ इकट्ठा हो गई और साधुओं के साथ मारपीट की।

गंगासागर स्नान को जा रहे साधुओं पर पुरुलिया में मारपीट, पुलिस बनी रही मूकदर्शक

अनुराग ने कहा-बंगाल सरकार भ्रष्टाचारियों की पनाहगार

ममता बेनर्जी तुष्टिकरण की पराकाष्ठा

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा एवं खेल मामलों के मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर शनिवार को पश्चिम बंगाल प्रवास पर हैं। कोलकाता एयरपोर्ट पर पत्रकारों से ठाकुर ने विभिन्न राजनीतिक मुद्दों पर मीडिया के सवालों का भी जवाब दिया। ममता सरकार पर निशाना साधते हुए कहा किममता दीदी के राज मेंबंगाल की कानून व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। जो पैसा जनता की भलाई के लिए आता है उसे लूटने का पूरा प्रबंध यहां है। भ्रष्टाचार के मामलों में कार्रवाई करने आई ईडी की टीम पर भी यहां पथराव और मारपीट कर उनका सर फोड़ने का काम किया जाता है। बंगाल की सरकार भ्रष्टाचारियों की पनाहगार है। क्या ममता बेनर्जी ने अपने मंत्रियों, सांसदों और विधायकों को लूट की खुली छूट दे रखी है या यह लोग इनकी सुनते नहीं हैं? किसी पुलिस अधिकारी के ऊपर भी भ्रष्टाचार के आरोप लगते हैं तो ममता उसको बचाने सड़क पर उतर आती हैं। रेड होती है। करोड़ों रुपए बरामद होते हैं।

यहां केवल तुष्टिकरण का बोलबाला

ममता ने बंगाल में तुष्टिकरण की पराकाष्ठा खड़ी कर दी है। आज जब पूरे देश में राम नाम की गूंज है तब पश्चिम बंगाल में हिंदुओं को खुशियां भी नहीं मानने दिया जा रहा। यहां कर्फ्यू जैसी स्थिति लगा दी गई है। अब हिंदू साधुओं के साथ मारपीट और उनकी हत्या के प्रयास के मामले सामने आए हैं। लगातार मीडिया में खबर चलाने के बाद अब जाकर कार्रवाई हुई है।

खबर संक्षेप

ईडी ने सीएम हेमंत को आठवीं बार किया तलब

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने कथित भूमि घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सीएम हेमंत सोरेन को एक बार फिर तलब किया है। ईडी ने हेमंत सोरेन को पत्र भेजकर हाजिर होने के लिए नई डेड लाइन दे दी है। एजेंसी ने पूछा है कि वे समन के बावजूद क्यों हाजिर नहीं हो रहे हैं। 16 से 20 जनवरी के बीच दफ्तर में बयान दर्ज कराएं।

अब सीएम भजनलाल से मिले डॉ. लक्ष्यराज

उदयपुर। मेवाड़ के पूर्व राजपरिवार के सदस्य एवं महाराणा प्रताप के वंशज डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने शनिवार को प्रदेश के सीएम भजनलाल शर्मा से जयपुर में भेंट की। डॉ. लक्ष्यराज ने भजनलाल को महाराणा प्रताप की युद्ध स्थली हल्दीघाटी की महान माटी और पुष्पगुच्छ भेंट किए। सिंह ने सीएम को मेवाड़ आने का आमंत्रण दिया।

सीईओ ने खरीदा 116 करोड़ रुपए का घर

मुंबई। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में महंगे घरों की खरीद-बिक्री लगातार होती रहती है। अब जानकारी सामने आई है कि मैसों सिआ की सीईओ वर्तिका गुप्ता ने लगभग 116 करोड़ रुपए का घर खरीदा है। यह ओबरॉय श्री सिक्सटी वेस्ट में खरीदा गया है, जो मुंबई के पॉश इलाके वर्ली में स्थित है। बताया जा रहा है कि इस साल की यह सबसे बड़ी डील है।

लाइव टीवी शो में बोलते गिरे प्रोफेसर, मौत

तिरुवनंतपुरम। केरल में दूरदर्शन के कृषि दर्शन कार्यक्रम में लाइव टीवी शो के दौरान प्रोफेसर अनी एस दास की मौत हो गई। वे कार्यक्रम में सवालों के जवाब दे रहे थे कि बोलते-बोलते कुर्सी पर लुढ़क गए और उनकी मौत हो गई। उनकी उम्र 59 वर्ष थी। आनन फानन उन्हें अस्पताल भी ले जाया गया, लेकिन इस दौरान उनकी जान नहीं बताई जा सकी।

वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट में गृहमंत्री शाह ने कहा

मोदी के नेतृत्व में भारत बनेगा तीसरी 'सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था' वाला देश

एजेंसी ▶▶ गांधीनगर

गृहमंत्री अमित शाह ने गुजरात के गांधीनगर में आयोजित तीन दिवसीय वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट के सफलतापूर्वक समापन की घोषणा की।इस दौरान उन्होंने पिछले दो दशकों में गुजरात में हुए बदलावों का उल्लेख किया। इस अवसर पर पीएम नरेंद्र मोदी के किए गए प्रगति के कामों का भी उल्लेख किया

गृहमंत्री अमित शाह ने गुजरात के गांधीनगर में आयोजित तीन दिवसीय वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट के सफलतापूर्वक समापन की घोषणा की। इस दौरान उन्होंने पिछले दो दशकों में गुजरात में हुए बदलावों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वाइब्रेंट गुजरात शिखर सम्मेलन की दूरदर्शी शुरुआत ने राज्य में विकास के सपने को साकार करने में अहम भूमिका निभाई है।

उन्होंने कहा कि भारत उत्पादन और निवेश के लिहाज से दुनिया का सबसे अच्छा स्थान है जबकि गुजरात देश के भीतर सबसे पसंदीदा स्थान के रूप में सामने आया है। समापन समारोह के दौरान सीएम भूपेन्द्र पटेल, केंद्रीय मत्स्यपालन, पशुपालन मंत्री परषोत्तम रूपाला, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थित रही। उन्होंने भरोसा जताया कि पीएम मोदी के नेतृत्व में उनके तीसरे कार्यकाल के दौरान भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर उभरेगा।

शाह ने गांधीनगर में वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट के समापन की घोषणा की

- विकास के सपने को साकार करने में अहम भूमिका निभाई
- पीएम मोदी ने दुनिया के सामने प्रगति का मॉडल पेश किया

विकसित भारत के लिए पीएम की अहम भूमिका

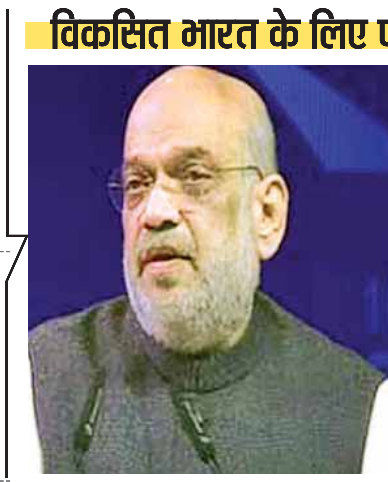

शाह ने नए विचारों और रणनीतिक निवेशों के जरिए राज्य और देश की अर्थव्यवस्था दोनों को मजबूत बनाने वाइब्रेंट गुजरात शिखर सम्मेलन के अहम योगदान को स्वीकार करते हुए कहा कि गुजरात को एक नीति-संचालित राज्य में बदलने में, राज्य के विकास को बढ़ावा देने के लिए वैश्विक निवेशकों को आकर्षित करने में पीएम मोदी की अहम भूमिका रही। शाह ने कहा कि वे गुजरात को एक विकसित भारत के प्रवेश द्वार के रूप में देखते हैं और दो दशक पहले शुरू की गई इस पहल की गति को बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया।

'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' पर भी डाला प्रकाश

शाह ने जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान भारत के नारे, 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' की गूंज पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्राचीन वैदिक मंत्र 'वसुधैव कुटुंबकम' दुनिया के लिए एक मार्गदर्शक सिद्धांत बन गया है, जिसने भारत को एक वैश्विक मित्र के रूप में स्थापित किया है। शाह ने विवेकाननंद जयंती के अवसर पर याद करते हुए कहा भारत के आत्मविश्वास में स्वामी जी का बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा आत्मविश्वास से भरे युवा एक महान भारत की नींव रख रहे हैं।

भारत दुनिया की शीर्ष पांचवीं अर्थव्यवस्था में शामिल

पीएम मोदी द्वारा बनाई गई नीति-संचालित राज्य की संस्कृति की प्रशंसा करते हुए शाह ने भरोसा जताया कि दुनिया भर के निवेशक निवेश के लिए गुजरात और भारत को पसंद करेंगे। उन्होंने पीएम के बुनयादी ढांचे में बदलाव के महत्व पर जोर देकर कहा कि ये सुधार भारत में चल रहे आर्थिक परिवर्तन की आधारशिला बन गए हैं। 9 वर्षों में सभ्रष्टाचार मुक्त शासन के जरिए विश्व स्तर पर शीर्ष 5वीं अर्थव्यवस्था में शामिल होने तक की यात्रा पर प्रकाश डाला।

निवेशकों को ग्रीन हाइड्रोजन ट्रांजिशन के लिए किया प्रोत्साहित

भविष्य के आर्थिक क्षेत्रों में भारत की अग्रणी भूमिका पर जोर देते हुए शाह ने विद्युत वाहनों, बैटरी, हरित विकास, जैव ईंधन, इथेनॉल, अंतरिक्ष अन्वेषण और डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे का उल्लेख किया। उन्होंने इन प्रगतियों के लिए अनुकूल माहौल बनाने के लिए पीएम मोदी के मार्गदर्शन की सराहना की। भारत को शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में वैश्विक नेता बनाने की प्रधानमंत्री मोदी की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। शाह ने उद्योगपतियों और निवेशकों को ग्रीन हाइड्रोजन ट्रांजिशन कार्यक्रम के लिए रणनीतिक हस्तक्षेप और भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में विशाल संभावनाओं का उल्लेख किया।

सुप्रीम कोर्ट ने वकील को दिया आदेश

आप सभी जजों से बिना शर्त माफी मांगो, वर्ना कार्रवाई

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने एक वकील से सभी जजों से माफी मांगने को कहा। अदालत ने शुक्रवार को एक वकील को उन न्यायाधीशों से बिना शर्त माफी मांगने को कहा, जिन्हें उसने निशाना बनाया था। वकील को दिल्ली हाई कोर्ट और राजधानी की जिला अदालतों के कई न्यायाधीशों के खिलाफ दुर्भावनापूर्ण, अवांछित और बेबुनियाद टिप्पणियां करने को लेकर आपराधिक अवमानना का दोषी ठहराया गया था। वकील को 6 महीने की कैद की सजा सुनाई थी। दिल्ली हाई कोर्ट ने 9 जनवरी को वकील को अदालत की अवमानना का दोषी ठहराया था और 6 महीने कैद की सजा सुनाई थी, साथ ही 2000 का जुर्माना भी लगाया था। हाई कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया था कि संबंधित वकील को हिरासत में लिया जाए और उसे तिहाड़ जेल अधीक्षक को सौंप दिया जाए। सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली एक पीठ ने इस वकील की याचिका पर सुनवाई की।

वकील को दिया गया था माफी का मौका

सीजेआई चंद्रचूड़, जस्टिस जे बी परदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि हाई कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि वकील ने एक याचिका में जो अवमाननापूर्ण आरोप लगाए थे, उसे लेकर सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी वकील को माफी मांगने का एक अवसर दिया था लेकिन वकील ने कहा कि उसने जो भी आरोप लगाए थे, वह उन पर वह कायम है। आरोपी वकील का पक्ष रखते हुए एक वकील ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि याचिकाकर्ता माफी मांगने को तैयार है।

बिना शर्त माफी वाला हलफनामा दें

पीठ ने कहा कि हम निर्देश देते हैं कि याचिकाकर्ता अगर इतना ही इच्छुक है तो हाई कोर्ट और जिला न्यायपालिका के उन जजों के सामने बिना शर्त माफी वाला हलफनामा दे, जिनके खिलाफ उसने आरोप लगाए थे। पुलिस-प्रशासन याचिकाकर्ता को उन एक-एक जज के सामने पेश करने का इंतजाम करेगा जिनके सामने माफीनामा दिया जाना है। उच्चतम न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई 16 जनवरी के लिए तय की।

नीति आयोग और डब्ल्यूएफपी ने किया लॉन्च

श्री अन्न पर आधारित 'प्रेरक' कहानियां जागरुकता बढ़ाएंगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत सहित कई देशों के अनुभवों को प्रदर्शित करने वाली क्षेत्रीय कहानियों का एक संग्रह नई दिल्ली में लॉन्च किया गया। यह संग्रह दुनिया भर में बाजरा को अपनाने पर क्षमता निर्माण और सर्वोत्तम तरीकों को अपनाने के लिए प्रेरित करेगा। इस सार-संग्रह में श्री अन्न (बाजरा) जैसी पारंपरिक जलवायु वाली फसलों के बारे में सीखने और निवेश करने में प्रेरणादायक कहानियों के जरिए दुनिया को मोटे अनाजों को लेकर जागरूकता फैलाने में मदद करेगा। एशिया और अफ्रीका में श्री अन्न को महत्व देने के लिए यह पहल अच्छी प्रथाओं को अपनाने और आदान-प्रदान करने के सफल कार्यान्वयन का प्रतीक है। नीति आयोग के उपाध्यक्ष, सुमन बेरी ने कहा कि भारत ने बाजरा वर्ष 2023 के दौरान जलवायु लचीलापन, खाद्य सुरक्षा और छोटे किसानों, विशेषकर महिलाओं की आजीविका के लिए श्री अन्न या बाजरा को सफलतापूर्वक बढ़ावा दिया।

सीएम सरमा का कांग्रेस पर हमला

कांग्रेस 'बाबर' से प्रेम करती है नेहरू-राहुल मकबरे में जाते हैं

- अयोध्या न जाने के फैसले पर प्रतिक्रिया

एजेंसी ▶▶ गुवाहाटी

कांग्रेस ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल होने से इनकार करने के बाद असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने निशाना साधा है। सरमा ने शनिवार को कहा कि भगवान राम और बाबर के बीच कांग्रेस हमेशा बाद वाले को ही चुनेगी। इसलिए 22 जनवरी को कांग्रेस ने राम मंदिर अभिषेक कार्यक्रम में शामिल होने से मना करके अच्छा किया है। नहीं तो उनकी मौजूदगी कार्यक्रम को खराब कर देती। इससे पहले भी असम के मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा था कि उन्होंने अपने पिछले पापों को कम करने का अवसर खो दिया है। हिमंत ने कहा था कि पहले तो कांग्रेस नेताओं को इस कार्यक्रम में आमंत्रित नहीं किया जाना चाहिए था। हिमंत बिस्वा सरमा ने एक्स पर अफगानिस्तान के काबुल में बाबर के मकबरे पर राहुल गांधी की 2005 की एक तस्वीर भी साझा की।

मुंबई के डोंबिवली में ऊंची इमारत में आग

6 मंजिलें जलकर खाक हो गईं

मुंबई। मुंबई के डोंबिवली में एक ऊंची इमारत में भीषण आग लग गई और आग पर काबू पाने के लिए दमकल की कई गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। बचाव दल समय रहते सभी को बाहर निकालने में कामयाब रहे। आग लगने का कारण अभी भी पता नहीं चल पाया है। बताया जा रहा है कि आग शनिवार सुबह करीब 11 बजे लगी और 18वीं मंजिल तक फैल गई।

आईएनडीआईए गठबंधन में फिर तकरार आई सामने, प्रमुख पदों पर नियुक्ति पर फिर नहीं बनी बात

नीतीश का संयोजक पद से इनकार, भाजपा ने किया 'वार'

बिहार के सीएम बोले- अगर ऐसा है तो लालू को ही बना दीजिए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

इंडिया गठबंधन के संयोजक बनने से नीतीश कुमार ने इनकार कर दिया है। संयोजक पद के लिए नीतीश के इनकार के बाद कुछ दलों ने लालू के नाम का प्रस्ताव दिया। नीतीश ने कहा कि ऐसा है तो लालू जी को ही बना दीजिए ना। लालू यादव जी सबसे वरिष्ठ हैं तो उन्हें गठबंधन का संयोजक क्यों नहीं बनाया जाना चाहिए? नीतीश ने कहा कि कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी है इसलिए गठबंधन का चेयरमैन कांग्रेस के नेता को बनाना चाहिए। मैं गठबंधन के बिना भी विपक्ष की एकजुटता के लिए काम करूंगा।

टीएमसी बोली

बैठक के एजेंडे की जानकारी नहीं दी

ममता बेनर्जी के बैठक में शामिल न होने पर टीएमसी ने कहा कि उन्हें बैठक के लिए शॉर्ट नोटिस पर सूचना दी गई और साथ ही कांग्रेस ने बैठक के एजेंडे के बारे में भी कोई जानकारी नहीं दी। हाल के दिनों में यह दूसरी बार है जब टीएमसी ने कांग्रेस के साथ बैठक से इनकार किया है। मीडिया रिपोर्ट्स में कुछ और ही कहा जा रहा है।

बैठक में ये नेता हुए शामिल

बैठक में गठबंधन को मजबूत करने, सीट बंटवारे के लिए रणनीति बनाने और गठबंधन का संयोजक बनाने पर चर्चा हुई। यह बैठक वर्चुअली हुई, जिसमें 10 पार्टियों के नेता एमके स्टालिन, शरद पवार, डी राजा, उमर अब्दुल्ला, राहुल गांधी, सीताराम येचुरी, लालू यादव-तेजस्वी यादव और अरविंद केजरीवाल भी शामिल हुए।

अखिलेश रहे नदारद

हर परिस्थिति के लिए रहें तैयार

बैठक में समाजवादी पार्टी की तरफ से कोई शामिल नहीं हुआ। लखनऊ में सपाऑफिस में प्रवक्ताओं की बैठक में अखिलेश यादव ने कहा कि हमें किसी भी परिस्थिति के लिए तैयार रहना चाहिए। हमने गठबंधन में हमेशा सबका सम्मान किया। भाजपा के खिलाफ लड़ाई बड़ी है। हमारा संगठन सभी अस्सी लोकसभा सीटों पर मजबूत है।

कांग्रेस-टीएमसी में जंग तेज

ममता बेईमान और अहंकारी

पार्टियों के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर रस्साकशी चल रही है। बंगाल में टीएमसी कांग्रेस को दो सीटें दे रही है. इस बीच कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने बंगाल कीसीएम ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला है। मीडिया से बात करते हुए चौधरी ने ममता को अहंकार और बेईमान करार दिया है। नियुक्ति पर खींचातानी मची है।

पवार ने बताया क्या हुआ?

नीतीश संयोजक की जिम्मेदारी लें

एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने कहा कि मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में गठबंधन की एक बैठक हुई। हमारे बीच चर्चा हुई कि हम सभी जल्द से जल्द सीट शेयरिंग पर फैसला लेंगे। सुझाव दिया गया कि नीतीश को संयोजक के रूप में जिम्मेदारी लेनी चाहिए। सबसे पहले दिल्ली की सीटों पर चर्चा की जा सकती है।

अनुराग ने साधा निशाना

केजरीवाल भ्रष्टाचारियों के साथ

मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि जो लोग कभी कांग्रेस के भ्रष्टाचार और देश से भ्रष्टाचार हटाने की बात करते थे वे आज स्वयं भ्रष्टाचार के दलदल में डूबे हैं। आज उनके उपमुख्यमंत्री, मंत्री, सांसद सब जेल में हैं। किसी को बेल नहीं मिल रही। केजरीवाल ने सिर्फ भ्रष्टाचार और अराजकता फैलाई है। जब जांच होती है तो यह लोग भागने का काम करते हैं। इंडी एलाइंस पर कहा, आज घमंडियां गठबंधन का अहंकार सिर चढ़कर बोल रहा है। एक नेता दूसरे से बात नहीं करता। बंगाल में ही अधीर रंजन चौधरी कुछ और कहते हैं, ममता बेनर्जी कुछ और कहती हैं। इनके पास न नेता है, न नीति है, न नियत है।

गुंटूर करम ने की धमाकेदार ओपनिंग किया 94 करोड़ का कलेक्शन ...

मुंबई। फिल्म गुंटूर करम ने पहले ही दिन धमाकेदार ओपनिंग की। महेश बाबू और श्रीलीला स्टारर इस फिल्म में मीनाक्षी चौधरी, प्रकाश राज, राम्या कृष्णन, जयराम ने अहम किरदार निभाए हैं। वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने पहले ही दिन 94 करोड़ का बिजनेस किया है। रिपोर्ट के मुताबिक गुंटूर करम ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन में 41.3 करोड़ कमाए हैं।

ओटीटी पर गूंजी टाइगर-3 की दहाड़, 14 देशों में बनी नंबर-1

मुंबई। सलमान की फिल्म टाइगर 3 ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड सेट कर दिया है। ओटीटी पर भी फिल्म हिट साबित हो रही है। 7 जनवरी को ग्लोबल स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम पर टाइगर 3 रिलीज होने के बाद से सोशल मीडिया इसका सेंसेशन बढ़ गया है। रिलीज होने के कुछ ही दिनों के भीतर ओटीटी पर हिट हो गई है। टाइगर लोगों का मनोरंजन करने के लिए हमेशा मौजूद होगा।

मैरी क्रिसमस को मिली धीमी शुरुआत पहले दिन कमाए मात्र 2.55 करोड़ ...

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस कैटरीना कैफ और साउथ के फेमस एक्टर विजय सेतुपति की 'मैरी क्रिसमस' ने 12 जनवरी को सिनेमाघरों में दस्तक दे दी है। लेकिन फिल्म का जितना क्रेज देखा जा रहा था, कमाई उस हिसाब से कुछ कम है। रिपोर्ट के मुताबिक, मैरी क्रिसमस ने 2.55 करोड़ का कलेक्शन किया है। अब मेकर्स को वीकेंड से बहुत उम्मीदें हैं। हालांकि अब मेकर्स को शनिवार और रविवार से बहुत उम्मीदें हैं।

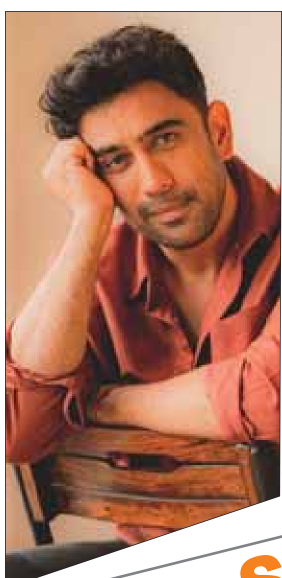

अमित साध पुणे हाईवे में आएंगे नजर...

मुंबई। अभिनेता अमित साध 'दुरंगा 2' में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद अपनी अगली बड़ी फिल्म के लिए तैयार हैं। इस बार, वह 2024 में आने वाली पुणे हाईवे नामक एक नई फिल्म में सभी का मनोरंजन करने को तैयार हैं। अमित ने विभिन्न फिल्मों में अपने शानदार प्रदर्शन से कई लोगों का दिल जीता है, और दुरंगा 2 में उनकी भूमिका ने उनकी सफलता में और इजाफा किया है। अब, प्रशंसक यह देखने के लिए उत्सुकता से इंतजार कर रहे हैं कि पुणे हाईवे में उनके लिए क्या नया आने वाला है। 2024 में फिल्मों को लेकर बेहद उत्साहित है और जो लोग फिल्मों को पसंद करते हैं वे इस विशेष फिल्म के आने का इंतजार कर रहे हैं।

लाइफ Style

राधिका

एयरोब्रिज में फंसने पर निकाली भड़ास

बॉलीवुड एक्ट्रेस राधिका आप्टे सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो और कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसको देखने के बाद अब फैंस घबराए हुए हैं। राधिका ने एक पोस्ट शेयर की कि वह अपनी उड़ान के सह-यात्रियों के साथ एक हवाई अड्डे पर एयरोब्रिज के अंदर बंद हो गई थीं।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

राधिका ने एयरोब्रिज में फंसने के बाद गुस्से में एक लंबा नोट लिखकर अपनी भड़ास निकाली है। राधिका ने लिखा, मुझे यह पोस्ट करना पड़ा! सुबह मेरी 8:30 बजे की फ्लाइट थी। अभी 10:50 हो गए हैं और फ्लाइट अभी तक बोर्ड नहीं हुई है, हमसे कहा कि हम बोर्डिंग कर रहे हैं और फिर सभी यात्रियों को एयरोब्रिज में डाल दिया और इसे बंद कर दिया! छोटे बच्चों, बुजुर्गों के साथ यात्रियों को एक घंटे से अधिक समय से बंद कर दिया गया है। सुरक्षा के दरवाजे नहीं खोले गए। कर्मचारियों को बिल्कुल भी पता नहीं है।

एक्ट्रेस ने आगे कहा कि जाहिर तौर पर उनके क्रू ने अभी बोर्ड नहीं किया है। क्रू बदला गया है और वो अभी भी नए क्रू का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन उन्हें कोई अंदाजा नहीं है कि वो कब आएंगे तो किसी को नहीं पता कि वो कितनी देर यहां बंद रहने वाले हैं। मैं छुपकर इनकी स्टुपिड फीमेल स्टाफ से बात करने में कामयाब रही, जो कहती रही कि कोई समस्या नहीं है और कोई देर नहीं होगी। अब मैं अंदर बंद हूं और उन्होंने बस हमें ये बताया है कि हम यहां दोपहर 12 बजे तक लॉक रहने वाले हैं।

हॉलीवुड मसाला

गाजा हादसे में हुए घायल

लॉस एंजेलिस। गाजा में इस्राइली सेना और हमास के बीच पिछले कई दिनों से लगातार युद्ध चल रहा है और इसमें कई लोगों की जान जा चुकी है। वहीं, अब हाल ही में इस वॉर में एक मशहूर एक्टर के साथ बड़ा हादसा हो गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, वेब सीरीज 'फौदा' के एक्टर और सिंगर इदान अमेदी लड़ाई के दौरान गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। इस खबर ने इदान के फैंस को चिंता में डाल दिया है। इदान अमेदी गाजा पट्टी के खान यूनिस में हमास आतंकवादियों के खिलाफ इस्राइली सेना के सैनिक के रूप में लड़ाई लड़ रहे थे।

न्यूयॉर्क की सड़कों पर डॉगी संग स्पॉट हुईं एमिली

लॉस एंजेलिस। हॉलीवुड स्टार एमिली एक बड़ी डॉग लवर हैं। वह अपने डॉगी पर बच्चों की तरह प्यार लुटाती हैं। बीते दिन एक्ट्रेस को न्यूयॉर्क शहर के वेस्ट विलेज में डॉगी कोलंबो संग सैर करते देखा गया। एक्ट्रेस के इस अंदाज में फैंस का दिल जीत लिया और उनकी ये तस्वीरें अब इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही हैं। लुक की बात करें तो इस दौरान ब्लैक जैकेट के साथ व्हाइट ट्राउजर पहने नजर आईं। इस लुक को उन्होंने व्हाइट शूज, रेड कैप और ब्लैक चश्मे के साथ कंप्लीट किया। अपने डॉगी के पट्टे को हाथ में पकड़े और हाथों को पॉकेट में डाले वह न्यूयॉर्क की सड़कों पर सैर करती दिखीं। कैमरे के सामने एक्ट्रेस ने कई जबरदस्त पोज दिए।

मिस्ट्री मैन का हाथ थामे हुईं स्पॉट

मुंबई। एक्ट्रेस कंगना रनौत ने अभी तक शादी नहीं रचाई है और न ही उन्होंने किसी के साथ रिलेशन में होने का खुलासा किया है। अब हाल ही में जब कंगना को मिस्ट्री मैन के साथ देखा गया तो उनके लिंकअप की खबरें सोशल मीडिया पर तूल पकड़ने लगीं। कंगना को किसी मिस्ट्री मैन के साथ हाथों में हाथ डाले स्पॉट किया गया, जिसकी तस्वीरों को लेकर कंगना खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। दरअसल, बॉलीवुड क्वीन कंगना को मुंबई में एक सैलून से बाहर निकलते देखा गया। इस दौरान वह मिस्ट्री मैन का कसकर हाथ थामे नजर आईं। इतना ही नहीं, इस मौके वह खूब ब्लश करती भी दिखीं। चेहरे पर काला चश्मा लगाए स्काई ब्लू कलर की ड्रेस में वह बेहद गॉर्जियस दिखीं। जबकि, उनके साथ नजर आया ये मिस्ट्री मैन एक विदेशी था।

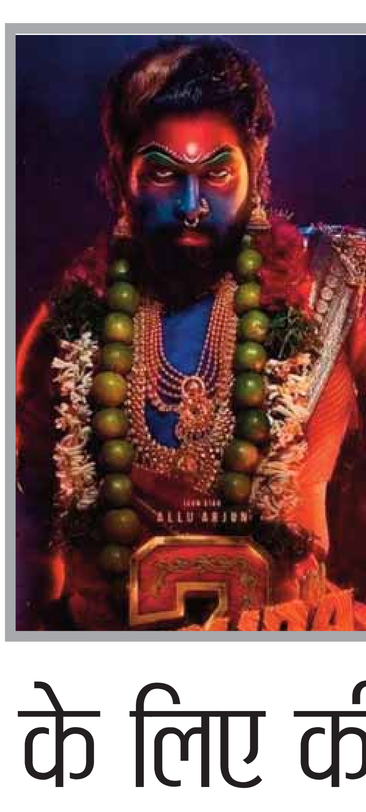

तय समय में रिलीज होगी पुष्पा-2

मुंबई। वर्ष 2024 की बहुप्रतीक्षित और बहुप्रचारित फिल्म पुष्पा-2 का दर्शकों को बड़ी बेसब्री से इंतजार है। इस फिल्म को लेकर पिछले कुछ समय से यह कहा जा रहा था कि यह फिल्म अपने तय समय 15 अगस्त को प्रदर्शित नहीं होगी। हालांकि फिल्म निर्माताओं ने इन समाचारों को पूरी तरह से निराधार बताया है और कहा है कि फिल्म अपने तय समय पर ही प्रदर्शित होगी। फिल्म की शूटिंग फुल स्पीड से चल रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, डायरेक्टर सुकुमार और अल्लू ने फैसला किया है मई 2024 तक शूटिंग खत्म करनी है। 100 दिनों का शूट अभी रहता है और टीम लगातार 5 महीने तक काम कर रही है ताकि फिल्म की शूटिंग जल्द खत्म हो। पुष्पा 2 के बाकी एक्टर्स ने भी अपनी सारी डेट्स सुकुमार को दी हुई हैं ताकि पुष्पा 2 की रिलीज में देरी ना हो।

टीवी मसाला

प्रियांशी और रोहित ने बताएं अपने मकर संक्रांति के प्लांस

मुंबई। मकर संक्रांति, जिसे अक्सर काइट फेस्टिवल भी कहा जाता है, पूरे जोश के साथ मनाया जाता है। लोग पतंग उड़ाकर वसंत के आने का जश्न मनाते हैं। इस साल इस शुभ अवसर पर टेलीविजन कलाकारों ने पतंग उड़ाने की अपनी यादें और अनुभव साझा किए। शो पंड्या स्टोर की

प्रियांशी यादव उर्फ नताशा बताती हैं, यह मकर सक्रांति त्योहार पतंग उड़ाने के लिए मशहूर है। मैं भी इसमें हिस्सा लेती थी, हालांकि मैं वास्तव में इसमें अच्छी नहीं हूं, लेकिन फिर भी मुझे ये करने में मजा आता है। इस साल, मैं इसे अपनी मां के साथ मनाने जा रही हूं, क्योंकि मैं शूटिंग करूंगी। मैं मंदिर जाऊंगी, अपनी मां के साथ पूजा करूंगी और आशीर्वाद लूंगी। मुझे पतंग उड़ाने में बहुत मजा आता है और मुझे आकाश को देखना बहुत पसंद है, क्योंकि जब भी मैं रेनबो रंग का आसमान देखती हूं तो मैं दीवानी हो जाती हूं। पंड्या स्टोर के रोहित चंदेल उर्फ धवल कहते हैं, मकर संक्रांति त्योहार के दौरान, मेरी मां तिल के लड्डू बनाती हैं और बचपन में मैं घरों में जाता था और उनका स्वागत लड्डू से करता था। मुझे पतंग उड़ाने में मजा आता है।

अभिनय के लिए की थी पिता से बगावत, निभाएं बेहतरीन किरदार

मुंबई। बॉलीवुड का हैंडसम हंक विनोद खन्ना के पिता कभी नहीं चाहते थे कि वह एक्टर बने लेकिन उन्होंने पिता से बगावत कर फिल्मों की ओर रुख किया और अपने किरदारों से उनका नाम रोशन किया। निगेटिव, एक्शन और रोमांटिक रोल निभाने वाले दिग्गज अभिनेता विनोद खन्ना को सुनील दत्त ने साल 1968 में आई फिल्म 'मन का मीत' से बतौर विलेन लांच किया था। इस फिल्म में विनोद खन्ना हीरो न होने के बाद भी अपनी पहचान बनाने में कामयाब हुए थे। अपने करियर की शुरुआत में उन्होंने कई फिल्मों में निगेटिव रोल निभाकर खूब वाहवाही लूटी।

पिता ने तान दी थी पिस्तौल

एक्टिंग की दुनिया में ऐसी जबरदस्त धाक जमाने वाले विनोद खन्ना के पिता बिल्कुल नहीं चाहते थे कि वह फिल्मी दुनिया में आए। उनके पिता एक बिजनेसमैन थे लेकिन जब विनोद ने बताया कि वह एक्टर बनने का सपना देख रहे हैं तो उनके पिता ने उनकी जमकर फटकार लगाई थी। इतना ही नहीं गुस्से में आकर उन्होंने विनोद खन्ना पर पिस्तौल भी तान दी थी। ये खुलासा खुद विनोद खन्ना ने अपने एक पुराने इंटरव्यू में किया था।

निभाया था डाकू का किरदार

विनोद खन्ना ने इस फिल्म के बाद धर्मेन्द्र की सुपरहिट फिल्म 'मेरा गांव मेरा देश' जो कि साल 1971 में आई थी, इस फिल्म में भयंकर डाकू का किरदार निभाया था। ये फिल्म उस दौर की बड़ी हिट साबित हुई थी। यहीं से उनके विलेन बनने का सफर शुरू हुआ और कई फिल्मों में वह बतौर विलेन ही नजर आने लगे। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस जबरदस्त प्रदर्शन किया था।

70 के दशक में किया राज

70 का दशक आते-आते तो विनोद खन्ना की गिनती इंडस्ट्री के बड़े सुपरस्टार्स में होने लगी थी। उस दौर की तकरीबन हर फिल्म में विनोद खन्ना का होना जैसा जरूरी हो गया था। उन्होंने कई मल्टीस्टारर फिल्मों में भी काम किया। लेकिन 80 के दशक तक वह एक्शन हीरो के तौर पर पहचाने जाने लगे थे। कई फिल्मों उनके एक्शन अवतार को खूब पसंद किया गया था। अपने करियर में विनोद खन्ना ने 1968 से 2013 तक तकरीबन 150 फिल्मों में काम किया। अपने हर किरदार से उन्होंने दर्शकों का दिल भी खूब जीता। लेकिन ज्यादातर उन्हें आज भी खलनायक बनकर निभाए किरदारों के लिए याद किया जाता है।

रकुल प्रीत ने बॉयफ्रेंड संग किए राम मंदिर प्रतिमूर्ति रथ के दर्शन

मुंबई। बॉलीवुड के गलियारों में इन दिनों एक और जोड़ी काफ खबरों में छाई है। ये कोई और नहीं बॉलीवुड की सुपर हॉट एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह और निर्माता जैकी भगनानी हैं। बी-टाउन में दोनों के प्यार के चर्चे खूब हो रहे हैं। वहीं, अब रकुल और जैकी खुलकर अपने प्यार का इजहार दुनिया के सामने करते भी दिख रहे हैं। सुनने में आ रहा है कि दोनों इसी साल शादी बंधन में बंधने वाले हैं। शादी की खबरों के बीच कपल ने हाल ही में मुंबई में राम मंदिर प्रतिकृति रथ के दर्शन किए, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें, तो रकुल प्रीत और जैकी दोनों अगले महीने 22 फरवरी को गोवा में सात फेरे लेंगे। ऐसे में अब शादी की खबरों के बीच दोनों को एक साथ राम मंदिर प्रतिकृति रथ के दर्शन किए। जैकी भगनानी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर रकुल प्रीत सिंह संग अपनी एक तस्वीर और वीडियो शेयर किया है। ये तस्वीरें मुंबई के राम मंदिर प्रतिकृति रथ की यात्रा के दौरान की है। इस दौरान, कपल हाथ जोड़कर प्रार्थना करते और भगवान श्री राम से आशीर्वाद लेते नजर आ रहे हैं।

मां, बेटी व पिता की हत्या में शामिल दुर्दांत नक्सली कमाण्डर मुठभेड़ में ढेर

नक्सली के खिलाफ हत्या, हत्या का प्रयास व अपहरण के कई मामले थे दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

बीजापुर जिले के गंगालूर थाना क्षेत्र में शुक्रवार को नक्सलियों के साथ हुए मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने दुर्दांत नक्सली तोया पोटाम को मार गिराया। पुलिस ने मौके से मारे गए नक्सली का शव के अलावा हथियार, विस्फोटक व अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री बरामद की है। आईजी सुंदरराज पी ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि थाना गंगालूर स्थित पुसनार के जंगल में पुलिस और माओवादियों के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ में 1 लाख का इनामी जनमिलिशिया कमाण्डर तोया पोटाम ऊर्फ सोमलू पिता बक्का (30), निवासी पुसनार थाना गंगालूर को ढेर कर मौके से हथियार, विस्फोटक व अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री बरामद की है। सुरक्षाबलों को सूचना मिली थी कि गुरूवार को गंगालूर क्षेत्र के पुसनार जंगलों में गंगालूर एरिया कमेटी सचिव दिनेश मोड़ियम एवं अन्य 20-25 सशस्त्र माओवादियों की मौजूदगी है। सूचना पर डीआरजी दंतेवाड़ा, डीआरजी बीजापुर एवं सीआरपीएफ 85 बटालियन की संयुक्त टीम माओवादी विरोधी अभियान पर निकली थी ।

मारे गए माओवादी के खिलाफ चार स्थायी वारंट

आईजी सुदंरराज पी ने बताया कि मुठभेड़ में ढेर माओवादी द्वारा थाना गंगालूर क्षेत्र के पुसनार निवासी एक ही परिवार के पिता को माह अप्रैल 2023 में हत्या करने के बाद मां व बेटी को माह अगस्त 2023 में अपहरण कर हत्या कर शव को नदी में बहा दिया गया था। मारे गये माओवादी के खिलाफ थाना गंगालूर में हत्या, हत्या का प्रयास, अपहरण की धाराओं में चार मामले दर्ज है, जो वर्तमान में विवेचना में लंबित है। इसके अलवा हत्या, पुलिस पार्टी पर हमला, विस्फोट आदि मामलों में न्यायालय द्वारा जारी 4 स्थाई वारंट लंबित है। मुठभेड़ के बाद इलाके में लगातार सर्चिंग जारी है।

3 से 4 माओवादी घायल

सर्च अभियान के दौरान शुक्रवार दोपहर पुसनार के जंगल में पुलिस और माओवादियों के बीच मुठभेड़ हुआ, जिसमें जनमिलिशिया कमाण्डर तोया पोटाम ऊर्फ सोमलू को मार गिराने में पुलिस को सफलता मिली। वहीं मुठभेड़ में 3-4 अन्य माओवादियों के घायल होने की संभावना है। आईजी ने बताया कि मारे गए माओवादी के खिलाफ छग शासन द्वारा एक लाख रुपए का इनाम घोषित था। वहीं उस पर आईजी की ओर से 30 हजार व एसपी बीजापुर की ओर से 10 हजार रुपए का इनाम घोषित था।

ब्रुनेई के राजकुमार ने की आम लड़की से शादी

1788 कमरों वाले आलीशान महल में जश्न

नई दिल्ली। एशिया के सबसे एलिजिबल बैचलर माने जाने वाले ब्रुनेई के राजकुमार अब्दुल मतीन ने शादी कर ली है। उन्होंने देश की राजधानी बंदार सेरी बेगावन में सोने के गुबंद वाले सुल्तान उमर अली सैफुद्दीन मस्जिद में गैर शाही परिवार से आने वाली एक साधारण लड़की से शादी की. शादी का भव्य कार्यक्रम 10 दिनों तक चलने वाला है और गुरुवार को शादी के बाद एक भव्य समारोह आयोजित किया गया जिसमें प्रिंस मतीन की आम लड़की से शादी को वैध करार दिया गया। 32 साल के प्रिंस मतीन की शादी 29 साल की अनीशा रोस्ना ईसा-कालेबिक से हुई है। दोनों का विवाह समारोह 16 जनवरी को समाप्त होगा। प्रिंस मतीन एक बेहतरीन पोलो खिलाड़ी हैं। साथ ही वो एक ट्रेंड हेलिकॉप्टर पायलट भी हैं। लड़कियों के बीच उनकी लोकप्रियता काफी ज्यादा है और इंस्टाग्राम पर उनके 25 लाख फॉलोवर्स हैं।

दुनिया का सबसे अमीर राजघराना

ब्रुनेई से शाही परिवार की कुल संपत्ति लगभग 28 अरब डॉलर है। प्रिंस मतीन के पिता सुल्तान हसनल बोलकिया का राजघराना दुनिया के सबसे अमीर राजघरानों में से एक है। शाही परिवार में प्रिंस मतीन से भी 6 लोग बड़े हैं जो सिंहासन के दावेदार हैं इसलिए पिता के बाद उनके राजा बनने की संभावना बेहद कम है। लेकिन अपने डैशिंग लुक के कारण वो सोशल मीडिया पर काफी लोकप्रिय हैं और इसलिए वो परिवार के सबसे हाई प्रोफाइल व्यक्ति बन गए हैं। मतीन की पत्नी ईसा-कालेबिक, सुल्तान के विशेष सलाहकार और रॉयल ब्रुनेई एयरलाइंस के संस्थापक अध्यक्ष की पोती हैं। ईसा-कालेबिक कथित तौर पर सिल्क कलेक्टिव नामक एक फैशन ब्रांड चलाती हैं। प्रिंस मतीन और इसा-कालेबिक ने कथित तौर पर सालों तक एक-दूसरे को डेट किया। पिछले साल अक्टूबर में दोनों ने अपनी सगाई की घोषणा की थी। प्रिंस मतीन की शादी 1,788 कमरों वाले आलीशान महल में हो रही है। रविवार को एक विशाल जुलूस भी निकाला गया था जिसमें आम जनता ने राजकुमार और राजकुमारी को अपनी शुभकामनाएं दीं. माना जा रहा है कि इस शादी में विश्व के राजघरानों से लोग और बड़े नेता शामिल हो सकते हैं।

2050 तक भारत का हर 5वां शख्स होगा बुजुर्ग

नई दिल्ली। भारत में 1 जुलाई 2022 तक 14.9 करोड़ (कुल आबादी का 10.5 प्रतिशत) आबादी बुजुर्ग थी। यहां 2050 में बुजुर्ग आबादी बढ़कर 34.7 करोड़ (कुल आबादी का 20.8 प्रतिशत) हो जाएगी। यानी 2050 में हर पांच में एक शख्स बुजुर्ग होगा। इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर पॉपुलेशन सांइसेस एंड यूनाइटेड नेशंस पॉपुलेशन फंड द्वारा प्रकाशित इंडिया एजिंग रिपोर्ट 2023 में यह जानकारियां दी गई हैं। जीवन प्रत्याशा में सुधार और प्रजनन दर में गिरावट के कारण दुनियाभर में आबादी की रूपरेखा बदल रही है। 60 वर्ष या इससे अधिक उम्र वाली आबादी को वृद्ध माना जाता है। दुनियाभर में ऐसी आबादी 2022 के 110 करोड़ के मुकाबले 2050 में लगभग दोगुनी 210 करोड़ हो जाएगी। इस अवधि में यह वृद्धि विकसित देशों में 26% से बढ़कर 34% होगी, जबकि कम विकसित देशों में 11.5% से बढ़कर 20% होगी। दूसरे शब्दों में कहें तो कम विकसित क्षेत्रों में बुजुर्ग आबादी 2022 में 77.2 करोड़ से बढ़कर 2050 में 170 करोड़ पहुंच जाएगी। 1950 में भारत की जीवन प्रत्याशा 35.21 थी और वर्ष 2100 में यह 81.96 प्रतिशत हो जाएगी।

देखभाल से बढ़ी जीवन प्रत्याशा

रिपोर्ट के अनुसार भारत में पिछले कुछ वर्षों में बढ़ी हुई चिकित्सा देखभाल, बेहतर आहार और स्वस्थ जीवन ने उच्च जीवन प्रत्याशा आंकड़ों में योगदान दिया है। लोगों को स्वच्छ पानी, एंटीबायोटिक्स और अधिक प्रचुर और पौष्टिक भोजन उपलब्ध है। लोग व्यायाम और स्वस्थ जीवनशैली के लाभों के बारे में भी अधिक जागरूक हैं।

एशिया और यूरोप में सबसे ज्यादा बुजुर्ग

एशिया और यूरोप दुनिया में सबसे ज्यादा बुजुर्ग आबादी का घर हैं। दक्षिणी यूरोप में क्रोएशिया, ग्रीस, इटली, माल्टा, पुर्तगाल, सर्बिया, स्लोवेनिया और स्पेन जैसे देश शामिल हैं, जहां 21% आबादी 65+ उम्र की है। चीन की 12% आबादी 65 वर्ष या उससे अधिक उम्र की है। संयुक्त राज्य अमेरिका में यह हिस्सेदारी 16% और भारत में 10.5% है।

रजत का शतक, सरफराज ने बनाए 96 रन

भारत 'ए' और इंग्लैंड लायन्स का अभ्यास मैच ड्रॉ

एजेंसी ▶▶| अहमदाबाद

रजत पाटीदार ने 111 रन की शानदार पारी खेली लेकिन सरफराज खान चार रन से शतक चूक गए जिससे भारत 'ए' और इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दो दिवसीय अभ्यास मैच में शनिवार को अपनी पहली पारी में बड़ी बढ़त के साथ मैच ड्रॉ कराया। इंग्लैंड लायंस के 233 रन के जवाब में भारत ए ने दूसरे दिन मैच की समाप्ति तक अपनी पहली पारी में आठ विकेट पर 462 रन बनाए। भारत ए की टीम इस समय 229 रन से आगे थी।

भारतीय टीम ने दिन की शुरुआत एक विकेट पर 123 रन की लेकिन उसने जल्द ही प्रदोष रंजन पॉल (21) का विकेट गंवा दिया। पाटीदार और सरफराज (96) ने इसके बाद तीसरे विकेट के लिए 80 रन की साझेदारी की। इस साझेदारी को कैलम पार्किंसन ने पाटीदार को आउट कर तोड़ा। सरफराज को इसके बाद कोना भरत (64) के साथ अच्छा साथ मिला और दोनों ने चौथे विकेट के लिए 121 रन की साझेदारी कर भारत को मजबूत बढ़त दिला दी। भारतीय टीम में जगह हासिल करने वाले ध्रुव जुरेल (50) ने इसके बाद मानव सुतार (26) के साथ छठे विकेट के लिए 57 रन जोड़कर टीम को 400 रन के करीब पहुंचाया।

टेस्ट में पारी का आगाज करना मेरे

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से टेस्ट क्रिकेट में पारी का आगाज करने के लिए तैयार स्टीव स्मिथ ने शनिवार को कहा कि यह उनके लिए नई भूमिका नहीं है क्योंकि वह तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते रहे हैं तथा उन्हें नई गेंद का सामना करने की चुनौती पसंद है। स्मिथ वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली टेस्ट श्रृंखला में डेविड वार्नर की जगह सलामी बल्लेबाज की भूमिका निभाएंगे। वार्नर ने इस महीने के शुरू में पाकिस्तान के खिलाफ अपना आखिरी टेस्ट मैच खेलकर खेल के इस प्रारूप से संन्यास ले लिया था। वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट मैच के लिए कैम बैनक्रॉफ्ट और मार्कस हैरिस को टीम में नहीं लिया गया है जबकि मैट रेनशॉ को रिजर्व खिलाड़ी चुना गया है। ऐसे में स्मिथ का उस्मान ख्वाजा के साथ पारी की शुरुआत करना तय है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान को लगता है कि मार्नस लाबुशेन के तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने के कारण उन्हें लंबा इंतजार करना पड़ता है।

बीसीबी का अध्यक्ष पद छोड़ेंगे हसन

ढाका। नजमुल हसन आम चुनाव में जीत के बाद खेल मंत्री बनाए जाने के कारण बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड का अध्यक्ष पद छोड़ देंगे। नजमुल 2012 से बीसीबी के अध्यक्ष हैं। उन्होंने 7 जनवरी को हुए चुनाव में किशोरगंज-6 से जी दर्ज की थी और इसके चार दिन बाद उन्हें युवा एवं खेल मंत्री पद सौंपा गया। इसके बाद उनके वर्तमान पद से हटने की संभावना है। नजमुल ने पत्रकारों से कहा, 'मैं दोनों पदों पर बने रह सकता हूं। मंत्री पद हासिल करने और बीसीबी के पद से हटने के बीच कोई संबंध नहीं है। यह कोई मुद्दा नहीं है।'

मयंक के शतक ने कर्नाटक ने बनाई 64 रन की बढ़त

अहमदाबाद। कप्तान मयंक अग्रवाल (109 रन) के शतक से कर्नाटक ने शनिवार को यहां रणजी ट्राफी ग्रुप सी मैच के दूसरे दिन गुजरात के खिलाफ 64 रन की बढ़त हासिल की। गुजरात को शुरुआती दिन 263 रन पर समेटने के बाद कर्नाटक ने स्टंप तक पांच विकेट पर 328 रन बना लिए। मनीष पांडे 50 और सुजय सातेरी 24 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। दोनों 60 रन की भागीदारी निभा चुके हैं। कर्नाटक के सलामी बल्लेबाज समर्थ (60) और मयंक ने 172 रन की भागीदारी निभाकर टीम को शनिवार को अच्छी शुरूआत करायी। मयंक ने 124 गेंद में 17 चौके और एक छक्के से अपना 16वां प्रथम श्रेणी शतक जड़ा।

क्वालीफायर एलेजांद्रो बने ऑकलैंड क्लासिक चैंपियन

ऑकलैंड। एलेजांद्रो टेबिलो ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शनिवार को यहां टारो डेनियल को सीधे सेटों में हराकर एटीपी ऑकलैंड क्लासिक टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीता। टेबिलो ने डेनियल को फाइनल में 6-3, 7-5 से पराजित करके अपने करियर का पहला एटीपी खिताब जीता। टेबिलो क्वालीफाइंग दौर के दो और मुख्य ड्रॉ में तीन मैच जीतकर फाइनल में पहुंचे थे। इस बीच क्वार्टर फाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त कैमरन नोरी के कलाई की चोट के कारण हट जाने से भी उनको फायदा मिला।

चोटिल हॉलैंड का 15 दिन बाहर रहने की संभावना

मैनचेस्टर। स्टार स्ट्राइकर अर्लिंग हॉलैंड पांव की चोट के कारण मैनचेस्टर सिटी की तरफ से इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल प्रतियोगिता में न्यूकैसल के खिलाफ मैच में नहीं खेल पाएंगे और उनके जनवरी के आखिर तक बाहर रहने की संभावना है। नार्वे का यह स्ट्राइकर चोटिल होने के कारण सभी प्रतियोगिताओं में पिछले आठ मैच में नहीं खेल पाया है। इसके बावजूद वह प्रीमियर लीग में 14 गोल करके सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों में संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। हॉलैंड ने मैनचेस्टर सिटी की 6 दिसंबर को एस्टन विला के हाथों 1-0 से हार के बाद कोई मैच नहीं खेला है। मैनचेस्टर सिटी के मुख्य कोच पेप गार्डियोला ने कहा, 'उम्मीद है कि वह इस महीने के आखिर तक खेलने के लिए फिट हो जाएगा।

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए-गुजराती 44/ 5'11" स्वयं का व्यवसाय इनकम 40000 मासिक, युवक हेतु कन्या चाहिए उच्च जाति बंधन नहीं संपर्क करें 98271 14645, 9131139179 (2406)

वधु चाहिए- 43 वर्ष वर के लिए, जाति ठाकुर, वधु चाहिए जाति बंधन नहीं है रायपुर में घर एवं कृषि जमीन सम्पन्न परिवार संपर्क करे मो. 9300982497 (58)

वर-वधु चाहिए - जीवन साथी चाहिए मिडिल क्लास फैमिली। जिस किसी व्यक्ति को रिश्ता करना है वही सम्पर्क करें- 7773005924 (32538)

आवश्यकता

!!! बिना किसी बड़े निवेश के प्रारंभ करने का सुनहरा अवसर !!! आयुर्वेदिक कंपनी में शिक्षित/बेरोजगार लड़के-लड़कियाँ हाउसवाइफ पार्टटाइम/फुलटाइम घर बैठे दवाई पैकिंग करके 28,500/- से 35,500/- महीना कमाएं रोजगार बढ़ाए (जरूरतमंद लोग कॉल/ WHATSAPP करें) NOC -2150/- +91 85830 47417 (भोपाल/12/जनवरी 24)

बेचना

बेचना - जमीन बेचना है जिला मुख्यालय अनूपपुर से सटे ग्राम बरबसपुर मानपुर रोड मे 1 एकड़ 12 डिसमिल जमीन बिकाऊ है, इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें। मो. 8435642943, 9424954403 (अनूपपुर/17/जनवरी 24)

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाइड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

परिचय सम्मेलन

पंजीयन क्र. 1582/69
म. प्र. राजपूत समाज
6वा अ.भा.क्षत्रिय/राजपूत युवक-युवती परिचय सम्मेलन
रविवार, 28 जनवरी 2024
महाराणा प्रताप भवन, चार इमली मेन रोड नं. 3 भोपाल -16 (म.प्र.)
योग्य व उत्तम जीवनसाथी चयन हेतु आज ही हमारी वेबसाइड पर पंजीयन करायें।
web:- www.mprajputsamaj.org
ऑनलाइन पंजीयन हेतु अंतिम तिथि शनिवार, 20 जनवरी 2024
तलाकशुदा, विधवा, विधुर भी पंजीयन कर सकते हैं।

राशिफल

मेष — किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। कारोबार में भागदौड़ अधिक रहेगी।

वृष — धैर्यशीलता में कमी भी हो सकती है। संयत रहें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाहन के रखरखाव एवं वस्त्रों आदि पर खर्च बढ़ सकते हैं।

मिथुन — माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। कारोबार में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। लाभ में वृद्धि होगी।

कर्क — मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कुछ चिंता परेशान भी हो सकती हैं। माता का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता

सिंह — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। कारोबार में वृद्धि होगी। किसी मित्र का सहयोग भी मिल सकता है।

कन्या — आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

तुला — कला एवं संगीत में रुचि रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य में सुधार होगा। कारोबार में भाग-दौड़ बढ़ेगी, परन्तु स्वास्थ्य के प्रति सचेत भी रहे।

वृश्चिक — संयत रहें। क्रोध से बचें। बातचीत में संयत रहें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है।

धनु — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन अशान्त भी रहेगा। आत्मसंयत रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं।

मकर — माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता रहेगी। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। कारोबार से लाभ में वृद्धि होगी।

कुंभ — आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। फिर भी धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। बातचीत में सन्तुलित भी रहें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है।

मीन — आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परन्तु आत्मसंयत रहें। अपनी भावनाओं को वश में रखें। पिता का साथ मिलेगा। किसी रुके धन की प्राप्ति हो सकती है।

शब्द पहेली - 5394

बाएँ से दाएँ
1.नेमत,वर,ईष्टकृपा -4
3.उद्देश्य,ध्येय-4
8.सयाना,चतुर-4,3
10.मनुष्य-3
11.मोल,दाम-3
13.बैठने का स्थान-3
15.दौड़ना (अंग्रेजी-2)
17.पराजित-2
18.वध,कत्ल-2
19.काव्यकार,शायर-2
21.राशिचक्र की दसवीं राशि-3
25.आक्रमण,प्रहार-3
26.पालतू जानवर-3
27.ईश्वर,भगवान-7
30.ईश्वरीय कृपा-4
31.भयभीत होना, डरना-4

ऊपर से नीचे
2.असुर,दैत्य-3
4.गागर,घड़ा-3
5.मन की करना-4
6.प्रार्थना,ईश वंदना-4
7.चरित्र,ईमान-3
8.कार्यविधि-3
9.रेखा,लाईन-3
12.माला का मोती-3
13.राहत,विश्राम-3
14.कैनाल,उपनदी-3
16.नगद राशि-3
20.रुदन -3
22.पक्षियों का शोर-4
23.मध्यांग, कटि-3
24.12 राशियों का समूह-4
25.महल,बड़ा भवन-3
28.सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
29.अदृश्य, जो दिखाई न दे-3

शब्द पहेली- 5393 का हल

स	ज	दा	क	र	ना		म	त	वा	ला
ह	रा		त		का	म	ना		दा	वा
न		बे	र	ह	म		ना	रा		रि
शी	ल	वा	न		या	द		नी	र	स
ल		प		ख	ब	र	ची		न	
ता	र	न	हा	र		का	न	भ	र	ना
	म		र	ह	ब	र		यं		प
प्र	ण	य		रा	ठु		ब	क	वा	स
ति		दा	स		बे	क	रा	र		न्द
का	न		चि	रा	ग		म		क	हो
र	म	जा	न		म	द	द	क	र	ना

सूडोकु बवाल - 5404

★★★★☆ कठिन

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
							3	5
	6						7	
4	8							
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

MANGAL SENACHA BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु बवाल - 5403 का हल

4	2	5	8	6	1	9	7	3
7	3	1	9	4	2	8	5	6
6	9	8	7	3	5	4	2	1
1	6	2	3	8	9	5	4	7
9	4	3	5	1	7	6	8	2
8	5	7	4	2	6	3	1	9
2	1	9	6	5	8	7	3	4
5	7	4	1	9	3	2	6	8
3	8	6	2	7	4	1	9	5

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली और हरियाणा से एक साथ प्रकाशित
जबलपुर, रविवार 14 जनवरी 2024

मकर संक्रांति विशेष

मकर संक्रांति पर्व की धार्मिक ही नहीं अत्यधिक सांस्कृतिक महत्ता भी है। यह पर्व ऋतुचक्र में होने वाले परिवर्तन और सूर्य की गति में बदलाव को भी प्रकट करता है। यह पर्व देश के अलग-अलग भागों में विभिन्न रूपों और नामों से मनाया जाता है। लेकिन इसे मनाने की मूल भावना में निहित सामाजिक समरसता, इसकी खूबसूरती को और बढ़ा देता है।

धार्मिक आस्था-सांस्कृतिक उल्लास का पवित्र पर्व मकर संक्रांति

आवरण कथा / आर.सी.शर्मा

पूर्व से पश्चिम, उत्तर से दक्षिण तक नाम भले अलग-अलग हों, लेकिन मकर संक्रांति का धार्मिक-सांस्कृतिक पर्व, पूरे भारत में मनाया जाता है। देश के अलग-अलग हिस्सों में इसे अलग-अलग नामों से मनाया जाता है। जैसे- उत्तर भारत के ज्यादातर हिस्सों में इसे मकर संक्रांति कहते हैं, तो पंजाब में लोहड़ी, गुजरात में उत्तरायण, उत्तराखंड में उत्तरायणी, केरल में पोंगल, असम में माघ बीहू और भोगाली बीहू, बिहार-उत्तर प्रदेश में खिचड़ी, बंगाल में दान पूर्व और तमिलनाडु में पोंगल के नाम से इसे मनाते हैं। चाहे पर्व के नाम अलग-अलग हों और इनके मनाने के तौर तरीके भी थोड़े अलग-अलग हों। लेकिन अपनी मूल प्रकृति और मूल आस्था में ये सारे पर्व एक ही होते हैं। नई फसल तैयार होने की खुशी में नाचना-गाना, सूर्य के उत्तरायण होने से उसके बढ़ते जीवनदायी ताप के प्रति आभार-सम्मान प्रकट करना और पवित्र नदियों में स्नान करने जैसी तमाम तरह की गतिविधियां, इन सभी पर्वों के मूल विधान में शामिल हैं।

केरल में पोंगल पर्व मनाते स्थानीय निवासी

पर्व मनाने की शुभ तिथि

मकर संक्रांति आमतौर पर अंग्रेजी कैलेंडर के जनवरी माह में 14 या 15 जनवरी को मनाई जाती है। मकर संक्रांति की तिथि से सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है, इसलिए यह मकर संक्रांति कहलाती है। इस दिन से सूर्य उत्तरायण हो जाते हैं, जिसे शास्त्रों के मुताबिक देवताओं का दिन माना जाता है, जबकि दक्षिणायन को देवताओं की निशा यानी रात्रि माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक इस दिन किया गया दान, साल के बाकी किसी भी दिन में किए गए दान के मुकाबले कहीं ज्यादा पुण्य लाभ देने वाला होता है। इस साल मकर संक्रांति की तिथि आज रात के बाद यानी 15 जनवरी को ब्रह्म मुहूर्त से पहले 2 बजकर 54 मिनट से आरंभ होगी, जब सूर्यदेव धनु राशि से निकल कर मकर राशि में प्रवेश करेंगे।

महत्वपूर्ण-पुण्यकारी धार्मिक कार्य

मकर संक्रांति के दिन सुबह उठकर सूर्य के निकलने से पहले या निकलते समय पवित्र नदियों में स्नान करना सबसे अच्छा माना जाता है। इसके बाद नए साफ वस्त्र पहनकर तांबे के लोटे में पानी भरकर उसमें काला तिल, गुड़ का छोटा टुकड़ा और अगर गंगा में नहीं नहा रहे तो थोड़ा गंगाजल मिलाकर सूर्यदेव को प्रणाम करते हुए उन्हें अर्घ्य दिया जाता है। इसके बाद गरीबों को दान दिया जाता है, इस दान में तिल और खिचड़ी का होना बहुत शुभ माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक मकर संक्रांति की सुबह घर में स्नान करें तो पानी में तिल और गंगाजल अवश्य मिला लें। किसी पवित्र नदी में स्नान कर रहे हों तो जिस जगह स्नान करें, वहां थोड़े तिल और गंगाजल छिड़क देना चाहिए। इस दिन सूर्यदेव शनि की राशि मकर में प्रवेश करते हैं, इसलिए मकर संक्रांति को शनि देव की पूजा भी करनी चाहिए।

कहीं नृत्य तो कहीं पतंगबाजी

मकर संक्रांति देश के अलग-अलग हिस्सों में खूब मस्ती और उमंग के साथ मनाई जाती है। कहीं पर लोग ढोल की थाप पर नाचते-गाते हैं। जैसे पंजाब में भागड़ा और गिद्धा लोकनृत्य किया जाता है। इसी तरह असम में लोग बिहू लोकनृत्य में सामूहिक रूप से शामिल होते हैं। गुजरात और उत्तर भारत में इस अवसर पर बड़े पैमाने पर पतंग उत्सव का भी आयोजन किया जाता है।

असम में माघ बीहू के अवसर पर सामूहिक नृत्य करतीं महिलाएं

पर्व का जीवन में महत्व

मकर संक्रांति पर्व का महत्व सिर्फ धार्मिक या पारंपरिक संस्कारों तक ही सीमित नहीं है। इसका सीधा-सीधा रिश्ता बदलते हुए ऋतु चक्रों से भी होता है। जिस कारण बहते हुए पानी में स्नान किए जाने की परंपरा इससे जोड़ी गई है। इसका वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य यह है कि इन तिथियों को बहते हुए पानी में ऊर्जा की अधिकता होती है और उस पानी में स्नान करने से इंसान बहुत तरह की शारीरिक व्याधियों से छुटकारा पा जाता है। साथ ही बदलते हुए मौसम के इस संधिकाल में सूर्य के ताप, पृथ्वी और जल की ऊर्जा का शरीर में इस तरह से प्रभाव पड़ता है कि हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाती है। इसलिए संक्रांति को सिर्फ धर्म की नहीं प्रकृति की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जाता है। *

वर्ष में होती हैं तीन संक्रांतियां

हिंदू पंचांग के अनुसार पूरे वर्ष में एक नहीं तीन संक्रांतियां मनाई जाती हैं- मकर संक्रांति, विषुवत संक्रांति और कार्तिक संक्रांति। सभी में एक जैसी श्रद्धा और एक जैसी धार्मिक भावनाएं होती हैं। विषुवत संक्रांति अप्रैल माह में पड़ती है, इस तिथि पर सूर्य मेष राशि में प्रवेश करते हैं। साथ ही इसी दिन विशाखा नक्षत्र में भी प्रवेश करते हैं, इसलिए इसे वैशाखी भी कहा जाता है। इसी तरह कार्तिक संक्रांति हिंदुओं में बहुत पवित्र मानी जाती है। कार्तिक संक्रांति में सूर्य तुला राशि में प्रवेश करते हैं। आमतौर पर यह अक्टूबर के मध्य में आती है। सभी संक्रांतियों में सूर्योदय से पहले उठकर या उग रहे सूर्य के समय स्नान का विधान होता है। साथ ही इस दिन पवित्र नदियों में भी स्नान करने का महत्व बताया गया है। *

जीवन में सुकून और खुशी तो सभी चाहते हैं लेकिन इन्हें पाने के लिए किस रास्ते पर चलने की जरूरत होती है, इस बारे में कम ही लोगों को पता होता है। वास्तव में सुकून-खुशी हासिल करना कठिन नहीं है, अगर आप सही दिशा में इसे तलाश करें।

सुकून-खुशी पाना कठिन नहीं है, अगर...

जीवनशैली / शिखर चंद जैन

अगर आपको दिल्ली से कोलकाता जाना हो लेकिन आप ट्रेन या फ्लाइट चेन्नई की पकड़ लें तो कोलकाता पहुंचेंगे या चेन्नई? यह सवाल आपको अटपटा लग सकता है लेकिन व्यावहारिक जीवन में देखें तो खुशी और सुकून की तलाश में हम कुछ इसी तरह गलत राह पर चलते हुए अपनी मंजिल से भटक जाते हैं और हमें इसका एहसास ही नहीं होता है।

लिविंग स्टैंडर्ड का गलत पैमाना: बेहतरी, सफलता, समृद्धि और सुकून के वास्तविक स्वरूप को समझने में लोग अकसर चूक जाते हैं। इसमें पूरी तरह गलती आपकी नहीं है। वास्तव में हमारा माहौल, संगत और समाज कई मामलों में हमारा नजरिया तय करते हैं। यही वजह है कि आज स्टैंडर्ड ऑफ लिविंग हाई होने यानी सफलता और खुशहाली का प्रतीक भौतिक साधनों के बहुलता को माना जा रहा है। आपके जीवन का स्तर कितना ऊंचा है, यह इस बात से तय होता है कि आप का मकान शहर के किस पॉश इलाके में है, कितना बड़ा मकान या फ्लैट है, आपकी कार कितनी महंगी है, आपके यहां कितने नौकर-चाकर काम करते हैं, आपका बैंक बैलेंस कितना बड़ा है, आपका मोबाइल किस ब्रांड का है, आप शहर के किस रेस्तरां में डिनर या लंच के लिए जाते हैं, किस ब्रांड के कपड़े, घड़ी या जूते पहनते हैं? आप छुट्टियां बिताने के लिए विदेश जाते हैं या नहीं? इतना ही नहीं रेव पार्टीज में या महंगे क्लब्स में जाना भी स्टैंडर्ड ऑफ लिविंग का प्रतीक बन गया है।

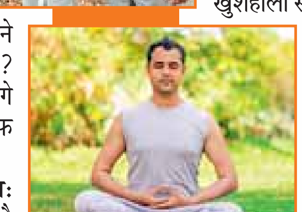

अपना नुकसान खुद करते हम: आज के दौर का यह सच बन गया है कि हममें से अधिकांश लोगों के जीवन का ज्यादातर समय इन्हीं को पा लेने की कोशिश में खप जाता है, इन्हीं में सुकून और खुशहाली की तलाश करते हुए अनजाने में ही हम परेशान, बदहाल और तनावग्रस्त रहने लगते हैं। पिछली सदी में बुजुर्ग और अब तो वैज्ञानिक भी कहते हैं कि चिंता, चिता के समान होती है। हम अपनी ही नासमझी से गलत जीवनशैली के कारण उच्च रक्तचाप, मधुमेह, स्ट्रोक, हृदय रोगों और कैंसर जैसे घातक रोगों के शिकार बेहद आसानी से हो जाते हैं। नतीजतन ना मनचाहा खा सकते हैं ना ढंग से सो पाते हैं। कहा गया है कि पहला सुख निरोगी काया। लेकिन जब माया के चक्कर में काया ही रोगी हो गई तो सुख और सुकून भला कैसे मिलेंगे?

गलत मार्ग पर मंजिल की तलाश: हममें से अधिकतर लोग समझ ही नहीं पाते कि आखिर इतने प्रयासों के बावजूद हम सुखी क्यों नहीं हो पा रहे हैं? सीधी सी बात है, जाना था जापान पहुंच गए चीन वाली कहावत हमारे साथ लागू हो गई है। हमारे प्रयास ही गलत दिशा में और गलत चीजों के लिए होते हैं। हमारा लक्ष्य कुछ और होता है और राह हम दूसरी पकड़ लेते हैं। हम अपने जीवन का स्तर ऊंचा करने की बजाय, इसे छोड़कर दूसरी भौतिक, दिखावटी और गैर जरूरी चीजों का स्तर ऊंचा करने में जुट जाते हैं। स्टैंडर्ड ऑफ लिविंग को ऊंचा करना एक अंतहीन प्रयास है, जिसका कोई उच्चतम मापदंड आज तक कोई निश्चित नहीं कर पाया है। आप चाहे जितना महंगा सामान खरीदेंगे, आपसे भी महंगा किसी और के पास मिल जाएगा। उसे देखते ही आपका अहं, चूर-चूर हो जाएगा और खुशी काफूर हो जाएगी।

आंतरिक सुकून की राह: आपको जीवन का स्तर ऊंचा रखना है, सुकून, सुख और खुशहाली से रहना है तो जरूरतों और चाहतों में अंतर समझना होगा। जीवन का स्तर आंतरिक सुख से ऊंचा होगा, जो संतोष से प्राप्त होता है। कहा भी गया है, संतोषम् परम सुखम्। अध्यात्म, प्राणायाम, योग, ध्यान आदि को अपनाना होगा। परमार्थ की भावना, दयालुता, परोपकार, समाज की सेवा और मनुष्य मात्र के प्रति संवेदनशीलता हमें जीवन के उच्चतम स्तर तक पहुंचा सकती है। झूठ, छल, कपट, धोखाधड़ी, झूठ, ईर्ष्या, लालच, क्रोध जैसे दुखी करने वाले जंजालों से मुक्ति पानी होगी। जैसे किसी तालाब के पानी से काई, तृण, गंदगी और विषाणु निकालकर उसे हल्का, सुपाच्य और स्वस्थ पेय जल बनाया जा सकता है, वैसे ही जीवन से इन अवांछित तत्वों और नकारात्मक भावनाओं को निकाल दें तो जीवन स्वच्छ जल की मानिंद हल्का और सुकून देने वाला बन सकता है। इस प्रकार का जीवन जीने वाला स्वतः ही अपने समाज में चहेता, प्रशंसनीय, स्नेह का पात्र और आदरणीय बन जाता है। लोग उसका सम्मान करते हैं। लोगों से जब ऐसा आदरपूर्ण और स्नेहिल व्यवहार मिलेगा तो आपको अतुलनीय आंतरिक आनंद और सुकून मिल जाएगा। *

नवगीत / शिवचरण चौहान

धूप आई, जान आई

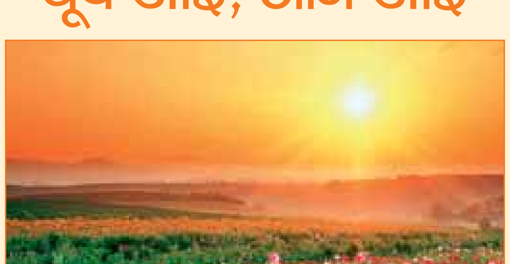

धूप आई
जान आई!
शीत से मारे हुए
फूलों के मुख
मुस्कान आई।
आएगा ऋतुराज पक्का
जानते हैं हम सभी
पर शिशिर, हेमंत तो
सबको रुलाएगा अभी,
सभी के चेहरों में मीठी
धूप है मुस्कान लाई।।
धुंध, कोहरे से महीना
गले तक डूबा हुआ था।
और भारत इस अयाचित
बर्फ से ऊबा हुआ था।
आज चिड़ियों के
स्वरों में एक मधुरिम
तान आई।
धूप निकली है छिटक कर
जान में है जान आई।।

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

कविता में उम्मीद

हाल में युवा कवि अनुराग वत्स का पहला कविता संग्रह 'उम्मीद प्रेम का अन्न है' छपकर आया है। इसमें उनकी कई छोटी कविताओं के साथ ही आत्मकथ्य भी संकलित हैं। इस पुस्तक की कई कविताएं, प्रेमानुभूति से जुड़ी बहुत बारीक संवेदनाओं को व्यक्त करती हैं। *'बात न हो, बात की याद हो/तो वह याद ही भेज दो।'* जैसी पंक्तियां मन के भीतर ठहर सी जाती हैं। प्रेम की अनुभूति से इतर भी कुछ कविताएं, अनुराग की सूक्ष्म संवेदनात्मक दृष्टि को प्रमाणित करती हैं। इस लिहाज से 'पिता:1' कविता को देख सकते हैं, जिसमें पिता शब्द को लिखे बिना ही अनुराग, मार्मिकता से उनकी अनुपस्थिति को महसूस करते हैं। इसी तरह 'हाथ की कांप' में वह दार्शनिक लहजे में जीवन और नियति को परिभाषित करते हैं। कहा जा सकता है कि किसी वाद या वैचारिकता से मुक्त ये भावसंपन्न कविताएं, आने वाले समय में अनुराग से और बेहतर रचनाओं की उम्मीद जगाती हैं। *

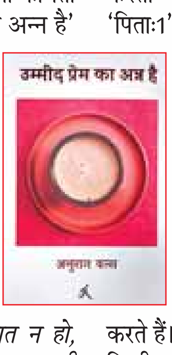

पुस्तकः उम्मीद प्रेम का अन्न है (कविता संग्रह), **लेखकः** अनुराग वत्स, **मूल्यः** 150 रुपए, **प्रकाशकः** रुख पब्लिकेशंस, नई दिल्ली

कहानी / शीला श्रीवास्तव

सविता जी को इस बात की चिंता मन ही मन में सताए हुए थी कि बेटे रवि की शादी के बाद उनका प्यार बंट जाएगा। वह पत्नी का साथ पाकर उनसे दूर हो जाएगा। इसलिए वह उसकी शादी टाल रही थीं। मां के आगाध प्रेम पर केंद्रित दिल को छूती कहानी।

अलगाव

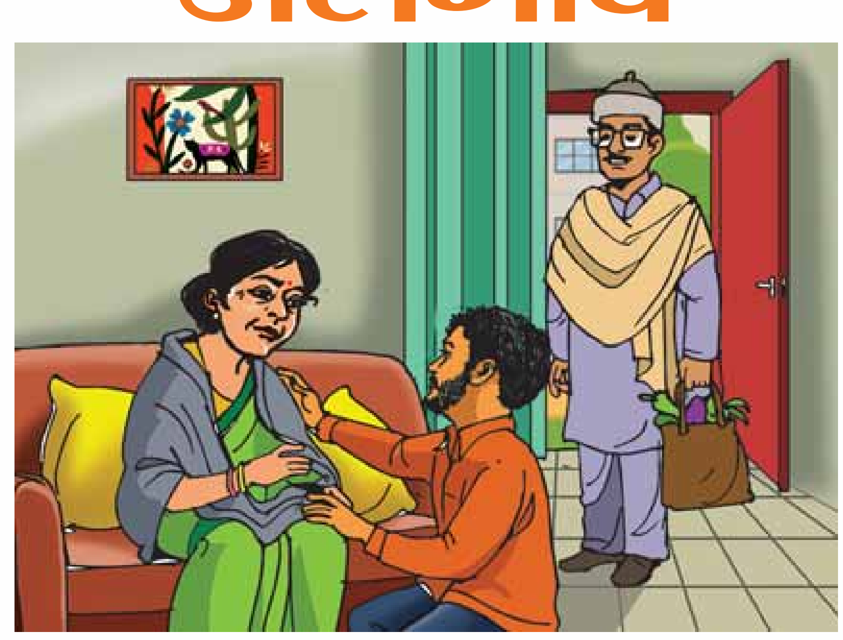

मंदिर से आकर सविता जी धम्म से सोफे पर बैठ गईं। पति जयप्रकाश जी ने धीमे स्वर में पूछा, 'क्या बात है भाग्यवान, मूड क्यों खराब है?'

'पता नहीं, लोगों को क्या पड़ी है, जो बार-बार हमारे बेटे रवि की शादी के बारे में पूछते हैं। अरे, नहीं करनी मुझे रवि की शादी। शादी के बाद वह भी हमसे अलग हो जाएगा।' सविता जी कुढ़ते हुए बोलीं।

'तुम स्वार्थी हो गई हो रवि की मां। अपने स्वार्थ के लिए तुम अपने बेटे को सदा के लिए कुंवारा रखना चाहती हो।' जयप्रकाश जी गंभीर स्वर में बोले।

'आपको जो समझना है, समझिए।' दोनों पति-पत्नी में बहस चल ही रही थी, तभी रवि आ गया। उसके आते ही दोनों ऐसे हंस-हंसकर बातें करने लगे, जैसे उनके बीच कोई हास-परिहास चल रहा हो।

दरअसल, रवि अपनी मां के मन से अनभिज्ञ अपनी एक कुलीग सुजाता से प्यार कर बैठा। एक दिन सकुचाते-सकुचाते उसने अपने दिल की बात अपनी मां से कह ही दी। सविता जी को जैसे झटका-सा लगा। वह जड़वत रह गईं। तभी रवि ने मां को झकझोरते हुए पूछा था, 'क्या सोच रही हो मां?'

'कुछ नहीं बेटा, शादी की अभी इतनी जल्दी क्या है? अभी छब्बीस की ही तो उम्र है तुम्हारी।' सविता जी अपनी भावनाओं को छुपाते हुए बोली थीं।

बस उसी दिन से रवि उदास रहने लगा। सविता जी अपने बेटे के उदासी के कारण को अच्छी तरह जानती थीं, लेकिन वह अपनी शंकाओं से मुक्त भी तो नहीं हो पा रही थीं।

एक दिन वह अपने बेटे रवि के सिर पर हाथ फेरते हुए बोलीं, 'काश! तू हमेशा बच्चा ही रहता तो कितना अच्छा होता, लेकिन अब तू बड़ा हो गया है। तुझे मां की नहीं बल्कि एक जीवन संगिनी की जरूरत है...।' लेकिन सविता जी ने वाक्य अधूरा ही छोड़ दिया। उनकी आवाज बीच में ही भर आई थी, आंखों से मोटे-मोटे आंसू टपक पड़े।

रवि अपनी मां के आंसुओं का मतलब नहीं समझ पाया, इसलिए आश्चर्य और प्रश्न भरी नजरों से मां को निहारने लगा। तभी जयप्रकाश जी ने बात संभाली, 'अरे बेटा, तुम्हारी मां डरती है कि शादी के बाद कहीं तुम्हारा प्यार बंट ना जाए।'

'ओफ्फ हो मां.. तुम भी न, कुछ भी सोचती रहती हो।' रवि हंसते हुए बोला।

रवि के ऑफिस जाने के बाद जयप्रकाश जी ने सविता जी को समझाया, 'देखो रवि की मां, हम मां-बाप को अपना फर्ज निभाना चाहिए। अब आगे चलकर बेटा-बहू हमें पूछें या ना पूछें, यह उनकी मर्जी। अपने स्वार्थ में अंधे होकर हम अपने बच्चों की खुशियों को दांव पर तो नहीं लगा सकते ना।'

जयप्रकाश जी एक पल रुक कर आगे बोले, 'अच्छा बताओ, तुम्हें ज्यादा खुशी किस बात में होगी, जब रवि कुंवारा रहकर दुखी मन से हम लोगों की सेवा करेगा या फिर अपने जीवन साथी के साथ खुशहाल जिंदगी जिएगा?'

'हां, मैं स्वार्थी हो गई थी। मेरे लिए तो मेरे बेटे की खुशी से बढ़कर कुछ और नहीं होना चाहिए। यह सही नहीं है।' सविता जी को अपने पति की बात अच्छे से समझ में आ गई थी।

दूसरे ही दिन सविता जी अपना घुटना लेकर बैठ गईं।

'क्या हुआ मां, घुटने में दर्द हो रहा है क्या?' रवि ने पूछा।

'हां रे, बहुत दर्द हो रहा है। अब मुझसे ज्यादा काम नहीं होता। ऐसा कर तू शादी कर ले।' सविता जी झूठ-मूठ दर्द से कराहती हुई बोलीं।

'क्या मां, कभी तुम कुछ बोलती हो तो कभी कुछ।' रवि सहज स्वर में बोला। जयप्रकाश जी अपनी पत्नी के बहाने को अच्छी तरह समझ रहे थे, इसलिए तपाक से बीच में बोल पड़े, 'अब तुम्हारी मां सठिया गई हैं बेटा। बहू आ जाएगी तो इनको सहारा मिल जाएगा।'

'ऐसी बात है तो मैं कल ही लड़की वालों को घर पर बुलाता हूं।' रवि खुशी से चहकते हुए बोला तो सविता जी की आंखें भर आईं। इस बार उनकी आंखों में स्नेह के आंसू थे।

जयप्रकाश जी ने राहत की सांस ली। *

लघुकथा / डॉ. मोनिका शर्मा

त्योहारी शगुन

श्वेता संक्रांति के पर्व पर दिए जाने वाले शगुन को सगे-संबंधियों और आस-पड़ोस की महिलाओं के बजाय मेड सर्वेंट्स को देती रही है। आज त्योहार के दिन सुबह-सुबह शगुन सामग्री बांटने की तैयारी में जुटी श्वेता को सासू मां ने टोका। सुहाग से जुड़ी चीजें अपनी बराबरी वालों को देने की सलाह देतीं, सासू मां के आपत्ति जताने पर उसने सहज भाव से कहा, 'इसमें बराबरी कैसी मां? यूं इस पर्व पर स्नेह स्वरूप भेंट देने की रीत पुण्य कमाने से ज्यादा परवाह के भाव से जुड़ी है। परवाह की सोच प्रेम की डोर से बंधी है। प्रेम का आधार किसी के जीवन को सहज बनाना है। सहजता किसी की आवश्यकताओं और परिस्थितियों को समझकर मदद करने की श्रद्धा से जुड़ी है।' 'अच्छा ठीक है...ठीक है।' कहते हुए सासू मां ने मुस्कुराते हुए हामी भरी। फिर थोड़ी गंभीर होकर बोलीं, 'हां, बात तो सही है। आपस में लेना-देना करने से तो इस रीत के मायने ही बदल गए। यह रिवाज बना तो सौगात स्वरूप एक-दूजे का जीवन सहज बनाने वाले सामान देने को लेकर ही है ना। समय के साथ रीत भी बदलनी ही चाहिए बहू।'

श्वेता की खुशी सासू मां का समर्थन पाकर और बढ़ गई। उसने प्यार भरे अंदाज में सूचित करते हुए कहा, 'मेरा ही नहीं, अबके बरस आपका शगुन भी ठंड के मौसम में हमारा जीवन सहज-सुविधाजनक बनाने वाली मेड सर्वेंट्स को देंगे मां।'

त्योहार के दिन घर के स्नेहमयी परिवेश में इस बात पर लगा दोनों का ठहाका डोर बेल बजते ही रुका। कड़कड़ाती ठंड में श्वेता ने ठिठके हाथों से दरवाजा खोला तो पिछले साल त्योहारी सौगात में दी स्वेटर पहने उनकी घरेलू सहायिका खड़ी थी। उसके भीतर आते ही सास-बहू ने मानवीय अनुभूतियों भरी मुस्कुराहट संग एक-दूजे की ओर देखा और शगुन की सामग्री पर जा टिकी उनकी आंखें संवेदनाओं की नमी से भीग गईं। आसमान तक छाई रंग-बिरंगी त्योहारी रौनक में आज दो पीढ़ियां परवाह के भाव से उपजे सार्थक परिवर्तन की साक्षी बनीं, विचार के बदलाव से आए व्यावहारिक परिणाम को देख रही थीं। *

लेखक ध्यान दें...

लेखक रविवार भारती में प्रकाशनार्थ अपनी रचनाएं / लेख कृपया ई-मेल आईडी haribhoomifeaturedep@gmail.com पर भेजें।

श्रृंखला जीतने उतरेगा भारत, कोहली की होगी वापसी, अफगान के खिलाफ टी20 आज

एजेंसी ▶▶| इंदौर

अफगानिस्तान के खिलाफ श्रृंखला में जीत को अब भी क्रिकेट की बड़ी उपलब्धियां में नहीं गिना जाएगा। लेकिन भारत के कुछ खिलाड़ी रविवार को यहां होने वाले दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में इसे हासिल करने के लिए बेताब होंगे, ताकि वह टीम में अपनी जगह पक्की करने के लिए दावा मजबूत कर सकें। भारत ने मोहाली में खेले गए पहले मैच में 6 विकेट से जीत दर्ज करके तीन मैच की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बनाई।

ऐसे में जितेश शर्मा, वाशिंगटन सुंदर और अक्षर पटेल जैसे खिलाड़ियों के लिए यह अनिवार्य हो गया है कि वह अफगानिस्तान के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करके चयनकर्ताओं की नजर में बने रहें जिनका लक्ष्य टी20 विश्व कप के लिए अदद टीम का चयन करना है। भारतीय टीम को जून में होने वाले विश्व कप से पहले कोई अन्य टी20 श्रृंखला नहीं खेली है और ऐसे में अफगानिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन काफी मायने रखता है।

युवा अच्छा प्रदर्शन कर खीचेंगे चयनकर्ताओं का ध्यान

तिलक को मौका मिलना मुश्किल

तिलक वर्मा का मामला भी ऐसा ही है। उन्होंने पिछले साल वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैच की श्रृंखला में 39, 51 और नाबाद 49 रन बनाकर शानदार शुरुआत की थी लेकिन इसके बाद वह अगली 13 पारियों में केवल एक अर्धशतक लगा पाए। इस 21 वर्षीय बल्लेबाज के लिए यह आंकड़े पर्याप्त नहीं होंगे और उन्हें बड़ी पारी खेलने की जरूरत है। हालांकि यह देखना होगा कि वह अंतिम एकादश में जगह बना पाते हैं कि नहीं क्योंकि स्टार बल्लेबाज विराट कोहली पहले मैच में नहीं खेल पाने के बाद इस मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे।

टीम इस प्रकार है

भारत : रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, जितेश शर्मा, संजू सैमसन, शिवम दुबे, वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, आवेश खान, मुकेश कुमार।

अफगानिस्तान: इब्राहिम जादरान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज, इकराम अलीखिल, हजरतुल्लाह जजई, रहमत शाह, नजीबुल्लाह जादरान, मोहम्मद नबी, करीम जनत, अजमतुल्लाह उमरजई, शराफुद्दीन अशरफ, मुजीब उर रहमान, फजलहक फारुकी, फरीद अहमद, नवीन उल हक, नूर अहमद, मोहम्मद सलीम, क्रैस अहमद, गुलबदीन नायब, राशिद खान।

अक्षर टेस्ट के लिए तैयार

चोटिल होने के कारण वनडे विश्व कप में नहीं खेल पाने वाले अक्षर अब सीमित ओवरों ही नहीं बल्कि टेस्ट मैचों में खेलने के लिए भी तैयार है। बाएं हाथ के इस स्पिनर के खिलाफ पहले दो टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। उन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ मोहाली में पहले टी20 मैच में 23 रन दे कर दो विकेट लिए थे। वह अगले मैच में भी अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

विकेटकीपर जितेश ने किशन को पीछे छोड़ा

जितेश ने ईशान किशन को पीछे छोड़कर विकेटकीपर बल्लेबाज की दौड़ में खुद को आगे कर दिया है। उन्होंने निचले मध्यक्रम में कुछ उपयोगी पारियां खेली हैं और वह अपना दावा पक्का करने के लिए बड़ी पारियां खेलने की कोशिश करेंगे।

अफगानिस्तान के पास प्रतिभाशाली खिलाड़ी मौजूद

भारतीय टीम अफगानिस्तान को हल्के से लेने की गलती नहीं करेगी क्योंकि उसके पास कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। युवा रहमानुल्लाह गुरबाज़, अज़मतुल्लाह उमरज़ई और अनुभवी मोहम्मद नबी किसी भी तरह के गेंदबाजी आक्रमण को तहस नहस करने की क्षमता रखते हैं। गेंदबाजी विभाग में स्टार स्पिनर राशिद खान की अनुपस्थिति के बावजूद अफगानिस्तान के पास मुजीब उर रहमान जैसा उपयोगी स्पिनर है। तेज गेंदबाजी विभाग में नवीन उल हक और फजलहक फारूकी अच्छी भूमिका निभा रहे हैं।

महिला ओलंपिक क्वालीफायर: ओरुज, जेटे और लिसा ने दागे गोल

जर्मनी ने चिली को 3-0 से हराया, सुजुकी और ओइकावा के गोल से जीता जापान

एजेंसी ▶▶| रांची

खिताब के प्रबल दावेदार जर्मनी ने दमदार प्रदर्शन करते हुए शनिवार को यहां अपने से कम रैंकिंग के चिली को 3-0 से हराकर एफआईएच महिला ओलंपिक हॉकी क्वालीफायर में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। विश्व में पांचवें नंबर की टीम जर्मनी ने पूल बी के शुरुआती मैच में सेलिन ओरुज़ (7वें मिनट), जेटे फ्लेस्कट्ज़ (10वें) और लिसा नोल्टे (38वें) के गोल की मदद से दुनिया की 14वें नंबर की टीम चिली पर आसान जीत दर्ज की।

जर्मनी ने उम्मीद के अनुरूप आक्रामक शुरुआत की और मैच में अधिकतर समय अपना दबदबा बनाए रखा। चिली की टीम टुकड़ों में ही अच्छा प्रदर्शन कर पाई। जर्मनी ने दूसरे मिनट में ही पेनल्टी कार्नर हासिल किया लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाया। ओरुज़ ने हालांकि जल्द ही दूसरे पेनल्टी कार्नर को गोल में बदल दिया। इसके तीन मिनट बाद फ्लेस्कट्ज़ ने मैदानी गोल दागा। इसके बाद चिली ने भी दो पेनल्टी कार्नर हासिल किये लेकिन वह उनका फायदा नहीं उठा पाया। नोल्टे ने 38वें मिनट में मैदानी गोल करके जर्मनी की जीत सुनिश्चित की।

डेविस के दो गोल से जीता न्यूजीलैंड

फ्रांसिस डेविस के दो गोल की मदद से न्यूजीलैंड ने शनिवार को यहां एफआईएच महिला ओलंपिक क्वालीफायर के अपने शुरुआती पूल बी मैच में तीन पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर इटली को 3-0 से हराया। न्यूजीलैंड के लिए डेविस (सातवें, 51वें मिनट) के अलावा स्टेफनी डिकिंस (53वें मिनट) भी गोल दागने में सफल रही। न्यूजीलैंड ने इस मैच की शुरुआत से आक्रामक खेल से इटली की रक्षा पंक्ति पर दबाव बना दिया। न्यूजीलैंड के सामने अपने अगले मैच में रविवार को यहां मेजबान भारत की चुनौती होगी।

जापान ने चेक गणराज्य को 2-0 से हराया

एशियाई खेलों के पूर्व चैंपियन जापान को शनिवार को यहां एफआईएच महिला ओलंपिक क्वालीफायर के पूल ए के शुरुआती मैच में निचली रैंकिंग पर काबिज चेक गणराज्य को 2-0 से हराने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। जकार्ता एशियाड 2018 जीतने वाली जापान की टीम ने हालांकि मैच के ज्यादातर हिस्से में नियंत्रण बनाए रखा लेकिन दो ही गोल कर सकी। मियू सुजुकी ने चौथे मिनट में जापान के लिए दूसरे पेनल्टी कॉर्नर पर रिबाउंड पर पहला गोल दागा। इसके बाद शिहोरी ओइकावा ने 40वें मिनट में दूसरा गोल किया। जापान ने मैच में आठ पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए जबकि प्रतिद्वंद्वी टीम को केवल एक ही मिला। जापान रविवार को जर्मनी से भिड़ेगा जबकि चेक गणराज्य का सामना चिली से होगा।

नवारो ने जीता होबार्ट इंटरनेशनल खिताब

होबार्ट। अमेरिका की दूसरी वरीयता प्राप्त एम्मा नवारो ने शनिवार को यहां संघर्षपूर्ण फाइनल में दो बार की चैंपियन और शीर्ष वरीयता प्राप्त एलिस मर्टेंस को हराकर होबार्ट इंटरनेशनल टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीता। पहली बार किसी डब्लूटीए टूर्नामेंट के फाइनल में खेल रही नवारो ने मर्टेंस को तीन सेट में 6-1, 4-6, 7-5 से हराकर जीत हासिल की। यह मैच दो घंटे 48 मिनट तक चला। इस तरह से अमेरिका की किसी खिलाड़ी ने लगातार दूसरे साल इस प्रतियोगिता का खिताब जीता। पिछले साल अमेरिका की ही लॉरेन डेविस यहां चैंपियन बनी थी।

भारत एशिया कप फुटबॉल टूर्नामेंट में आस्ट्रेलिया से हारा

अल रेयान। भारत ने शनिवार को यहां एएफसी एशियाई कप फुटबॉल टूर्नामेंट के शुरुआती ग्रुप मैच में 50वें मिनट तक मजबूत आस्ट्रेलियाई टीम को गोल नहीं करने दिया लेकिन अंत में उसे 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। आस्ट्रेलिया के लिए ग्रुप बी के इस मैच में जैक्सन इरविन ने 50वें और जोर्डन ब्रोस ने 73वें मिनट में गोल दागा। भारत 18 जनवरी को दूसरे मैच में उज्बेकिस्तान से भिड़ेगा।

फॉर्मूला-ई से जुड़ने का यह सही समय

मैक्सिको सिटी। भारतीय रेसर जेहान दारूवाला को इस बात का खेद नहीं है कि उन्होंने फॉर्मूला वन में जगह बनाने के लिए जूनियर सीरीज में कुछ अतिरिक्त वर्ष लगाए और उन्होंने कहा कि यह फार्मूला ई से जुड़ने का सही समय है। जेहान ने चार साल फार्मूला 2 में रेड बुल जूनियर टीम का हिस्सा रहने के बाद अब फॉर्मूला ई की तरफ रुख किया है। वह फॉर्मूला वन में जगह बनाने में नाकाम रहे। फॉर्मूला 2 में समय बिताने के बाद वह एक साल तक फॉर्मूला ई में महिंद्रा रेसिंग के साथ रिजर्व ड्राइवर रहे।

कार्यालय नगर परिषद सालीचौका
जिला नरसिंहपुर (म.प्र.)
फोन नं. (07791) 251251ईमेल cmosalichouka@mpurban.gov.in

क्र.936/PWD/NP/2024 **निविदा सूचना** सालीचौका, दिनांक -11.01.2024

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत टेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है । निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है ।

टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5
2024_UAD _325482_1 दि.12-01-2024	Construction Of R.C.C. Drain at Rajendra Sahu To Main Road Ward No. 02, Salichouka	2 माह, 2,82,530/-	2,000/- 2,900/	29-01-2024
2024_UAD _325483_1 दि.12-01-2024	Construction Of R.C.C. Drain at manohar rai to surendra verma Ward No. 03, Salichouka	2 माह, 2,09,333/-	2,000/- 2,100/	29-01-2024
2024_UAD _325484_1 दि.12-01-2024	Construction Of R.C.C. Drain at nagar parishad to polic chouki Ward No. 03, Salichouka	2 माह, 4,13,506/-	2,000/- 4,200/	29-01-2024
2024_UAD _325486_1 दि.12-01-2024	Construction Of R.C.C. Drain at neeraj sahu to mahendra sahu Ward No. 03, Salichouka	2 माह, 1,41,192/-	1,000/- 2,900/	29-01-2024
2024_UAD _325488_1 दि.12-01-2024	Construction Of R.C.C. Drain at ramkumar rai ti tirath pan Ward No. 03, Salichouka	2 माह, 2,76,797/-	2,000/- 2,800/	29-01-2024
2024_UAD _325489_1 दि.12-01-2024	Construction Of R.C.C. Drain at ganeshvishvkarma to santosh ch-oukse Ward No. 04, Salichouka	2 माह, 2,45,696/-	2,000/- 2,800/	29-01-2024
2024_UAD _325490_1 दि.12-01-2024	Construction Of R.C.C. Drain at mohan verma to pachama ro-ad Ward No. 06, Salichouka	2 माह, 2,00,953/-	2,000/- 2,100/	29-01-2024
2024_UAD _325491_1 दि.12-01-2024	Construction Of R.C.C. Drain at gajraj patel to kamta patel Ward No. 09, Salichouka	2 माह, 2,61,474/-	2,000/- 2,700/	29-01-2024
2024_UAD _325552_1 दि.12-01-2024	Construction Of R.C.C. Drain at fajla bi to suklal yadav Ward No. 11, Salichouka	2 माह, 1,48,853/-	1,000/- 3,900/	29-01-2024
2024_UAD _325554_1 दि.12-01-2024	Construction Of R.C.C. Drain at ishwar verma to pancham gurjar to baldev baretha Ward No. 11, Salichouka	2 माह, 4,88,282/-	2,000/- 4,900/	29-01-2024
2024_UAD _325556_1 दि.12-01-2024	Construction Of R.C.C. Drain at narayan mehra to harprasad rajak Ward No. 12, Salichouka	2 माह, 2,52,640/-	2,000/- 2,600/	29-01-2024
2024_UAD _325557_1 दि.12-01-2024	Construction Of R.C.C. Drain at mean road to sovran patel Ward No. 14, Salichouka	2 माह, 3,48,756/-	2,000/- 3,500/	29-01-2024
2024_UAD _325558_1 दि.12-01-2024	Construction Of R.C.C. Drain at mukesh yadav to vishnu harijan Ward No. 14, Salichouka	2 माह, 2,04,888/-	2,000/- 2,100/	29-01-2024
2024_UAD _325559_1 दि.12-01-2024	Construction Of R.C.C. Drain at rahul sammarwar to komal patel Ward No. 14, Salichouka	2 माह, 1,93,415/-	1,000/- 3,900/	29-01-2024

शर्त-निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://www.mptenders.gov.in की वेबसाईड पर किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा ।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद, सालीचौका

सात्विक-चिराग सुपर 1000 खिताब से एक जीत दूर

एजेंसी ▶▶| कुआलालंपुर

एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने शनिवार को कोरिया की विश्व चैंपियन सेओ सेउंग जे और कांग मिन ह्युकडिश की जोड़ी को को सीधे गेम में हराकर मलेशिया ओपन सुपर 1000 पुरुष युगल फाइनल में प्रवेश किया।

विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज भारतीय जोड़ी ने सत्र के अपने पहले टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में दूसरे गेम में शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की। सात्विक और चिराग की जोड़ी ने इस करीबी मुकाबले का पहला गेम 21-18 से जीता। दूसरे गेम में कोरिया की जोड़ी के पास छह गेम प्वाइंट थे लेकिन भारतीय जोड़ी ने लगातार आठ अंक जुटा कर इस गेम को 22-20 से जीतने के साथ फाइनल का टिकट पक्का किया। सात्विक और चिराग इस तरह अपने दूसरे सुपर 1000 खिताब से केवल एक कदम दूर है। उन्होंने इस स्तर का अपना पहला खिताब पिछले साल जून में इंडोनेशियाई ओपन में जीता था। भारतीय जोड़ी ने इंडोनेशिया ओपन में भी इसी कोरियाई जोड़ी को हराया था।

टी20 पहली द्विपक्षीय श्रृंखला सही कदम

इंदौर। *भारत के खिलाफ सीमित ओवर की पहली द्विपक्षीय श्रृंखला को 'सही दिशा में उठाया गया कदम' करार देते हुए अफगानिस्तान के कोच जोनाथन ट्रॉट ने शनिवार को उम्मीद जताई कि उनकी टीम को भविष्य में अन्य देशों के खिलाफ भी अधिक मौके मिलेंगे। अफगानिस्तान ने 2018 में भारत के खिलाफ एक टेस्ट खेला था और अब ट्रॉट इस अनुभव को आगे बढ़ाना चाहते हैं। ट्रॉट ने कहा, 'द्विपक्षीय श्रृंखला हमारी टीम के लिए सही दिशा में एक कदम है। यह टीम द्वारा की गई प्रगति का संकेत है।'*

निशानेबाज विजयवीर ने भारत को दिलाया 17वां पेरिस ओलंपिक कोटा

एजेंसी ▶▶| जकार्ता

भारत के विजयवीर सिद्धू ने शनिवार को यहां एशिया ओलंपिक क्वालीफायर की पुरुष 25 मीटर रैपिड फायर स्पर्धा में रजत पदक जीतकर देश को 17वां पेरिस ओलंपिक कोटा दिलाया।

इस तरह वह 25 मीटर रैपिड फायर में पेरिस ओलंपिक कोटा दिलाकर सीनियर साथी अनीश भानवाला के साथ शामिल हो गए। उन्होंने फाइनल में क्वालीफाई करते ही कोटा हासिल कर लिया था। शनिवार को फाइनल में पहुंचने वाले छह में से चार निशानेबाजों को कोटा स्थान मिलना तय था। चंडीगढ़ के विजयवीर ने एलिमिनेशन राउंड में 28 का निशाना लगाते ही रजत पदक जीतकर शान से कोटा प्राप्त किया।

पश्चिम मध्य रेल
इंजीनियरिंग विभाग, खुली निविदा
दिनांक 10.01.2024

निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा भारत संघ के राष्ट्रपति के पक्ष में वरिष्ठ मंडल अभियंता (समन्वय) मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर के द्वारा आमंत्रित की जाती है। **निविदा सूचना क्रमांक**– डीआरएम-डब्ल्यू-जे.बी.पी.-11-2024, **कार्य का नाम लोकेशन सहित**– वरिष्ठ खंड अभियंता(कार्य) नरसिंगपुर के सेक्शन में सहायक मंडल अभियंता नरसिंहपुर के अधीन वर्ष 2023 – 2024 के लिए रेलवे भवनों/स्टेशनों एवं रेलवे क्वार्टरों आदि के अनुरक्षण एवं भवन सामग्री की आपूर्ति हेतु क्षेत्रीय ठेका।, **कार्य का अनुमानित मूल्य रूपये – 56,01,000/–, समापन अवधि**– 12 माह, **बयाना राशि रूपये– 1,12,000/–, निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय 15:00 बजे तक – 06.02.2024, निविदा खुलने का समय 15:15 बजे तिथि: 06.02.2024,** उपरोक्त ई-निविदा संपूर्ण जानकारी वेबसाईट https://www.ireps.gov.in उपलब्ध है एवं इसकी पूरी जानकारी मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) कार्यालय पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर नोटिस बोर्ड पर रखी गई है। ई निविदा के आलावा उपरोक्त कार्य के लिए कोई भी निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी।
मंडल रेल प्रबंधक (कार्य), पमरे, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

कार्यालय नगर परिषद डिण्डौरी, जिला डिण्डौरी (म.प्र.)
Phone: 07644-234534 Email : cmodindori@mpurban.gov.in

एन.आई.टी.क्र./120/न.प./2023-2024 **ई-निविदा द्वितीय आमंत्रण सूचना** डिण्डौरी,दिनांक 13/01/2024

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

टेण्डर क्रमांक एवं जारी दिनाक	कार्य का नाम एवं	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ई. एम.डी.	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5
2024_UAD_326210 दिनाक: 13-01-2024	एस.डी.आर.एप. योजनांतर्गत वार्ड क्र 07 में रानी अवंती बाई चौक के पास सुलभ काम्पलेक्स तक कवर्ड नाला एवं मुख्य मार्ग में दोनों ओर नाली निर्माण। (द्वितीय आमंत्रण)	06 माह 8919000/-	10,000/- 89190/-	29/01/2024

नोट - निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाईड पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जायेगा ।

मुख्य नगर पालिका
नगर परिषद डिण्डौरी
जिला-डिण्डौरी

घोषणा 3100 रु. प्रति क्विंटल, भुगतान 2183 का

अभी - समर्थन मूल्य पर धान खरीदी में संकल्प पत्र दरकिनार

किसानों को मिलेगा 917 रुपए का धान बोनस

जबलपुर। मप्र में इनदिनों समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी हो रही है। किसानों से सरकार 2183 रूपए प्रति क्विंटल की दर से धान की खरीदी कर रही है। जबकि भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में 3100 रूपए प्रति क्विंटल धान खरीदी की घोषणा की थी, लेकिन उसे लागू नहीं किया है। इससे किसानों को 917 रूपए कम मिल रहे हैं। हालांकि भाजपा सूत्रों का कहना है कि सरकार किसानों को बाद में यह राशि बोनस के रूप में देगी। यानी प्रदेश के किसानों को धान पर मिलने वाले बोनस के लिए अभी कम से कम बजट तक इंतजार करना होगा, क्योंकि राज्य सरकार के खजाने में इतना पैसा नहीं है कि वह फिलहाल धान पर किसानों को बोनस दे सके।

राज्य सरकार ने नहीं किया फिलहाल कोई फैसला

दीपक सक्सेना जबलपुर कलेक्टर ने बताया कि फिलहाल धान खरीदी पर मिलने वाले बोनस को लेकर सरकार ने कोई आदेश जारी नहीं किया है। इसलिए अभी केवल समर्थन मूल्य पर ही किसानों की धान खरीदी जा रही है।लगभग 400 करोड़ का अतिरिक्त खर्चाः हालांकि पड़ोस के ही राज्य छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी ने धान खरीदी के साथ ही किसानों को बोनस का भुगतान भी शुरू कर दिया है। मध्य प्रदेश में वित्तीय स्थिति ठीक नहीं है, इसलिए हो सकता है कि किसानों को बोनस के लिए बजट के बाद तक इंतजार करना पड़े, क्योंकि लगभग 46 लाख टन धान खरीदने के बाद यदि 900 प्रति क्विंटल के हिसाब से सरकार किसानों को बोनस देगी, तो राज्य सरकार के खजाने पर लगभग 400 करोड़ रुपए का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा।

8 लाख किसानों को बोनस का इंतजार

साल 2022 और 23 में मध्य प्रदेश में लगभग 46 लाख मैट्रिक टन धान की खरीदी की गई थी। इस साल भी मध्य प्रदेश में इसी लक्ष्य के साथ धान की खरीदी की जा रही है। इस साल लगभग 8 लाख किसानों ने धान बेचने के लिए रजिस्ट्रेशन करवाया है। भाजपा ने अपनी घोषणा पत्र में कहा था कि धान पर समर्थन मूल्य के अलावा 900 प्रति क्विंटल के हिसाब से बोनस दिया जाएगा, लेकिन अब जबकि धान खरीदी शुरू हो गई है। किसानों ने धान बेचना भी शुरू कर दिया है, लेकिन किसानों को फिलहाल मात्र 2183 रुपए ही समर्थन मूल्य के हिसाब से मोटे धान का भुगतान किया जा रहा है। किसानों को उम्मीद थी कि इसी के साथ उन्हें 900 प्रति क्विंटल के हिसाब से बोनस भी मिल जाएगा, लेकिन फिलहाल बोनस नहीं मिला है। जबलपुर के शाहपुरा इलाके के रहने वाले किसान धर्मचंद पटेल बताते हैं कि उन्होंने बीते दिनों अपनी धान बेची, उन्हें भुगतान तो मिला लेकिन वह समर्थन मूल्य का ही था। उसमें बोनस जुडक़र नहीं आया।

टैरिफ बढ़ाने की तैयारी में बिजली कंपनी

किसानों को धीरे से लगेगा जोर का झटका

मिलने वाली छूट में अब लागू होंगी शर्तें

जबलपुर। मध्य प्रदेश में बिजली कंपनियां एक बार फिर से किसानों को बिजली का झटका देने की तैयारी में है। बिजली कंपनियों ने किसानों को मिलने वाली बिजली के टैरिफ में बढ़ोतरी का प्रस्ताव भेजा है। नए टैरिफ में बिजली कंपनियों ने प्रति यूनिट 35 पैसे की बढ़ोतरी के साथ ही प्रति माह लगने वाला फिक्स सरचार्ज में भी 15 रुपए बढ़ाने का प्रस्ताव विद्युत नियामक आयोग को भेजा है। यदि बिजली कंपनियों द्वारा भेजे गए प्रस्ताव पर मुहर लगती है तो किसानों को हर माह मिलने वाली 5 रुपए 40 पैसे प्रति यूनिट की बिजली 5 रुपए 75 पैसे के हिसाब से मिलेगी वहीं वर्तमान में किसानों को मिलने वाली बिजली पर प्रतिमाह फिक्स चार्ज 68 रुपए से बढक़र 83 रुपए हो जाएगा।

नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच ने इस बाबत विद्युत नियामक आयोग को एक पत्र लिखा है। मंच से सदस्य और सामाजिक कार्यकर्ता रजत भार्गव ने ने कहा है कि, उन्होंने पत्र के माध्यम से कहा है कि यदि इस तरह के प्रस्ताव पर मोहर लगती है तो किसानों पर अतिरिक्त बोझ डालने की कोशिश होगी जिसे किसी भी हाल में मंजूर न किया जाए।

क्या है वर्तमान में किसानों के बिजली के चार्ज

मध्य प्रदेश में किसानों को मिलने वाली बिजली में के वर्तमान रेट की बात की जाए तो 750 यूनिट बिजली के खपत के लिए 5 रुपए 40 पैसे प्रति यूनिट के हिसाब से बिल जनरेट होता है द्य जिसे बढ़ाकर 5 रुपए 75 पैसे करने का प्रस्ताव है। वहीं वर्तमान में किसानों को मिलने वाली बिजली के फिक्स चार्ज की बात की जाए तो 68 रुपए है जिसे बढ़ाकर 83 रुपए करने का प्रस्ताव भेजा गया है। इस तरह से बिजली के रेट में 35 पैसे प्रति यूनिट के हिसाब से दाम बढ़ाने वहीं मासिक सरचार्ज में 15 रुपए बढ़ाने का प्रस्ताव विद्युत नियामक आयोग को भेजा गया है।

किसानों को मिलने वाली छूट में भी शर्तें लागू

बिजली कंपनी ने सिर्फ बिजली के रेट बढ़ाने का प्रस्ताव नहीं भेजा बल्कि किसानों को मिलने वाली छूट में भी शर्तें लागू करने की सिफारिश भेजी है। जिसमें कहा गया है कि किसानों को उसी स्थिति में छूट मिलेगी जब किसानों के खेतों में आईएसआई मार्क का पंप होगा तथा पानी को सप्लाई करने वाली पाइप पीवीसी की होगी यदि यह शर्तें लागू होती है तो बमुश्किल से 5त्न किसानों को ही विद्युत बिल में छूट का लाभ मिल पाएगा।

644 स्कूलों का होगा कायाकल्प

जबलपुर। मप्र में शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सरकार ने सीएम राइज स्कूलो के साथ ही अब पीएम श्री योजना के तहत सरकारी स्कूलों के कायाकल्प की योजना बनाई है। योजना के तहत कक्षा 1 से 12 तक के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए राज्य में पीएम श्री स्कूल स्थापित होंगे। जानकारी के अनुसार पीएमश्री योजना के तहत प्रदेश के 644 स्कूल अपग्रेड होंगे। हर ब्लॉक से दो स्कूल चयनित किए गए हैं। इन स्कूलों में केंद्रीय विद्यालयों की तरह सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसके लिए प्रदेश में 219 करोड़ का बजट स्वीकृत किया गया है।

पीएम श्री योजना के तहत केंद्रीय विद्यालयों की तरह उपलब्ध होंगी सुविधाएं

पटरी पर नहीं आ रहे मौसम के मिजाज

दिन में गर्मी रात में सर्दी का काकटेल

जबलपुर। मौसम शुष्क होने के बाद आसमान एकदम साफ हो गया है। पारे में उछाल आने लगी। जबकि शाम को शीतलहर चलने लगती है। दिन में गर्मी और रात में सर्दी के कॉकटेल से स्वास्थ्य में प्रभाव पड़ रहा है। वहीं मौसम के मिजाज पटरी में नहीं आ पा रहे है। सर्दी के मौसम में धूप तीखी लग रही है और दिन भर गर्माहट बनी रहती है। जबकि शाम ढलने के बाद ठण्ड तेवर दिखाने लगती है। रात के आसमान पर बादल छाये रहे। धूप खिलने के बाद आसमान साफ होने लगता है और तापमान बढ़ने लगता है। दोपहर में धूप तीखी लगने लगती है। सूर्यास्त के बाद मौसम फिर करवट लेने लगता है और हल्की ठण्ड लगने लगती है। मौसम कार्यालय के मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान जबलपुर शहर का अधिकतम तापमान 2602 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 2 डिग्री अधिक रिकार्ड किया गया, इसी प्रकार न्यूनतम तापमान 11.06 डिग्री सेल्सियस डिग्री रिकार्ड किया गया, जो सामान्य से 1 डिग्री अधिक रहा। हवा में नमी

प्रथम पहर के बाद हवाओं की दिशा बदलने से शीतलहर का असर महसूस किया जाने लगता है। मौसम विभाग का कहना है कि पश्चिमी विक्षोप के बार-बार प्रभावी होने से ठण्ड एक रफ्तार से नहीं चल रही है। पश्चिमी विक्षोप का असर समाप्त होने पर एक बार फिर ठण्ड पलटवार करेगी और तापमान नीचे आयेगा।

स्थानीय मौसम विज्ञान केन्द्र के प्रवक्ता ने बताया कि पश्चिमी विक्षोप के कारण सुबह सुबह प्रात काल 89 प्रतिशत और सायंकाल 55 प्रतिशत आंकी गई। उत्तरी हवाएं 3 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चलीं। सूर्योदय सुबह 6.54 बजे और सूर्यास्त शाम 5.45 बजे हुआ। प्रदेश में सबसे कम 4.8 डिग्री तापमान कल्याणपुर (शहडोल) में दर्ज किया गया। अगले 24 घंटे के दौरान मौसम शुष्क रहेगा। गत वर्ष आज के दिन अधिकतम तापमान 27.01 और न्यूनतम तापमान 1106 डिग्री दर्ज किया गया था।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240